दैनिक सुप्रभात रायपुर आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी ▸ प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी ▸ वर्ष : 26 ▸ अंक : 114 रायपुर, बुधवार, 13 मई 2026 ▸ पृष्ठ : 12 ▸ मूल्य ₹ 2.00 RNI NO. CHH HIN/2001/05596

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

3 दिखा सुशासन का असर...

मां बनना जिंदगी का ... 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

दुर्ग के कुम्हारी में सिलेंडर ब्लास्ट से एक ही परिवार के 4 लोग जिंदा जले

दुर्ग (प्रतिदिन राजधानी)

दुर्ग जिले के कुम्हारी स्थित महामाया बस्ती में मंगलवार को गैस सिलेंडर ब्लास्ट से दर्दनाक हादसा हो गया। अचानक हुए जोरदार धमाके और आग लगने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो युवतियां, एक पुरुष और डेढ़ साल की बच्ची शामिल हैं। धमाका इतना तेज था कि आसपास के घरों की खिड़कियां तक हिल गईं और इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सिलेंडर से गैस रिसाव होने के कारण पूरा घर गैस से भर गया था। इसी दौरान विस्फोट होने से आग ने पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। घर के अंदर मौजूद लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला।

सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक मकान पूरी तरह जल चुका था। पुलिस ने बड़ी मशक्कत के बाद चारों शवों को बाहर निकाला। मृतकों की पहचान 45 वर्षीय अनिल वैष्णव, 20 वर्षीय लक्ष्मी, 18 वर्षीय चांदनी और डेढ़ साल की गोपिका वैष्णव के रूप में हुई है।

सीएम साय ने जताया गहरा दुःख : 9-9 लाख सहायता राशि देने की घोषणा

शॉर्ट सर्किट और सिलेंडर विस्फोट से एक ही परिवार के चार सदस्यों की दर्दनाक मौत पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह घटना अत्यंत हृदयविदारक है। इससे मन अत्यंत व्यथित है। उन्होंने शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की विशेष सहायता राशि देने की घोषणा की है। यह राशि शासन के नियमानुसार दी जाने वाली 4-4 लाख रुपये की सहायता के अतिरिक्त होगी।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने परिजनों से मिलकर जताया शोक

घटना की जानकारी मिलते ही छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने तत्काल मृतकों के निवास पर पहुँचकर परिजनों से भेंट की और गहरी संवेदना व्यक्त की। स्वास्थ्य मंत्री ने स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस के साथ मौके पर पहुँचकर घटनास्थल का निरीक्षण भी किया। उन्होंने शोकाकुल परिवारों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। मंत्री जी ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद है और प्रशासन पीड़ित परिवारों के साथ है। उन्होंने घटना की उचित जाँच कराने एवं प्रभावित परिवारों को शासन की ओर से सहायता दिलाने की बात कही।

पेपर लीक होने के बाद नीट परीक्षा रद्द

22.79 लाख परीक्षार्थी दोबारा देंगे परीक्षा

■ सीबीआई करेगी पेपर लीक मामले की जांच, परीक्षार्थियों को मिलेगी परीक्षा शुल्क से छूट

एजेंसी, कोटा

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने तीन मई को देशभर में ऑफ्लाइन मोड में हुई नीट-यूजी, 2026 परीक्षा को मंगलवार को रद्द कर दिया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से अनुमति के बाद अब यह परीक्षा दोबारा आयोजित की जायेगी, इसके लिये परीक्षार्थियों को दोबारा पंजीयन नहीं करवाना है। साथ ही, इसके लिये परीक्षार्थियों से कोई परीक्षा शुल्क नहीं लिया जायेगा। उनके द्वारा जमा राशि भी लौटाई जायेगी। अभ्यर्थियों को नीट-यूजी, 2026 के लिये फिर से प्रवेश पत्र जारी किये जाएंगे।

एनटीए के अनुसार इस वर्ष कुल 22,79,746 परीक्षार्थियों ने नीट परीक्षा दी थी, जिसमें 13,32,928 (58.46 प्रतिशत) छात्रायें एवं 9,46,815 (41.54 प्रतिशत) छात्र शामिल हुये थे। इस वर्ष 3,38,113 छात्राएं अधिक रहीं। देश के सभी परीक्षा केंद्रों पर 3 मई को हुई इस परीक्षा में राजस्थान के कुछ केंद्रों पर पेपर लीक होने की सूचना मिलने पर केंद्रीय जांच एजेंसियों एवं राजस्थान की स्पेशल आपरेशन ग्रुप ने इसकी गहराई से पड़ताल की। परीक्षा प्रणाली में निष्पक्षता बनाये रखने के लिये छात्र हित में इसे दोबारा कराने का निर्णय लिया गया है।

परीक्षा होने के चार दिन बाद 7 मई देर शाम को एनटीए को राजस्थान के कुछ परीक्षा केंद्रों पर पेपर लीक या परीक्षा से पहले डमी पेपर बेचने जैसी संदिग्ध गतिविधियों के इनपुट प्राप्त हुये। एजेंसी ने मामले की गहराई से जांच और आवश्यक कदम उठाने के लिये सारे दस्तावेज व इनपुट केंद्रीय जांच एजेंसियों को सौंपे। मंगलवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से अनुमति मिलने पर यह परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया गया। परीक्षा की अगली तिथि के लिये वेबसाइट पर अधिकृत सूचना जारी कर दी जायेगी।

केंद्र सरकार ने परीक्षा के दौरान हुई संभावित गड़बडी की जांच सीबीआई से करवाने के निर्देश दिये हैं, जिसमें एनटीए सभी परीक्षा सामग्री, सारे रिकॉर्ड एवं पूछताछ आदि सीबीआई को सौंपकर पूरा सहयोग करेगी।

नीट परीक्षा रद्द होना युवाओं के भविष्य के साथ अपराध : राहुल गांधी

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द होने पर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 22 लाख से अधिक छात्रों की मेहनत, त्याग और सपनों को भ्रष्ट व्यवस्था ने कुचल दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक, सरकारी लापरवाही और शिक्षा में संगठित भ्रष्टाचार ने युवाओं का भविष्य खतरे में डाल दिया है।

राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि किसी पिता ने कर्ज लिया, किसी मां ने गहने बेचे और लाखों बच्चों ने रात-रात भर जागकर पढ़ाई की, लेकिन बदले में उन्हें मिला पेपर लीक और भ्रष्टाचार। यह केवल नाकामी नहीं बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ अपराध है।

उन्होंने कहा कि हर बार पेपर माफिया बच निकलते हैं और ईमानदार छात्र सजा भुगतते हैं। अब लाखों छात्र फिर से मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और अनिश्चितता झेलेंगे। अगर शिक्षा परिश्रम से नहीं बल्कि पैसे और पहुंच से तय मिलेगी तो फिर शिक्षा का महत्व क्या रह जाएगा।

मोदी की विदेश यात्रा की शुरुआत यूएई से होगी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच देशों की यात्रा की शुरुआत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से करेंगे जहां यूएई से भारत की ऊर्जा सुरक्षा के बारे में अहम समझौते होने की संभावना है जबकि नॉर्डिक देशों के साथ स्वच्छ ऊर्जा एवं हरित प्रौद्योगिकी के बारे में महत्वपूर्ण साझीदारी बनाने का प्रयास किया जाएगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में प्रधानमंत्री की आगामी पांच देशों की यात्रा के बारे में कहा, प्रधानमंत्री पांच देशों के दौरे पर निकल रहे हैं। उनके कार्यक्रम का पहला पड़ाव यूएई होगा। जैसा कि आप जानते हैं, यूएई के साथ हमारे बहुआयामी संबंध हैं, जिनमें ऊर्जा सुरक्षा एक बहुत ही महत्वपूर्ण घटक है। इस दौरे के दौरान भी चर्चा का मुख्य विषय ऊर्जा सुरक्षा ही रहेगा- विशेष रूप से, उनके साथ हमारी चल रही साझीदारी को और कैसे व्यापक और गहरा बनाया जाए, ताकि हम अपने स्वयं के ऊर्जा सुरक्षा ढांचे को प्रभावी ढंग से मजबूत कर सकें।

भारत-नेपाल सीमा पर अवैध घुसपैठ की कोशिश, 4 हिरासत में

एजेंसी, सिलीगुड़ी

भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा बलों ने अवैध घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी इलाके में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने

कार्रवाई करते हुए दो थाई नागरिकों समेत 4 लोगों को मंगलवार को हिरासत में लिया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान थाईलैंड निवासी नुसरा किंगवान और शॉनी चालासिया, श्रेष्ठ भरताली (नेपाल) एवं मोहम्मद सुलेमान (भारत) के रूप में हुई है।

गिरफ्तार आरोपितों में थाईलैंड के दो नागरिक, नेपाल का एक नागरिक और एक भारतीय शामिल है। सभी संदिग्ध अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। उनके पास से महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बरामद किए गए है, जिनमें वीजा से जुड़े कागजात शामिल हैं। एसएसबी ने सभी को हिरासत में लेकर नक्सलबाड़ी थाना पुलिस के हवाले कर दिया है। इस दौरान एक चार पहिया वाहन भी जब्त किया गया है, जिसका इस्तेमाल सीमा पार करने में किया जा रहा था।

भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक संपन्न

कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आज होगी प्रदेश कार्यसमिति बैठक

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में मंगलवार को भाजपा पदाधिकारियों की आवश्यक बैठक आहूत की गई। राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने दीप प्रज्जवलित कर बैठक का शुभारंभ किया। बैठक में प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन,अखिलेश सोनी, डॉ नवीन मार्कंडेय सहित भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि पार्टी द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की एवं आगामी कार्य योजना पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रदेश महामंत्री श्री जैन ने कहा कि कल बुधवार 13 मई को भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रदेश कार्यसमिति बैठक आयोजित की गई है। प्रदेश कार्यसमिति बैठक में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय का मार्गदर्शन होगा। कल की बैठक में भाजपा प्रदेश पदाधिकारी जिला अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष सहित भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य मौजूद रहेंगे।

आज से चीन के दौरे पर डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी, वाशिंगटन

ईरान के साथ युद्ध के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस हफ्ते चीन के दौरे पर जाएंगे। चीन के विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की। मंत्रालय ने बताया कि ट्रंप चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर 13 मई से 15 मई तक राजकीय यात्रा पर रहेंगे। ट्रंप का यह दौरा मार्च के अंत या अप्रैल की शुरुआत में तय था किंतु ईरान युद्ध पर ध्यान केंद्रित करने के कारण उन्होंने यात्रा रद्द कर दी थी।

हिमंत बिस्व सरमा लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री बने, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

एजेंसी, गुवाहाटी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। हालांकि, असम में भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लगातार तीसरी बार सरकार का गठन हुआ है। वर्ष 2016 में पहली बार भाजपा ने असम में सत्ता के शीर्ष पर पहुंचने में सफल हुई थी।

गुवाहाटी के खानापारा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित भव्य समारोह में डॉ. सरमा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा समेत राजग शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में शपथ ली। उनके साथ भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक रामेश्वर तेली और अजंता नेओग, असम गण परिषद (अगप) के अतुल बोरा और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के चरण बोडो ने मंत्री पद की शपथ ली।

उल्लेखनीय है कि असम विधानसभा चुनाव 2026 में राजग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 126 सदस्यीय विधानसभा में 102 सीटों पर जीत हासिल की। इसमें भाजपा को 82 सीटें मिलीं, जबकि सहयोगी दलों अगप को 10 तथा बीपीएफ को 10 सीटों पर जीत हासिल करने में सफलता हासिल की।

समारोह के दौरान पूरे राज्य से पहुंचे लाखों लोग जय श्रीराम, भारत माता की जय, वंदे मातरम, जय आई असम आदि के नारे लगाते रहे, जिससे पूरे माहौल में उत्साह देखा गया। समारोह में महिलाओं की भी बड़ी सख्या में मौजूदगी देखी गयी। भारी संख्या में पहुंचे लोगों की सुविधा के लिए पंडाल के अलग-अलग हिस्सों में बड़े-बड़े एलईडी डिस्प्ले लगाए गये थे।

डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, रामेश्वर तेली, अजंता नेओग तथा असम गण परिषद (अगप) विधायक अतुल बोरा ने असमिया भाषा में शपथ ग्रहण किया, जबकि बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के विधायक चरण बोडो ने बोडो भाषा में शपथ ली।

नारायणपुर में नक्सलियों का बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सहित एक करोड़ नकद बरामद

नारायणपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ के जंगल से मंगलवार को सुरक्षा बलों ने नक्सली डंप से एक करोड़ एक लाख 64 हजार रुपये की नकदी सहित बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद किया है।

नारायणपुर एसपी रोबिनसन गुड़िया ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि 'माड़ बचाओ अभियान' के तहत यह कार्रवाई नारायणपुर पुलिस, डीआरजी, एसटीएफ, आईटीबीपी और बीएसएफ की संयुक्त टीम के द्वारा जिले में लगातार सर्चिंग और एरिया डोमिनेशन अभियान चलाया जा रहा था। इसी अभियान के दौरान नक्सलियों के छिपाकर रखी नकदी, बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री के डंप का पता चला।

एसपी गुड़िया ने बताया कि सुरक्षाबलों की टीम आज अबूझमाड़-महाराष्ट्र सीमा से लगे जंगल में सुरक्षाबलों की टीम सर्च ऑपरेशन पर निकली थी। इस दौरान बड़ी मात्रा में नकद राशि और नक्सल सामग्री जमीन में गढ़ा हुआ मिला, जिसे बरामद किया गया है। डंप में आईईडी बनाने का सामान, हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक सामग्री और दैनिक उपयोग का सामान था। वहीं, कुछ पोस्टर भी मिले हैं, जो नक्सलियों के लीडर के बताए जा रहे हैं। इतनी बड़ी रकम कहां से आई पुलिस इसकी जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि साल 2025-26 में अब तक जिले में कुल 270 हथियार बरामद किए जा चुके हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि जंगलों या आस-पास किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस और केंद्रीय बलों को दें, ताकि जिले को पूरी तरह नक्सलमुक्त बनाया जा सके।

सीवरेज पाइपलाइन विस्तार कार्य के दौरान मिट्टी धंसने से तीन मजदूर दबे

बालोद, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में सीवरेज पाइपलाइन विस्तार कार्य के दौरान बड़ा हादसा हो गया। दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र के फुटबॉल ग्राउंड स्थित दास पान ठेला के सामने निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी धंसने से तीन मजदूर नाली में दब गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तीनों मजदूरों की मौत की आशंका जताई जा रही है। मृतकों में एक महिला मजदूर भी शामिल बताई जा रही है।

बताया जा रहा है कि बीएसपी की सीवरेज पाइपलाइन विस्तार परियोजना के तहत कार्य चल रहा था। इसी दौरान जेसीबी और चेन माउंट मशीन की मदद से खुदाई की जा रही थी। अचानक मिट्टी धंसने से वहां काम कर रहे मजदूर मलबे में दब गए।

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जुट गई। वहीं पुलिस और बीएसपी के वरिष्ठ अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया गया। हादसे के पीछे निर्माण कार्य में लापरवाही को वजह माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

टाटा ने फ्रांसीसी कंपनी एयरबस के सहयोग से तैयार किया पहला सी-295 एयरक्राफ्ट

■ इसी तरह 39 अन्य विमानों का निर्माण दस वर्षों के भीतर टाटा कंसोर्टियम भारत में ही करेगा

एजेंसी, नई दिल्ली

फ्रांसीसी कंपनी एयरबस के सहयोग से गुजरात के वडोदरा में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड ने फाइनल असेंबली लाइन में पहला सी-295 एयरक्राफ्ट तैयार कर लिया है। यह भारत में सैन्य परिवहन का पहला एयरक्राफ्ट है, जो भारतीय वायुसेना के लिए 'आत्मनिर्भर भारत' पहल को पूरा करता है। यह पहली बार है जब किसी प्राइवेट भारतीय कंपनी ने देश में पूरी मिलिट्री एयरक्राफ्ट फाइनल असेंबली लाइन बनाई और चालू की है।

यह कार्यक्रम 2021 में किए गए 21 हजार 935 करोड़ के ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट डील के तहत वायु सेना के लिए फ्रांसीसी कंपनी एयरबस की साझेदारी में चलाया जा रहा है। फ्रांसीसी कंपनी एयरबस डिफेंस एंड स्पेस के साथ 24 सितंबर 2021 को 56 सी-295 सैन्य परिवहन विमानों का सौदा फाइनल हुआ था। इसी सौदे के तहत यह पहला विमान स्पेन में ही तैयार करके वायु सेना को आपूर्ति भी कर दिया गया है। यह पहला सी-295 परिवहन विमान 20 सितम्बर 2023 को वडोदरा के वायु सेना स्टेशन पर उतरा था। इस विमान को ग्रुप कैप्टन पीएस नेगी फ्रांस से मिस्र और बहरीन होते हुए उड़ाकर भारत लाये थे। इसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 25 सितंबर को हिंडन एयरबेस पर विमान को औपचारिक रूप से भारतीय वायु सेना के परिवहन बेड़े में शामिल किया था।

भारतीय वायु सेना के लिए स्पेन में तैयार किया गया पहला सी-295 सैन्य परिवहन विमान 13 सितंबर को एयरबस कंपनी ने भारतीय वायु सेना के तत्कालीन प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी को स्पेन के सेविले में सौंपा था। सी-295 विमान की चाबी मिलने के बाद उसी दिन एयर चीफ ने स्पेन में खुद यह विमान उड़ाकर इसकी क्षमता परखी थी। समझौते के मुताबिक़ कंपनी को 16 विमान स्पेन में तैयार करके भारत को 'फ्लाइंग मोड' में आपूर्ति करना है, जबकि अन्य 40 विमानों का निर्माण दस वर्षों के भीतर टाटा कंसोर्टियम भारत में ही करेगा।

विकसित कृषि संकल्प अभियान में किसानों को आधुनिक खेती का मिला प्रशिक्षण

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को जिले के विभिन्न विकासखंडों में किसानों के लिए जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिले के 12 स्थानों पर हुए इन कार्यक्रमों में कृषि वैज्ञानिकों और विभागीय अधिकारियों ने किसानों को आधुनिक खेती, खरीफ फसल की तैयारी, प्राकृतिक कृषि और मृदा प्रबंधन की जानकारी दी। अभियान के तहत विकासखंड भैयाथान के गंगोटी और बतरा, ओड़गी के मोहरसोप और भाड़ी, सूरजपुर के अजबनगर और सोनवाही, रामानुजनगर के परशुरामपुर और पम्पानगर, प्रतापपुर के टुकुडांड और केंवरा तथा प्रेमनगर के विंध्याचल और कोतल में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र सरगुजा और कृषि महाविद्यालय प्रतापपुर के वैज्ञानिकों ने किसानों को नई कृषि तकनीकों, उन्नत बीज, मृदा परीक्षण, कीट एवं रोग नियंत्रण, संतुलित उर्वरक उपयोग और कृषि उपकरणों की जानकारी दी। किसानों को खरीफ सीजन की तैयारियों को लेकर वैज्ञानिक तरीके से खेती करने के लिए प्रेरित किया गया।

विशेषज्ञों ने दलहन और तिलहनी फसलों में उत्पादन बढ़ाने, लागत कम करने, फसल विविधीकरण अपनाने और प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

कृषि विज्ञान केंद्र सरगुजा के कार्यक्रम सहायक (कीट विज्ञान) वीरेंद्र कुमार ने किसानों को कीट एवं रोग प्रबंधन, नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, पीएसबी कन्सोर्टिया, नील हरित शैवाल, अजोला और प्राकृतिक खेती की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। कृषि विभाग ने एग्रीस्टेक, पीएम किसान योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और जैव उर्वरकों के उपयोग के संबंध में किसानों को जागरूक किया।

प्रधानमंत्री आवास निर्माण में तेजी लाने सीईओ ने लगाई जन चौपाल, हितग्राहियों को दिया समयबद्ध लक्ष्य

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत स्वीकृत आवासों का निर्माण समय-सीमा में पूरा कराने जिला प्रशासन ने निगरानी तेज कर दी है। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत बदौली में जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर ने विशेष जन चौपाल और समीक्षा बैठक लेकर हितग्राहियों से सीधा संवाद किया तथा निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में ग्राम पंचायत बदौली, कुन्दीकला और शिवपुर के हितग्राहियों की मौजूदगी में आवास निर्माण की प्रगति की समीक्षा की गई। सीईओ ने प्रत्येक हितग्राही से आवास की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और जिन आवासों का काम शुरू नहीं हुआ है, उन्हें तत्काल प्रारंभ करने को कहा। उन्होंने एक सप्ताह के भीतर निर्माण कार्य में स्पष्ट प्रगति लाने के निर्देश दिए। सीईओ ने कहा कि प्लिंथ से टॉप स्तर तक पहुंचे आवासों का कार्य आगामी 15 दिनों के भीतर पूरा किया जाए। वहीं टॉप लेवल पूर्ण होने के 10 दिनों के भीतर सेंट्रिंग और ढलाई का कार्य अनिवार्य रूप से कराया जाए। उन्होंने हितग्राहियों को जल्द से जल्द पक्का मकान पूरा करने के लिए प्रोत्साहित भी किया।

बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि हितग्राहियों को समय पर तकनीकी मार्गदर्शन और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए, ताकि आवास निर्माण में किसी प्रकार की बाधा न आए। समीक्षा के दौरान ग्राम पंचायत सिधमा और खोखनिया के सचिवों की अनुपस्थिति पर सीईओ ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दोनों सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण जिला पंचायत कार्यालय में प्रस्तुत कराने के निर्देश दिए।

अवैध लकड़ी परिवहन पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, पिकअप वाहन सहित साल लट्ठा जब्त

बलरामपुर। वनमंडलाधिकारी बलरामपुर आलोक कुमार बाजपेयी के निर्देशन एवं उपवनमंडलाधिकारी बलरामपुर अनिल कुमार सिंह पैकरा के मार्गदर्शन में वनपरिक्षेत्र बलरामपुर की टीम ने अवैध लकड़ी परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। वन विभाग के द्वारा आज जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 11 मई 2026 को वनपरिक्षेत्र बलरामपुर के सर्किल मानिकपुर, बीट मानिकपुर अंतर्गत वन कक्ष क्रमांक आर.एफ. 3511 वनखंड मानपुर से अवैध रूप से साल प्रजाति के लट्ठों का परिवहन किया जा रहा था। इस दौरान वन विभाग की टीम ने पिकअप वाहन क्रमांक UP64T9601 को पकड़कर उसमें लोड साल प्रजाति के आठ लट्ठा, कुल 1.915 घनमीटर लकड़ी जब्त की। मामले में विष्णु गुप्ता पिता स्व. दशरथ गुप्ता एवं सर्वोत्तम गुप्ता पिता विष्णु गुप्ता, निवासी ग्राम बानापती थाना रामानुजगंज जिला बलरामपुर-रामानुजगंज को आरोपित बनाया गया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ वन अपराध प्रकरण क्रमांक 21979/12 दिनांक 11.05.2026 दर्ज कर भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 41, धारा 52 एवं छत्तीसगढ़ अभिवहन (वनोपज) नियम 2001 के नियम 22 के तहत कार्रवाई की जा रही है। वन विभाग ने दोनों आरोपितों को आज गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल रामानुजगंज भेज दिया है।

चुनाव के दौरान लाउडस्पीकर उपयोग पर सख्ती बिना अनुमति प्रचार करने पर होगी कार्रवाई

सूरजपुर। पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव को लेकर जिले में आदर्श आचार संहिता लागू होने के साथ प्रशासन ने ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर सख्त प्रतिबंध लगा दिया है। जिला प्रशासन ने चुनावी प्रक्रिया के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने और आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करने के लिए यह आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार नगर पंचायत शिवनंदनपुर सहित विकासखंड सूरजपुर, भैयाथान, रामानुजनगर, प्रेमनगर, प्रतापपुर और ओड़गी के विभिन्न ग्राम पंचायत क्षेत्रों में यह प्रतिबंध प्रभावशील रहेगा।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक किसी भी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। चुनावी सभाओं और प्रचार के दौरान सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक ही सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति से लाउडस्पीकर का उपयोग किया जा सकेगा।

आदेश के तहत लंबे चोंगे वाले लाउडस्पीकर पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। वहीं वाहनों और चुनावी सभाओं में एक से अधिक लाउडस्पीकर समूह लगाने की अनुमति भी नहीं होगी। चुनाव प्रचार के लिए ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग हेतु संबंधित रिटर्निंग और सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को सक्षम प्राधिकारी बनाया गया है। प्रशासन ने कहा है कि प्रचार वाहन चलाने के दौरान अनुमति पत्र और वाहन पंजीयन दस्तावेज साथ रखना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति या निर्धारित समय सीमा के बाद लाउडस्पीकर का उपयोग करते पाए जाने पर वाहन और ध्वनि विस्तारक यंत्र जब्त कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

तक्षशिला लाइब्रेरी में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम

साइबर अपराध और महिला सुरक्षा पर दी गई अहम जानकारी

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

सूरजपुर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा तक्षशिला लाइब्रेरी, सूरजपुर में मंगलवार को कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा प्रावधानों और निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी देना रहा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में व्यवहार न्यायाधीश अंजली पाण्डेय मौजूद रहीं। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद लोगों को न्याय दिलाने के लिए निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का सुरक्षित और सशक्त समाज का आधारशिला है।

कार्यक्रम में बढ़ते साइबर अपराधों पर विस्तार से चर्चा की गई। लोगों को फर्जी कॉल, लिंक, एपीके फाइल और सोशल मीडिया के जरिए होने वाली ठगी से सतर्क रहने की सलाह दी गई। बताया गया कि अनजान लिंक या एप डाउनलोड करने से मोबाइल हैक, बैंकिंग जानकारी लीक और डेटा चोरी जैसी घटनाएं हो सकती हैं। इसके साथ ही डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों के बारे में भी जानकारी दी गई, जिसमें ठग खुद को पुलिस, सीबीआई या सरकारी अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं और पैसों की मांग करते हैं। ऐसे मामलों में तुरंत साइबर हेल्पलाइन या पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी गई।

कार्यक्रम में महिलाओं के अधिकारों और घरेलू हिंसा से जुड़े कानूनों की भी जानकारी दी गई। महिलाओं को बताया गया कि मानसिक, आर्थिक या शारीरिक प्रताड़ना की स्थिति में कानून उनके संरक्षण के लिए मौजूद है और वे निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकती हैं। मोटर व्हीकल एक्ट के तहत यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग तथा नाबालिगों द्वारा वाहन न चलाने की अपील की गई। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी गई।

दुकान नीलामी पर उठे सवाल, भ्रष्टाचार व सांठगांठ के गंभीर आरोपों के बीच निष्पक्ष जांच की मांग

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

अपनी विवादित कार्यप्रणाली को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाली सरगुजा जिले के सीतापुर नगर पंचायत एक बार फिर नए विवाद के केंद्र में है। इस बार मामला नगर पंचायत द्वारा आयोजित दुकानों की नीलामी प्रक्रिया से जुड़ा है, जिसमें भ्रष्टाचार और नियमों की अनदेखी के गंभीर आरोप लग रहे हैं। स्थानीय निवासियों और जनप्रतिनिधियों का दावा है कि इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता को ताक पर रखकर रसूखदारों और अपने चहेतों को गुपचुप तरीके से लाभ पहुँचाया गया है। अब इस मामले की सच्चाई उजागर करने के लिए उच्च स्तरीय जांच की मांग तेज हो गई है।

ज्ञात हो कि लगभग दो माह पूर्व वार्ड क्रमांक-10 में नगर पंचायत द्वारा निर्माण कार्य से पहले ही 35 दुकानों की नीलामी आयोजित की गई थी। इस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए 50 हजार रुपये की धरोहर राशि और एक हजार रुपये का फॉर्म शुल्क अनिवार्य किया गया था। चूंकि संबंधित क्षेत्र में प्रत्येक बुधवार को साप्ताहिक बाजार लगता है, इसलिए व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इन दुकानों के लिए बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साह दिखाया था। हालांकि, स्थानीय लोगों का आरोप है कि नीलामी के दौरान नगर पंचायत परिसर में ही खुलेआम सांठगांठ का खेल चला। आरोप है कि मध्यस्थों के जरिए मोटी रकम लेकर मनपसंद दुकानें पहले ही बुक कर ली गईं। इसी खींचतान के कारण जो नीलामी एक दिन में संपन्न होनी थी, उसे पूरा करने में दो दिन लग गए। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारी और जनप्रतिनिधि इस पूरे घटनाक्रम के दौरान मूकदर्शक बने रहे, जिससे उनकी भूमिका पर भी संदेह की उंगली उठ रही है।

सुशासन शिविर में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़, 217 आवेदन मिले

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

सुशासन तिहार के तहत विकासखंड रामानुजनगर के ग्राम पंचायत बरबसपुर में मंगलवार को जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 19 गांवों के बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और अपनी समस्याओं व मांगों से जुड़े आवेदन प्रशासन को सौंपे।

कार्यक्रम विधायक भूलन सिंह मरावी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। शिविर के दौरान ग्रामीणों से कुल 217 आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण की प्रक्रिया मौके पर ही शुरू कर दी गई।

शिविर में गणेशपुर, बरबसपुर, पवनपुर, रामतीर्थ, हनुमानगढ़, पंचवटी, रोमेश्वरम्, मदनपुर, अर्जुनपुर, जगतपुर, मकरबंधा, परमेश्वरपुर, द्वारिकापुर, छिन्दिया, अक्षयपुर, केशवपुर, गोकुलपुर, लब्जी और पिवरी सहित 19 ग्रामों के ग्रामीणों ने भाग लिया।

इस दौरान राजस्व, पंचायत, कृषि, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, खाद्य, विद्युत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य गांव स्तर पर ही आम लोगों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच मजबूत सेतु का काम कर रहा है, जिससे ग्रामीणों को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त आवेदनों का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को समय पर राहत मिल सके।

प्रशासन के अनुसार, सुशासन तिहार के तहत इस क्षेत्र में अब तक कुल 511 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 60 आवेदनों का तत्काल निराकरण किया जा चुका है, जबकि शेष 451 मामलों में शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

हाथी हमले के पीड़ित परिवारों को मिली त्वरित राहत, प्रशासन ने वितरित की मुआवजा राशि

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

सूरजपुर जिले के कल्याणपुर में हाथी हमले में जान गंवाने वाले ग्रामीणों के परिजनों को प्रशासन ने त्वरित राहत राशि वितरित कर दी है। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के निर्देश पर जिला प्रशासन और वन विभाग ने तेजी से कार्रवाई करते हुए प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई।

घटना पर दुख व्यक्त करते हुए मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि पीड़ित परिवारों को बिना विलंब सहायता राशि दी जाए। इसके बाद वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, सूरजपुर मंडल ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के तहत मुआवजा राशि स्वीकृत कर वितरण की प्रक्रिया पूरी की।

विभागीय जानकारी के अनुसार, हाथी हमले में मृत ग्रामीणों के परिजनों में कांति भोई और राजेश्वरी सिंह श्याम को डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खातों में 5 लाख 50 हजार रुपये की सहायता राशि भेजी गई है। इसके अलावा डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर, सूरजपुर द्वारा दोनों परिवारों को 50-50 हजार रुपये अतिरिक्त सहायता राशि भी डीबीटी के जरिए प्रदान की गई। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि संकट की घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा होना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हाथी-मानव द्वंद्व को कम करने और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन लगातार सतर्कता बरत रहा है।

पीएम श्री सेजेस जयनगर में पहली कक्षा के प्रवेश के लिए आज निकलेगी लॉटरी

सूरजपुर। सूरजपुर पीएम श्री सेजेस जयनगर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा पहली में प्रवेश प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया 10 अप्रैल से 9 मई तक संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक आवेदन जमा किए।

विद्यालय द्वारा पात्र और अपात्र आवेदकों की सूची 12 मई को जारी की जाएगी। इसके बाद चयनित विद्यार्थियों के अंतिम चयन के लिए 13 मई को सुबह 10 बजे विद्यालय परिसर में लॉटरी प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। विद्यालय प्रबंधन ने सभी अभिभावकों से निर्धारित तिथि और समय पर विद्यालय में उपस्थित रहने की अपील की है। साथ ही प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी के लिए विद्यालय द्वारा जारी सूचनाओं पर नियमित नजर बनाए रखने को कहा गया है।

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) फोन नं. 0771-4903223
email ID-eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि, सामान्य आवास योजनांतर्गत दोंदेखुर्द रायपुर जिला-रायपुर में स्थित सीनि. एल.आई.जी. भवन क्रमांक 280, श्री देवेन्द्र कुमार वर्मा पिता स्व. श्री ईश्वरी राम वर्मा के नाम पर इस कार्यालय के नामांतरण आदेश क्रमांक-102 दिनांक 05.05.2026 के माध्यम से नामांतरित किया गया है। वर्तमान मे नामांतरी श्री देवेन्द्र कुमार वर्मा पिता स्व. श्री ईश्वरी राम वर्मा निवासी-सीनि. एल.आई.जी. भवन क्रमांक 280 हाउसिंग बोर्ड कालोनी दोंदेखुर्द रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को श्रीमती वैशाली जायसवाल पति श्री सुमित कुमार गुप्ता निवासी-357 शॉपिंग कॉम्पलेक्स के पास हाउसिंग बोर्ड कालोनी दोंदेखुर्द, दोंदेकला रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.) के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अतः उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./31197/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 12/05/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 31197

वार्ड का नाम -70- संत रविदास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR568K00112 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती RAJKUMAR DONGRE पिता/पति श्री/श्रीमती DOMAJI DONGRE के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती SMT BIRMATI DEVI BARGOTI पिता/पति श्री/श्रीमती SHRI SATYAVIR SINGH BARGOTI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल-18
तहसील व जिला-रायपुर
जारी दिनांक 07/05/2026

प्रति,

(1) प्रकाश महेश पिता भागचंद पिंजानी नि. लाखेनगर रायपुर, (2) प्रकाश दावड़ा पिता मगनलाल दावड़ा नि. गीतांजली नगर रायपुर (3) गौरव कुमार पिता संतोष गुप्ता वगैरह नि. रायपुर (4) सुदीप कुमार शर्मा पिता दिलीप कुमार नि. पुरानी बस्ती रायपुर (5) योगेश अग्रवाल पिता डी.एन. अग्रवाल नि. पुरानी बस्ती रायपुर (6) ज्योति साहू पिता बी.आर. साहू नि. रायपुर

विषय :- आवेदक अजय कुमार रूपवानी पिता- प्रेमचंद रूपवानी द्वारा ग्राम-सेजबहार प.ह.नं.- 82 में धारित भूमि ख.नं.- 226/2 रकबा 0.410 हे. का सीमांकन करने के संबंध में।

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वर्णित भूमि के सीमांकन आवेदन जो कि अजय कुमार रुपवानी पिता प्रेमचंद द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय अतिरिक्त तहसीलार रायपुर के आदेश दिनांक- 29/04/2026 के परिपालन में आवेदक की भूमि का सीमांकन हमारे द्वारा दिनांक- 19/05/2026 को किया जाना नियत है। आप उक्त आवेदित भूमि के बटांकनधारी भूमिस्वामी है / आपकी भूमि आवेदक की भूमि से लगी हुई है। अतएव आप पटवारी कार्यालय में उपरोक्त उल्लेखित दिनांक को अपनी भूमि के दस्तावेज सहित उपस्थित होवें और दस्तावेज के अनुरूप दावा/आपत्ति हमारे समक्ष प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन का कार्य किया जा सकता है। सीमांकन उपरांत किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सो सूचना जानें।

मुहर
राजस्व निरीक्षक
रायपुर-18

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)
//ईश्तहार//
रा.प्र.क्रमांक/ / अ-6/ वर्ष 2025-2026
रायपुर, दिनांक 07/05/2026
ग्राम-चंगोराभाठा, प.ह.नं.-59,
तहसील व जिला रायपुर

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता आवेदक- सैय्यद अख्तर रजा पिता स्व. एस. एम. रजा निवासी- मोमीन पारा, रायपुर (छ.ग.) तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि आवेदक की माता स्व. श्रीमती अख्तरी बेगम पति एस. एम. रजा के हक स्वामित्व की सुन्दर नगर गृह निर्माण (प्राथमिक) सहकारी संस्था रायपुर अंतर्गत वाके मौजा ग्राम- चगोराभाठा, प.ह.नं.-59, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित भूखण्ड क्रमांक - 728, खसरा नं.- 61/2-3 का टुकड़ा रकबा-1500 वर्गफुट है। आवेदक की माता स्व. श्रीमती अख्तरी बेगम की मृत्यु दिनाक -12/04/2019 एवं पिता- एस. एम. रजा की मृत्यु दिनांक 10/09/1994 को हो चुकी है। जिनका मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न है। मृतक - स्व. श्रीमती अख्तरी बेगम, के विधिक वारिसान (1) फिरदौस फातिमा वति सयैद तकी हसन आब्दी (2) शहनाज फातिमा पति अनवारूल हसन नकवी (3) सैय्यदा रिजवाना पति मोहम्मद अली रजवी (4) शाहीन फातिमा पति मीर हसन अली (5) परवीन नकवी पति जावेद अली नकवी (6) हैदर रजा (7) एस. अख्तर रजा (8) सय्यद जमील रजा (9) सय्यद रिजवान रजा पिसरान स्व. एस. एम. रजा है, जो कि विधिक वारिसान होने के नाते संपत्ति का पूर्ण अधिकार रखते है, इनके अलावा कोई अन्य वारिसान नहीं है।

अतः मृतक भूमिस्वामी का नाम राजस्व अभिलेखों से विलोपित कर आवेदक वारिसान का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज किये जाने हेतु आवेदक का निवेदन है। उक्त प्रकरण की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 21/05/2026 को होगी। अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा / आपत्ति दिनांक 21/05/2026 को इस न्यायालय में पेश कर नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनाक 07/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)
//ईश्तहार//
रा.प्र.क्र./.../ अ-6/ वर्ष 2025-2026
रायपुर, दिनांक 12/05/2026
ग्राम मठपुरैना प.ह.नं. 61

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कैलाश कुमार ध्रुव पिता श्री बी.आर. ध्रुव निवासी- बसंतपुर जांजगीर चांपा (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम मठपुरैना प.ह.नं. 61 रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 15003/38 रकबा 0.0093 हे., अर्थात 1000 वर्गफुट भूमि को विक्रेता सौरभ तिवारी पिता श्री राम अवतार तिवारी निवासी मोती नगर बोरियाखुर्द रायपुर छ.ग. से पंजीकृत बैनामा दिनांक 28.06.2024 को क्रय के माध्यम से प्राप्त किया है। अतः उक्त भूमि को पंजीकृत बैनामा के आधार पर आवेदक अपना नाम पर दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 28/05/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार
रायपूर. (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी रायपुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202605112800003
मामले की श्रेणी :- राजस्व
विषय:- अ-20(3) सन:- 2025-2026
रायपुर प.ह.न. 00062 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- श्रीमती मीरा बाई खेमानी पति स्व. श्याम कुमार,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं मौजा लाखेनगर रायपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती मीरा बाई खेमानी पति स्व. श्याम कुमार, निवासी-लाखेनगर, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा छ.ग. भू राजस्व संहिता अधिनियम 1959 की धारा 110 के तहत् फौती नामांतरण बाबत् आवेदन पेश किया है कि मौजा लाखेनगर स्थित ब्लॉक/शीट नंबर-7/38, रकबा 396 वर्गफुट भूमि आवेदिका के पति श्याम कुमार वल्द फैरूमल के नाम पर दर्ज है। आवेदिका के पति श्याम कुमार की मृत्यु दिनांक 24/12/2012 को गया है, जिनके वारिसानों में आवेदिका एवं तीन पुत्रियाँ अंजली अठवाणी, श्रीमती राखी वाघवानी, हिमांशी नितीन तिलवानी हैं। अतएव आवेदिका द्वारा वारिसान हक के आधार पर अपना नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र के साथ मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न कर प्रस्तुत किया है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी को कोई आपत्ति दावा हो तो अपना आपत्ति दावा पेशी दिनांक 04/06/2026 तक न्यायालयीन अवधि में कार्यालय कलेक्टर नजूल अधिकारी रायपुर कक्ष क्रमांक-21 में स्वयं या वैध प्रतिनिधि के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12/05/2026 को जारी किया जाता है।

NAVIN KUMAR THAKUR
नजूल अधिकारी
मुहर
रायपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)
//ईश्तहार//
रा.प्र.क्रमांक/ 202605115600011 / अ-6/ वर्ष 2025-2026
रायपुर, दिनांक 05/05/2026
ग्राम-चंगोराभाठा, प.ह.नं.-59,
तहसील व जिला रायपुर

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदक श्री शंकर दास मानिकपुरी पिता स्व. बालकदास मानिकपुरी निवासी गणपति नगर, भरत किराना के पास, चंगोराभाठा तहसील रायपुर, तहसील व जिला रायपुर, (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत कर आवेदन पत्र में आवेदक के पिता स्व.श्री बालकदास मानिकपुरी के स्वामित्व एवं आधिपत्य में ग्राम चंगोराभाठा प.ह.नं. 59, रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 175/4, रकबा 1500 वर्गफुट, भूमि धारित की जाती है। आवेदक के पिता स्व. श्री बालकदास मानिकपुरी की मृत्यु दिनांक 08.03.2020, हो चुकी है मृतक भूमिस्वामी की मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न है जिनके विधिक वारिसान में आवेदक 01. श्री शंकर दास मानिकपुरी (पुत्र) 02. संतोष मानिकपुरी (पुत्र) 03. जीवन दास मानिकपुरी (पुत्र) तीनो पिता स्व.श्री बालकदास मानिकपुरी ही है इनके अलावा अन्य कोई वारिसान नही है अतः मृतक भूमिस्वामी का नाम राजस्व अभिलेखों से विलोपित कर राजस्व अभिलेखों में दर्ज किये जाने हेतु आवेदक का निवेदन है। उक्त प्रकरण की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 18/05/2026 को होगी। अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा/आपत्ति दिनांक 18/05/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनाक 05/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, सुकमा (छ.ग.)

ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 190455 निविदा सूचना क्र. 05/व.ले.लि./2026-27
दि. 12.05.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 02.06.2026 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम - सुकमा जिले के विकासखण्ड सुकमा में निलावरम हाईड्रो पॉवर योजना (शीर्ष कार्य) का मरम्मत कार्य।

अनुमानित लागत - रू. 42.49 लाख

(एस.ओ.आर. दिनांक 01.05.2025 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 08.08.2025))

अन्य साइट विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 19.05.2026 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोटः निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग
सुकमा

G-262700677/4

दिखा सुशासन का असर-छत्तीसगढ़ में बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत से कम

रोजगार, स्वरोजगार और कौशल विकास से बदल रही छत्तीसगढ़ की आर्थिक तस्वीर.

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) 2025 के आंकड़ों में छत्तीसगढ़ की बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत की तुलना में काफी कम होकर 2.3 प्रतिशत दर्ज की गई है। यह आंकड़ा प्रदेश की मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था, रोजगारोन्मुखी नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रभावशीलता को दर्शाता है।

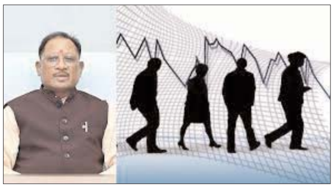

राज्य सरकार की प्राथमिकता केवल रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि लोगों को सम्मानजनक आजीविका, स्थायी आय और आत्मनिर्भरता से जोड़ना रही है। यही कारण है कि खेती, वनोपज, स्वरोजगार और लघु उद्यमों पर आधारित आर्थिक गतिविधियों ने प्रदेश में रोजगार के अवसरों को लगातार मजबूत किया है।

प्रदेश में कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों को आर्थिक विकास की धुरी बनाते हुए किसानों, ग्रामीणों और वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को आजीविका से जोड़ने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया गया है। समर्थन मूल्य पर वनोपज खरीदी, ग्रामीण क्षेत्रों में स्व-सहायता समूहों को बढ़ावा, लघु एवं कुटीर उद्योगों के विस्तार, कौशल विकास कार्यक्रमों तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की योजनाओं ने युवाओं और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गांवों में आर्थिक गतिविधियों का दायरा बढ़ा है, जिससे पलायन में कमी आने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी बढ़े हैं।

राज्य सरकार का मानना है कि केवल बेरोजगारी के आंकड़े कम होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं को उनकी क्षमता और कौशल के अनुरूप बेहतर अवसर उपलब्ध कराना अधिक महत्वपूर्ण है। इसी सोच के अनुरूप कौशल उन्नयन, उद्यमिता विकास, रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण और निवेश आधारित औद्योगिक विस्तार पर विशेष जोर दिया जा रहा है। नई औद्योगिक नीति के सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर दिखाई देने लगे हैं, जहां प्रदेश में लगातार नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। सरकार ग्रामीण और शहरी अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन स्थापित करते हुए विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है।

मोटापा रोग निवारण शिविर का आयोजन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय योग संस्थान, रायपुर द्वारा तीन दिवसीय नि:शुल्क मोटापा रोग निवारण शिविर का आयोजन 14से 16मई तक गीतांजलि गार्डन में किया जा रहा है। शिविर का समय प्रात: 5-45 से 7-15 बजे तक रहेगा। शिविर में योग विशेषज्ञों द्वारा मोटापा कम करने के लिए विशेष आसन, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, अग्निसार, कपालभांति एवं आहार परामर्श दिया जाएगा।

संस्थान के पदाधिकारियों ने बताया कि आज की जीवनशैली में मोटापा एक गंभीर समस्या बन गया है। योग के नियमित अभ्यास से बिना दवा के वजन नियंत्रित किया जा सकता है। शिविर पूर्णत: नि:शुल्क है।

इच्छुक महिला-पुरुष , इस शिविर में पहुंचकर लाभ ले सकते हैं। दरी , सफेद चादर साथ लाएं।

शिविर विवरण दिनांक- 12, 13, 14 मई 2026
समय- प्रात: 5-45 से 7-15 बजे स्थान- गीतांजलि उद्यान , सांई मंदिर के पास गीतांजलि नगर रायपुर
आयोजक- भारतीय योग संस्थान, रायपुर

वित्तमंत्री चौधरी से मिले कुलपति प्रो दयाल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने आज प्रदेश के वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी से सौजन्य मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान विश्वविद्यालय के विकास और शैक्षणिक गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

स्व-संचालित प्रणाली अपनाने का सुझाव

वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी ने पत्रकारिता विश्वविद्यालय की प्रगति की सराहना करते हुए हर संभव वित्तीय और शासकीय सहयोग प्रदान करने का भरोसा दिया। साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय की भविष्य की आत्मनिर्भरता को देखते हुए स्व-वित्त पोषितऔर स्व-संचालित प्रणाली को अपनाने का महत्वपूर्ण सुझाव भी दिया।

न्यूनतम शुल्क में मिल रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने वित्तमंत्री को अवगत कराया कि विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा पहुँचाना है। उन्होंने बताया किविश्वविद्यालय में मीडिया सहित अन्य सभी पाठ्यक्रमों का शिक्षण एवं छात्रावास शुल्क बेहद किफायती रखा गया है। इससे बस्तर से लेकर सरगुजा तक के सुदूर अंचलों के अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछडा वर्ग सहित सभी समुदायों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ हो रही है।

महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर बारिश पूर्व निकास कायम करने छोटी पोकलेन मशीन से और मेन्युअल सफाई

महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग द्वारा वार्ड 49 की नालियों की तल्ले तक बारिश पूर्व निकास कायम करने छोटी पोकलेन मशीन से और मेन्युअल सफाई

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

-रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग द्वारा जोन 10 जोन कमिश्नर श्री मोनेश्वर शर्मा के मार्गनिर्देशन और जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री अमित बेहरा और स्वच्छता निरीक्षक श्री यशवंत बेरिहा की उपस्थिति में जोन 10 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 49 के अंतर्गत नालियों की छोटी पोकलेन मशीन की सहायता से और नाली सफाई गैंग के सहयोग से नालियों की बारिश पूर्व गन्दे पानी का सुगम निकास प्रबंधन करने हेतु मेन्युअल सफाई का अभियान तेज गति से निरन्तर प्रगति पर है. महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देशानुसार वार्ड क्रमांक 49 द्वद्द क्षेत्र की नालियों की बारिश पूर्व तल्ले तक पूर्ण सघन सफाई छोटी पोकलेन मशीन की सहायता से अभियानपूर्वक करवाई जा रही है.

अध्यक्ष मुरली , आकाश तिवारी,मनोज वर्मा, अमर गिदवानी, अजय साहू, अर्जुमन एजाज ढेबर सहित पेयजल आपूर्ति को लेकर किया विचार - विमर्श और मंथन

निगम जोन 4 में जोन बारिश पूर्व जल भराव की समस्या का निदान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर मुरली शर्मा ने जोन कार्यालय में जोन 4 क्षेत्र के वार्ड पार्षदों नगर निगम नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी, एमआईसी सदस्य मनोज वर्मा, अमर गिदवानी, पार्षद अजय साहू, श्रीमती अर्जुमन एजाज ढेबर सहित जोन 4 जोन कमिश्नर डॉ दिव्या चंद्रवंशी, नगर द्गद्ग स्वास्थ्य अधिकारी डॉ तृप्ति पाणीग्रही, कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह, सहायक अभियंता दीपक देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी वीरेन्द्र चंद्राकर सहित अन्य सम्बंधित जोन 4 अधिकारियों के साथ आवश्यक बैठक कर बारिश पूर्व वार्डो में जलभराव की समस्या दूर करने सभी नालों और नालियों की अभियान चलाकर सघन सफाई करवाने, गर्मी में प्रतिदिन सतत मॉनिटरिंग करते हुए वार्ड पार्षदों से समन्वय बनाकर नागरिकों को सुगम पेयजल आपूर्ति करवाने और सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत दिनांक 14 मई 2026 गुरुवार को इंडोर स्टेडियम में राज्य शासन के निर्देश पर आयोजित सुशासन तिहार शिविर को जनहित में सफल बनाने को लेकर गहन विचार - विमर्श और मंथन किया गया. जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा ने सभी पार्षदों से इस सम्बन्ध द्वद्ध्व सुझाव प्राप्त कर अधिकारियों को समन्वय से कार्य करने हेतु स्पष्ट निर्देशित किया. निगम जोन 4 में जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा ने नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी, एमआईसी सदस्य मनोज वर्मा, अमर गिदवानी, पार्षद अजय साहू, श्रीमती अर्जुमन एजाज ढेबर सहित जोन 4 जोन कमिश्नर, स्वास्थ्य अधिकारी, जोन अधिकारियों के साथ बारिश पूर्व जल भराव की समस्या का निदान करने, गर्मी में वार्डों में सुगम पेयजल आपूर्ति को लेकर किया विचार - विमर्श और मंथन।

जन समस्या निवारण शिविर दक्षिण एवं उत्तर विधानसभा क्षेत्र के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में लगाया जायेगा

जनसमस्या निवारण शिविर में रायपुर नगर पालिक निगम सहित हितग्राहीमूलक योजनाओं से संबंधित सर्व विभाग भी उपस्थित रहेंगे

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री अरुण साथ के मार्गदर्शन में नगरीय निकाय क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 10 जोनों के विभिन्न 10 स्थानों पर सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर लगाये जायेंगे। इस हेतु छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार राज्य नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और रायपुर जिला प्रशासन के मार्गनिर्देशन में रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 10 जोनों में सुशासन विहार 2026 अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर आयोजन की प्रशासनिक तैयारियां निरंतर तेज गति से प्रगति पर है। नगर पालिक निगम रायपुर अंतर्गत सुशासन तिहार 2026 में दूसरा जनसमस्या निवारण शिविर रायपुर दक्षिण एवं रायपुर उत्तर विधानसभा अंतर्गत नगर निगम जोन 4 वार्ड कमांक 34, 43, 44, 45, 46, 57 एवं 64 हेतु 14 मई 2026 को सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम बूढ़ापारा में लगाया जायेगा।

इसी क्रम में रायपुर दक्षिण एवं रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम जोन 5 क्षेत्र में वार्ड कमांक 39, 40, 41, 42, 66, 67 एवं 68 में 18 मई को महाराष्ट्रीयन तेली समाज भवन अश्वनी नगर में, रायपुर पश्चिम

नगर पालिका निगम रायपुर क्षेत्र में दूसरा सुशासन तिहार अंतर्गत जन समस्या निवारण शिविर रायपुर दक्षिण एवं उत्तर विधानसभा क्षेत्र के जोन 4 अंतर्गत सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में लगाया जायेगा ।

एवं रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर निगम जोन के वार्ड क्रमांक 3, 4, 5, 15, 16, 17, 18 हेतु 19 मई को मारुती मंगलम भवन गुबियारी में, रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम जोन 6 के वार्ड क्रमांक 58, 59, 60, 61, 62, 63 एवं 65 हेतु 20 मई 2026 को संजय यादव स्कूल संजय नगर में, रायपुर उत्तर एवं रायपुर पश्चिम विधानसमा क्षेत्र में नगर निगम जोन 2 के वार्ड कमांक 6, 13, 14, 26, 27, 28 एवं 35 हेतु 22 मई को शहीद स्मारक भवन जीई रोड में, रायपुर पश्चिम एवं रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम जोन 8 के वार्ड कमांक 1, 2, 19, 20, 21. 69 एवं 70 हेतु 25 मई को अग्रसेन भवन टाटीबंध में, रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम जोन 7 अंतर्गत वार्ड कमांक 22, 23, 24, 25, 36, 37 एवं 38 क्षेत्र हेतु दिनांक 28 मई को पंडित दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में, रायपुर ग्रामीण, रायपुर उत्तर एवं धरसींवा विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम जोन 9 के वार्ड क्रमांक 7, 8, 9, 10, 11, 32 एवं 51 हेतु 29 मई को गारमेंट फैक्टरी पॉम बेलाजियों के सामने, रायपुर ग्रामीण एवं रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम जोन 10 के वार्ड क्रमांक 49, 50, 52, 53, 54, 55 एवं 56 में दिनांक 5 जून 2026 को देवपुरी धर्मशाला (गुरुद्वारा) कमल विहार गेट के पास जनसमस्या निवारण शिविर का सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत रायपुर नगर निगम क्षेत्र में जोनवार आयोजन रखा गया है। नगर निगम रायपुर में जोनवार जनसमस्या निवारण शिविर आयोजन हेतु संबंधित जोन कमिश्नर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। नोडल अधिकारी शिविर के आयोजन हेतु उत्तरदायी होंगे। आम जनता से उनकी समस्याओं के संबंध में शिविर स्थलों में प्रात: 11 बजे से अपरान्ह 1 बजे तक आवेदन प्राप्त किये जायेंगे। जनसमस्या निवारण शिविर में रायपुर नगर पालिक निगम सहित ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, राजस्व, विद्युत, खाद्य, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, पशुधन विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, महिला एवं बाल विकास, ईडीएम, श्रम विभाग आदि हितग्राहीमूलक योजनाओं से संबंधित सर्व विभाग भी उपस्थित रहेंगे।

सुशासन तिहार अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर में उत्तर विधानसभा में 623 आवेदनों की प्राप्ति हुई

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर उत्तर विधानसभा अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर जोन 3 अंतर्गत सभी 7 वार्डों के लिए बीटीआई ग्राउंड शंकरनगर के सामने सिंधु भवन में सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर में निर्धारित प्रात: 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक नागरिको से उनकी मांगो व शिकायतो की जानकारी लेकर दर्ज की गई। सुशासन तिहार शिविर में नागरिको से 450 मांगे 173 शिकायतें कुल 623 आवेदन प्राप्त हुए। इसमें जोन 3 लोककर्म विभाग को 206 मांगे, 23 शिकायते कुल 229 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त 623 आवेदनो में से 23 आवेदनो का त्वरित समाधान कर दिया गया। नगर निवेश विभाग जोन 3 को सुशासन तिहार शिविर में 28 आवेदन, उद्यान विभाग को 16 आवेदन, जलकार्य विभाग को 86 आवेदन, राजस्व विभाग को 6 आवेदन, जोन 3 राजस्व पेंशन विभाग को 9 आवेदन, राशन कार्ड विभाग को 18 आवेदन, विद्युत शाखा जोन 3 को 40 आवेदन, स्वास्थ्य विभाग जोन 3 को 52 आवेदन, प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा को 20 आवेदन, वन विभाग को 2 आवेदन, परिवहन विभाग को 3 आवेदन, महिला एवं बाल विकास विभाग को 10 आवेदन, समाज कल्याण विभाग को 12 आवेदन, श्रम विभाग को 6 आवेदन, छ.ग. विद्युत पावर वितरण कंपनी को 49 आवेदन, शिक्षा विभाग को 1 आवेदन मंत्रालय सिंचाई विभाग को 1 आवेदन, नगर निगम मुख्यालय बाजार विभाग को 33 आवेदन, पुलिस प्रशासन को 2 आवेदन प्राप्त हुए। राज्य शासन के निर्देशानुसार तय समय सीमा 1 माह के भीतर प्राप्त सभी आवेदनो का समाधान कर संबंधित आवेदको को समाधान की सूचना लिखित रूप से देने कार्यवाही की जायेगी।, संबंधित विभागो को आवेदन प्रेषित कर समाधान की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

चार डिब्बा सफाई प्रणाली पर बनाया जागरूक, अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ. प्रमोद साहू ने किया अवलोकन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राज्य शासन के निर्देश पर रायपुर नगर पालिक निगम जोन 3 क्षेत्र के सभी 7 वाडों हेतु रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में बीटीआई ग्राउड शंकरनगर के सामने सिंधु भवन में सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर लगाया गया। सुशासन तिहार अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर में नगर पालिक निगम जोन 3 जोन अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ प्रमोद साहू ने जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री पुरन कुमार तांडी की उपस्थिति में जोन 3 स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाये गये स्टॉल का अवलोकन किया। इस स्टॉल में जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह के नेतृत्त्व और कार्यपालन अभियता श्री ईश्वर लाल टावरे, सहायक अभियंता श्री नरेश साहू जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री पुरन कुमार तांडी की उपस्थिति में नगर निगम जोन 3 स्वास्थ्य विभाग द्वारा सुशासन तिहार शिविर में पहुंचे आमजनो, राहगीरों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 मे दिनाक 1 अप्रैल 2026 से प्रभावशील चार डिब्बा सफाई प्रणाली को लेकर जागरूक बनाया गया और घर पर चार डस्टबिन रखकर हरे डस्टबिन में गीला कुडा नीले डस्टबिन में सूखा कूड़ा, लाल डस्टबिन में सेनेटरी कूड़ा और काले रंग के डस्टबिन में विशेष देखभाल कुडा को पृथक पृथक रखकर और सफाई मित्र को सफाई वाहन में देकर रायपुर शहर को स्वच्छ और सुन्दर राजवानी शहर बनाने सक्रिय सहभागिता दर्ज करने की विनम्र अपील सुशासन तिहार शिविर में नगर निगम जोन 3 जोन अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ प्रमोद साहू एवं जोन 3 जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री पुरन कुमार ताँडी ने आमजनों और राहगीरो से की।

सुशासन तिहार में आवेदन करते ही जोन 3 ने पंडित शिवराम स्कूल के पास नाली से अवैध कब्जा हटाया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर उत्तर विधानसभा अंतर्गत रायपुर नगर निगम जोन 3 अंतर्गत सभी 7 वार्डो के लिए लगाये गये सुशासन तिहार अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर में जोन 3 अंतर्गत नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड क्षेत्र की निवासी महिला द्वारा आवेदन करते ही नगर निगम जोन 3 नगर निवेश विभाग की टीम ने वार्ड क्षेत्र में पडित शिवराम स्कूल के पास नाली पर किया गया अवैध कब्जा स्थल पर पहुंचकर जोन 3 जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह के निर्देश पर कार्यपालन अभियंता श्री ईश्वर लाल टावरे के नेतृत्व एवं सहायक अभियंता श्री नरेश साहू. उपअभियंता श्री अक्षय भारद्वाज की उपस्थिति में हथौड़े से तोड़कर हटाया गया एवं नाली को कब्जा मुक्त कर स्वच्छता की बाधा को हटाते हुए सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदन का त्वरित समाधान किया गया।

विद्युत विभाग ने 3 मांगों और 2 शिकायतों का नई स्ट्रीट लाईट लगाकर और टाइमर बॉक्स सुधारकर किया तत्काल निराकरण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 3 क्षेत्रांतर्गत शंकर नगर बीटीआई ग्राउंड के सामने सिंधू भवन में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें नगर निगम जोन 3 अंतर्गत वार्ड कमांक 12, 29,, 30, 31, 33, 47 एवं 48 में विद्युत विभाग नगर पालिक निगम रायपुर को प्राप्त हुए कुल 40 आवेदनो 35 मांगें एवं 5 शिकायते आमजनों से प्राप्त हुई, जिसमें 3 मांगों और 2 शिकायतों का तत्काल निराकरण किया गया. इसमें शंकर नगर क्षेत्र में नई स्ट्रीट लाइट की मांग और गीतांजलि नगर में टाइमर बॉक्स से संबंधित शिकायत और अवंति विहार में बंद स्ट्रीट लाइट से संबंधित मांग/ शिकायत का तत्काल निराकरण नगर निगम जोन 3 विद्युत विभाग द्वारा स्थल पर जाकर कर दिया गया. शंकर नगर वार्ड के गीतांजलि नगर क्षेत्र में टाइमर बॉक्स सुधार की श्री गिरीश कुमार श्रीवास्तव की शिकायत का तत्काल समाधान किया गया, वहीं शंकर नगर वार्ड क्षेत्र में श्री गोविन्द राम चिमनानी द्वारा विद्युत पोल नम्बर 115/30, 103/30 और 104/30 में नई स्ट्रीट लाईट लगाने की मांग पर तत्काल स्थल पर तीन नग नई स्ट्रीट लाईट लगाकर मांग का तत्काल समाधान नगर निगम जोन 3 विद्युत विभाग द्वारा किया गया।

लेख समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करें : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी
रायपुर, बुधवार, 13 मई 2026
https://epaper.pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

सोने व ईंधन का संयम

खाड़ी युद्ध से उपजे हालात व बाधित वैश्विक आपूर्ति शृंखला के बीच प्रधानमंत्री का ईंधन के उपयोग व सोने की खरीद में संयम बरतने का आह्वान निस्संदेह, वक्त की जरूरत है। लेकिन तेलंगाना के बाद बडोदरा से दूसरी बार उनके राष्ट्र को संबोधन व इसके समय को लेकर सवाल भी उठे हैं। निस्संदेह, हालात काफी दिनों से चुनौतीपूर्ण बने हैं, रुपये में तेज गिरावट व महंगे कच्चे तेल के आयात की वजह से हमारा विदेशी मुद्रा भंडार काफी दबाव में रहा है। आलोचक सवाल उठा रहे हैं कि इस घोषणा के लिये विधानसभा चुनाव परिणामों का इंतजार क्यों किया गया। कुछ लोगों का मानना है कि सत्ता शीर्ष से किया गया आह्वान कई बार देश में असुरक्षाबोध पैदा करता है, जिसका नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। दरअसल, इससे कृत्रिम संकट पैदा करने वाले तत्व भी सक्रिय हो जाते हैं। इससे चीजों की जमाखोरी और कालाबाजारी को भी बढ़ावा मिलता है। इसमें दो राय नहीं कि देश बड़ी मात्रा में कच्चा तेल व सोना आयात करता है। जाहिर बात है जब इनकी वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं तो इन दोनों के कारण भारी दबाव देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है। निस्संदेह, विषम वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन की बचत, घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देना और आयात पर निर्भरता कम करना चुनौतियों से मुकाबले के लिये समझदारी भरे उपाय हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि पिछले डेढ़ माह में सरकार विधानसभा चुनावों में व्यस्त रही। इस दौरान आर्थिक प्रबंधन का मुद्दा हाशिये पर चला गया। अब इन चुनौतियों से मुकाबले के प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन लोगों से विदेशों में शादियां टालने, सोना खरीदने से बचने के लिये कहना बताता है कि रुपये में तेज गिरावट से सरकार चिंतित है। कहा जा रहा है कि बार-बार अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का दावा करने वाली सरकार को जनता से व्यवहार में संयम बरतने का आग्रह करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी।

दरअसल, आशंका यह भी है कि इन कदमों के ऐसे भी नतीजे निकल सकते हैं,जिनकी उम्मीद न की गई हो। निर्विवाद रूप से सोना भारतीय संस्कारों में है। वहीं भारत में आभूषण उद्योग लाखों लोगों की रोजी-रोटी का जरिया है। ऐसे में सोने की खरीद में गिरावट से संपन्न निवेशकों के मुकाबले श्रमिकों को ज्यादा नुकसान पहुंच सकता है। वहीं दूसरी ओर वर्क-फ्रॉम होम की नीति, काम करने वालों के बड़े तबके के लिए व्यावहारिक नहीं है। निस्संदेह, किसी भी आसन्न संकट में नागरिकों की जिम्मेदारी मायने रखती है। यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। लेकिन सवाल यह है कि मंत्रियों के कारों के काफिलों पर भी अंकुश लगेगा.. क्या शासन प्रशासन की शाहखर्ची पर लगाम लगेगी...। यदि ऐसा नहीं होता तो जनता की स्वत:स्फूर्त पहल प्रभावित होगी। वैसे भी नागरिक जिम्मेदारी एक हद तक तो प्रभावी हो सकती है,लेकिन वह किसी आपातकालीन योजना का विकल्प नहीं हो सकती। सरकार को भी अपनी आर्थिक नीतियों पर पुनर्विचार की जरूरत है। जहां तक सोने की खरीद पर संयम का सवाल है तो उससे देश में गहरा भावनात्मक लगाव जुड़ा रहा है। सोना हमारी संस्कृति, परंपरा, बचत और पारिवारिक समारोहों में गहरे तक शामिल रहा है। लेकिन सदियों से सम्मोहित करते सोने का आयात विदेशी मुद्रा भंडार पर गहरा असर डालता है।

बढ़ते अपराध और अपराधमुक्त समाज निर्माण की चुनौती

आज हम विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विश्वगुरु भारत का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज भयमुक्त, हिंसामुक्त और अपराधमुक्त बने। अपराधों से ग्रस्त समाज कभी स्वस्थ, संतुलित और आदर्श समाज नहीं बन सकता। यदि समाज का वातावरण असुरक्षा, भय, अविश्वास और हिंसा से भरा होगा, तो विकास की सारी योजनाएं खोखली सिद्ध होंगी। एनसीआरबी के आंकड़े हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते अपराधों की जड़ों को नहीं पहचाना गया और उन पर कठोर अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह स्थिति भविष्य में और अधिक विस्फोटक हो सकती है।

ललित गर्ग।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़े केवल सांख्यिकीय दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज के उस अंधेरे और भयावह चेहरे को सामने लाते हैं, जिसे अक्सर विकास, आधुनिकता और राजनीतिक उपलब्धियों की चमक में छिपा दिया जाता है। वर्ष 2024 के अपराध आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर चाहे जितनी प्रगति कर रहा हो, लेकिन सामाजिक और नैतिक स्तर पर अनेक गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ है।

जब देश में हर 17 मिनट में हत्या, हर पांच मिनट में अपहरण, हर 18 मिनट में बलात्कार और लगभग हर दो मिनट में आर्थिक अपराध या धोखाधड़ी हो रही हो, तब यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह पूरे सामाजिक ढांचे, नैतिक मूल्यों और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा हो जाता है। विशेष चिंता का विषय महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हैं। राजस्थान का लगातार छठे वर्ष महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में शीर्ष पर बने रहना अत्यंत चिंताजनक है। बलात्कार के मामले में यह पहले स्थान पर, जबरन गर्भपात में दूसरे और भ्रूण हत्या में तीसरे स्थान पर है। विवाह के लिए महिलाओं के अपहरण के मामलों में भी राजस्थान चैथे नंबर पर है। इस अपराध में बिहार टॉप, यूपी दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर है। बिहार 'पकड़वा विवाह' के लिए भी बदनाम है, जिसमें पुरुषों का अपहरण कर जबरन शादी कर दी जाती है। यदि प्रति लाख आबादी के लिहाज से हत्या की दर का विश्लेषण किया जाए तो झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य टॉप पर हैं और उत्तर प्रदेश जैसा बड़ा और अपराधों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाला राज्य 12वें स्थान पर। इस मामले में मध्यप्रदेश छठे और राजस्थान सातवें पायदान पर खड़ा है। बलात्कार, भ्रूण हत्या, जबरन गर्भपात और विवाह के लिए अपहरण जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि सामाजिक चेतना और नैतिक संस्कारों में गंभीर गिरावट आई है। महिलाओं के प्रति सम्मान, संवेदना और सुरक्षा की भावना कमजोर हुई है। यह विडंबना ही है कि एक ओर हम 'नारी शक्ति' और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान चला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आंकड़े भयावह रूप लेते जा रहे हैं। यह केवल कानून की कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की विकृति का भी परिणाम है। आज अपराध का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। पहले अपराध सड़कों और गलियों तक सीमित थे, लेकिन अब इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने अपराध को नया चेहरा दे दिया है। साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और डेटा चोरी जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। यह 'सॉफ्टवेयर क्राइम' का नया युग है, जहां अपराधी बिना हथियार और बिना जोखिम उठाए करोड़ों की ठगी कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि अब केवल परंपरागत पुलिसिंग से काम नहीं चलेगा। पुलिस और जांच एजेंसियों को डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर सुरक्षा और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक साधनों से लैस करना होगा। अपराध की नई दुनिया से लड़ने के लिए नई सोच और नई तकनीक की जरूरत है।

हालांकि कुछ संगीन अपराधों में मामूली कमी दर्ज की गई है, लेकिन इसे बहुत बड़ी उपलब्धि मान लेना आत्मप्रवंचना होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद कई अपराधों को संज्ञेय अपराधों की सूची से हटाया गया है, जिससे आंकड़ों में कमी दिखाई दे रही है। इसलिए अपराध के आंकड़ों का केवल सतही अध्ययन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी गहराई से समीक्षा और विश्लेषण आवश्यक है। हमें यह समझना होगा कि अपराध केवल कानूनी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारणों से पैदा होने वाली जटिल चुनौती है। अपराध के बढ़ने में सबसे बड़ा कारण नशा है। आज तो महिलाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति अधिक चिन्ताजनक है। सबसे गंभीर संकेत विद्यार्थियों और बेरोजगार युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं के मामले हैं। यह स्थिति बताती है कि समाज में निराशा, असुरक्षा और भविष्य के प्रति अनिश्चितता का वातावरण गहराता जा रहा है। बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा, शिक्षा का बढ़ता दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और सामाजिक तुलना युवाओं को मानसिक तनाव की ओर धकेल रही हैं। जब युवा अपने जीवन को अर्थहीन समझने लगें, तब यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए खतरे की घंटी होती है। इसलिए अपराध और आत्महत्या जैसी समस्याओं को केवल पुलिस या अदालतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए शिक्षा, परिवार, समाज और शासन-सभी को मिलकर काम करना होगा। अपराध बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण नैतिक मूल्यों का क्षरण भी है। उपभोक्तावाद, भौतिकता और त्वरित सफलता की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संवेदनहीन और स्वार्थी बना दिया है। आज सफलता का मापदंड केवल पैसा और शक्ति बन गया है। जब समाज में ईमानदारी, संयम, करुणा और नैतिकता की जगह छल, लालच और प्रतिस्पर्धा ले लेते हैं, तब अपराध स्वाभाविक रूप से बढ़ते हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है, संस्कार कमजोर हुए हैं और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना घटती जा रही है। सोशल मीडिया और मनोरंजन के अनेक माध्यमों ने भी हिंसा, अश्लीलता और त्वरित लाभ की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। ऐसे में नई पीढ़ी का भटकना स्वाभाविक हो जाता है। यह भी सच है कि कई बार अपराधियों में कानून का भय समाप्त होता जा रहा है। मुकदमों का वर्षों तक लंबित रहना, राजनीतिक संरक्षण, भ्रष्टाचार और कमजोर जांच व्यवस्था अपराधियों के मनोबल को बढ़ाते हैं। यदि अपराधी यह महसूस करने लगें कि वे आसानी से बच सकते हैं, तो अपराधों पर नियंत्रण कठिन हो जाता है। इसलिए न्याय व्यवस्था को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की मांग है। अपराध के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी। कानून का भय तभी स्थापित होगा, जब अपराधी को शीघ्र और निष्पक्ष दंड मिलेगा। लेकिन केवल सरकार और पुलिस को दोष देकर समाज अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अपराधमुक्त समाज का निर्माण सामूहिक चेतना और सामाजिक सहभागिता से ही संभव है। समाज सुधारकों, शिक्षकों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और परिवारों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। बच्चों और युवाओं में नैतिक शिक्षा, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों का विकास करना होगा। समाज को ऐसी सकारात्मक दिशा देनी होगी, जहां व्यक्ति केवल अधिकारों की नहीं, बल्कि कर्तव्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व की भी चिंता करे। आज आवश्यकता केवल अपराध रोकने की नहीं, बल्कि अपराध पैदा करने वाली परिस्थितियों को समाप्त करने की है। गरीबी, बेरोजगारी, नशाखोरी, अशिक्षा, सामाजिक असमानता, पारिवारिक विघटन और मानसिक तनाव जैसी स्थितियां अपराध की जमीन तैयार करती हैं। यदि इन कारणों पर गंभीरता से काम नहीं किया गया, तो अपराधों की संख्या घटाना कठिन होगा। इसलिए विकास की अवधारणा को केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रखा जा सकता। वास्तविक विकास वही है, जिसमें समाज सुरक्षित, संतुलित और मानवीय बने। एनसीआरबी के आंकड़े हमारे सामने एक कठोर सच रख रहे हैं। यह समय आंकड़ों पर औपचारिक चिंता जताने का नहीं, बल्कि गहन आत्ममंथन और ठोस कार्रवाई का है। यदि हम वास्तव में 2047 तक एक आदर्श, विकसित और सभ्य भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो अपराधमुक्त समाज निर्माण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा। समाज में नैतिक चेतना, संवेदनशीलता और कानून के प्रति सम्मान का वातावरण निर्मित करना होगा। तभी हम एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकेंगे, जहां विकास केवल इमारतों और तकनीक में नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और सामाजिक सुरक्षा में भी दिखाई दे।

छत्तीसगढ़ की उच्च शिक्षा में नवाचार का नया सवेरा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का सफल शंखनाद

विष्णु प्रसाद वर्मा
(सहायक संचालक)

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ने अपनी शिक्षा व्यवस्था को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालते हुए एक ऐतिहासिक छलांग लगाई है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन और उच्च शिक्षा विभाग की सक्रियता से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को धरातल पर उतारने का संकल्प अब एक सशक्त वास्तविकता बन चुका है। जुलाई 2024 से राज्य के समस्त सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों सहित महाविद्यालयों में स्नातक स्तर पर इस नीति को पूर्णत: लागू कर दिया गया है।

विद्यार्थी-केंद्रित लचीली शिक्षा प्रणाली : अब शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है। राज्य ने स्नातक स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली और क्रेडिट आधारित पद्धति को अपनाया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता मल्टीपल एंट्री और एग्जिट (बहुप्रवेश-बहुनिकास) का प्रावधान है। अब छात्र अपनी रुचि के अनुसार विषयों का चुनाव करने के लिए स्वतंत्र हैं, जिससे उनकी रचनात्मकता को नए पंख मिले हैं। नई शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रम को चार वैज्ञानिक भागों में विभाजित किया गया है, ताकि छात्र का सर्वांगीण विकास हो सके, जिसमे कोर्स क्रेडिट एवं लर्निंग आउटकम्स, कोर्स लर्निंग कंटेंट्स, कोर्स लर्निंग रिसोर्सेज और कोर्स लर्निंग एसेसमेंट शामिल है। इसके साथ ही पाठ्यक्रम में (डिसिप्लिन स्पेसिफिक), (इलेक्टिव), (जेनेरिक इलेक्टिव), (एबिलिटी एन्हांसमेंट) और (वैल्यू एडिशन) जैसे आधुनिक घटकों को शामिल किया गया है।

भारतीय ज्ञान परंपरा का पुनर्जागरण : छत्तीसगढ़ के नए पाठ्यक्रम में आधुनिक विज्ञान के साथ-साथ हमारी गौरवशाली विरासत का अनूठा संगम है। पाठ्यक्रम में आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, वराहमिहिर जैसे प्राचीन मनीषियों से लेकर स्वामी विवेकानंद, वीर सावरकर और सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे महापुरुषों के विचारों को समाहित किया गया है। स्थानीय संसाधनों, सांस्कृतिक धरोहर और छत्तीसगढ़ी स्वदेशी हुनर को भी शिक्षा का अभिन्न अंग बनाया गया है।

भविष्य की तैयारी कौशल और रोजगार : शिक्षा को केवल किताबों तक सीमित न रखकर उसे नवाचार और कौशल विकास से जोड़ा जा रहा है। छात्रों को डिग्री के साथ-साथ रोजगार के योग्य बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। स्थानीय

मांग के अनुरूप स्वदेशी हुनर और स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है। उद्योगों के साथ समन्वय कर इंटर्नशिप और स्टार्टअप पोर्टल की शुरुआत के साथ-साथ नए विचारों को व्यापार में बदलने के लिए महाविद्यालयों में विशेष केंद्रों की स्थापना की जा रही है।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा : डिजिटल क्रांति के इस दौर में राज्य के सभी विद्यार्थियों का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है, जिससे उनके शैक्षणिक क्रेडिट डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेंगे। इसके साथ ही, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच प्रदेश के दूरस्थ अंचलों तक सुनिश्चित की गई है। शिक्षा व्यवस्था को और अधिक जवाबदेह बनाने के लिए 30 प्रतिशत सतत आंतरिक मूल्यांकन (प्दजमतदंस ेमेेउमदज) की व्यवस्था लागू की गई है, जिससे छात्रों की प्रगति का निरंतर आकलन हो सके।

ज्ञान, कौशल और संस्कारों से विकसित छत्तीसगढ़ के सपने होंगे साकार : छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा का यह रूपांतरण केवल नीतिगत बदलाव नहीं, बल्कि एक भविष्यगामी विजन है। ज्ञान, कौशल और संस्कारों के इस संगम से राज्य के युवा न केवल आत्मनिर्भर बनेंगे, बल्कि विकसित छत्तीसगढ़ के सपने को भी साकार करेंगे। उच्च शिक्षा विभाग का यह प्रयास न केवल शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाएगा, बल्कि छात्रों में कार्यक्षमता, दक्षता और नवाचार की प्रवृत्ति को भी प्रोत्साहित करेगा। भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नीति निर्धारण की यह प्रक्रिया एक सशक्त शैक्षणिक भारत की नींव रख रही है।

वैश्विक संकट के दौर में दूरगामी सोच का परिणाम है प्रधानमंत्री की अपील

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा।

ऐसा नहीं है कि भारत विदेशी मुद्रा के मामलें में संकट में हो बल्कि वास्तविकता तो यह है कि 10 अप्रेल, 2026 के आंकड़ों की ही बात करें तो भारत का विदेशी मुद्रा भण्डार आज उच्चतम स्तर पर है। 700 बिलियन अमेरिकी डालर से अधिक का विदेशी मुद्रा भण्डार भारत के पास है। एक मोटे अनमुन के अनुसार आगामी 11 माह से अधिक समय तक आयात मांग की पूर्ति इस राशि से आसानी से हो सकती है। विदेशी मुद्रा भण्डार से एफसीए यानी कि विदेशी मुद्रा संपत्ति, स्वर्ण भण्डार और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में आरक्षित राशि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। पर इसके सबके बावजूद भविष्य के संभावित संकट के हालातों से निपटने की आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाती है तो यही दूरदृष्टि कहलाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भविष्य के वैश्विक हालात साफ दिखाई दे रहे हैं। हालातों में सुधार की संभावना निकट भविष्य में दिखाई भी नहीं दे रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केवल एक वर्ष के लिए अनावश्यक खर्चों में कटौती का आग्रह देशवासियों से किया है। इसमें ईंधन बचाना, सोना नहीं खरीदने, विदेशी यात्राओं व विदेशों में शादी नहीं करने, खाने के तेल के उपयोग में 10 प्रतिशत तक की कटौती व खेती में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत तक की कटौती करने का सुझाव प्रमुख है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देशवासियों से आग्रह को लेकर आलोचक भले ही मृद्दा बनाने का प्रयास करें पर वैश्विक हालात आज सबके सामने हैं। देशवासियों को मालूम है कि पेट्रोलियम उत्पादों इनमें कच्चे तेल से लेकर गैस आदि आदि शामिल है आदि के लिए आयात पर निर्भरता अधिक है। देश में 979 अरब अमेरिकी डॉलर का सालाना आयात होता है जिसमें से करीब 38 प्रतिशत आयात केवल और केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही हो रहा है। सोना-चांदी और इलेक्ट्रोनिक्स के साथ ही फर्टिलाइजरों के मामलें में भी विदेशों पर निर्भरता अधिक है। करीब 10 प्रतिशत राशि सोने के आयात पर खर्च होती है। यदि समग्र रुप से देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना के सिकन्दराबाद से देशवासियों से जो आग्रह किया है वह ऐसा नहीं है जो किसी भी तरह से देशवासियों के लिए दुबिधाजनक हो। वैश्विक संकट के चलते देश-दुनिया की इकोनोमी पर पड़ने वाले संभावित असर को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देशवासियों से दूरदृष्टियुक्त अपील से कोरोना काल की याद ताजा हो रही है तो पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री की तत्कालीन अन्न संकट के दौरान सप्ताह में एक दिन के उपवास के आग्रह की और चला जाता है। अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध सीज़फायर के आसार अभी दिखाई नहीं दे रहे हैं तो दूसरी और दोनों ही देशों की हठधर्मिता के कारण हार्मुज जलडमरुमध्य से परिवहन बाधित होने का परिणाम दुनिया के देशों के सामने हैं। दुनिया के देशों को यह समझ लेना होगा कि अमेरिका-ईरान युद्ध केवल दो या तीन देशों के बीच युद्ध तक सीमित ना होकर इसके असर से आज कोई देश दूर दूर तक अछूता नहीं दिखाई दे रहा है। यह दो देशों की अहम् की लड़ाई ना होकर समूची मानवता को प्रभावित करने वाले हालात है। आज दुनिया के देशों की एक दूसरे पर निर्भरता बढ़ी है। बिना किसी अन्य देश के सहयोग के कोई भी देश अपने स्तर पर अपने देशवासियों की आवश्यकताओं को पूरा करने की स्थिति में नहीं है। आर्थिक उदारीकरण के बाद से आज विश्व विश्व ग्राम में परिवर्तित हो गया है। एक बात यह भी साफ हो जानी चाहिए कि आज अमेरिका-इजरायल और ईरान संकट का हल निकल भी आता है तब भी वैश्विक हालात सामान्य होने में लंबा समय लग जाएगा। युद्धरत देश यह समझने की कोशिश नहीं कर रहे कि उनके अहम् के चलते दुनिया आज सालों पीछे जा रही है।

चिंतन शिविर : साझा दृष्टिकोण के जरिए भारत में खेलों के भविष्य को दिशा देना

पुलेला गोपीचंद
(भारतीय राष्ट्रीय बैडमिंटन टीम के मुख्य राष्ट्रीय कोच)

दो चिंतन शिविरों का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त करने के बाद, मैं भरोसे के साथ कह सकता हूँ कि यह आज भारतीय खेल जगत की सबसे सामयिक और असरदार पहलों में से एक है। हम अपने राष्ट्र की खेल यात्रा के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं, एक ऐसा मोड़ जहाँ इरादा, निवेश और प्रेरणा अभूतपूर्व रूप से एक साथ मिल रहे हैं।

पिछले एक दशक में, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत में खेल हाशिये से मुख्यधारा में आ गया है। इसके महत्व के प्रति भी साफ तौर पर राष्ट्रीय जागरूकता देखी जा सकती है, न केवल एक प्रतिस्पर्धी गतिविधि के रूप में, बल्कि स्वास्थ्य, अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव के साधन के रूप में भी। आज, हम एक विशाल और विविध तंत्र देख रहे हैं, जहां राज्य सरकारें, गैर-सरकारी संगठन, निगम, संघ और जमीनी स्तर के संस्थान सभी मिलकर खेलों के विकास में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। चिंतन शिविर की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह सभी हितधारकों को एक साझा मंच पर लाता है। खेल अपने आप में कई क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है, जिनमें विनिर्माण, मनोरंजन, फिटनेस, मीडिया और शिक्षा शामिल हैं। यह शिविर इन सभी क्षेत्रों को एक साथ लाने में मदद करता है, जिससे एक साझा दृष्टिकोण बनता है, जो दीर्घकालिक सफलता के लिए बेहद जरुरी है। यह देश के सामूहिक दृष्टिकोण को सामने लाता है और साथ ही विभिन्न राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करता है, जिससे अनुकरण और नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलता है।

चिंतन शिविर महज एक सम्मेलन से कहीं बढ़कर, एक शिक्षण तंत्र है। यह इसमें शामिल होने वाले लोगों को विचारों का आदान-प्रदान करने, चुनौतियों को समझने और मिलकर समाधान विकसित करने का अवसर देता है। यह एक शक्तिशाली प्रेरक के रूप में भी काम करता है, सफलता की तमाम कहानियों को सामने लाता है और इस विचार को और पुख्ता करता है कि भारत में खेल महज विशिष्ट पदकों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भागीदारी, समावेशिता और राष्ट्र निर्माण भी शामिल है। फिट इंडिया मूवमेंट जैसी पहल, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन और साइक्लिंग प्रतियोगिताओं जैसी सामुदायिक गतिविधियों ने खेल के प्रति हमारे नजरिए को नया रूप दिया है। आज के वक्त में जोर 'सभी के लिए खेल' के साथ-साथ, उच्चतम स्तर पर उत्कृष्टता पर है। पदक जीतने की आकांक्षाएं और व्यापक भागीदारी अब अलग-अलग मुद्दे नहीं हैं, बल्कि वे एक ही प्रक्रिया का हिस्सा हैं। श्रीनगर में शिविर का आयोजन करने से इसका महत्व और भी बढ़ गया है। इस शहर की शांत सुंदरता न केवल खेलों की विचारधारा के लिए एक मनोरम पृष्ठभूमि प्रदान करती है, बल्कि शांत चिंतन का भाव भी देती है, जो सार्थक संवाद के लिए बेहद जरुरी है।

इस चिंतन शिविर का एक अहम केंद्र बिंदु श्रीनगर खेल संकल्प को अपनाना था। यह संकल्प महज एक आशय का दस्तावेज नहीं, बल्कि यह एक एकीकृत ढांचा है, जो भारतीय खेल जगत के सभी हितधारकों की आकांक्षाओं को एक साथ बांधता है। साझा लक्ष्यों, प्राथमिकताओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से रेखांकित करके, यह एक ऐसा रोडमैप तैयार करता है, जो विखंडन के बजाय सहयोग को प्रोत्साहित करता है। श्रीनगर खेल संकल्प की असली ताकत विभिन्न भागीदारों—सरकारों, संघों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज को एक मंच पर लाने की क्षमता में निहित है। यह इस विचारधारा को और पुख्ता करता है कि भारत के खेल जगत का उत्थान अलग-थलग प्रयासों से नहीं हो सकता। इसके बजाय, इसे एक समन्वित, सहयोगात्मक दृष्टिकोण से संचालित किया जाना चाहिए, जहां संसाधनों, ज्ञान और विशेषज्ञता को एक साथ लाया जाए। भारत को 2036 तक ओलंपिक खेलों में शीर्ष 10 देशों में शामिल होने की अपनी दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा को प्राप्त करने के लिए यह समन्वय बेहद महत्वपूर्ण है। विश्व स्तरीय एथलीट तैयार करने के लिए न केवल प्रतिभा की जरुरत होती है, बल्कि एक सुचारू तंत्र की भी आवश्यकता होती है, जिसमें जमीनी स्तर पर पहचान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचा, उत्कृष्ट कोचिंग, प्रतिस्पर्धा का अनुभव और निरंतर वित्तीय एवं संस्थागत समर्थन शामिल हैं। संकल्प वही रणनीतिक कड़ी है, जो इन सभी तत्वों को एक सुसंगत प्रणाली में जोड़ सकता है। इन वार्ताओं से जो बात सबसे अधिक उभरकर सामने आई है, वह है इस व्यवस्था में मौजूद आशावाद। सभी का यह मानना है कि भारत का खेल भविष्य उज्ज्वल है और सहयोग से हम एक सशक्त, समावेशी और उच्च प्रदर्शन वाली खेल संस्कृति का निर्माण कर सकते हैं। चिंतन शिविर कई मायनों में एक अनूठा प्रयोग है, लेकिन यह पहले से ही सफल साबित हो रहा है। यह संवाद, समन्वय और आपसी समझ के महत्व को दर्शाता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश के लिए, ऐसे मंच न केवल लाभकारी हैं, बल्कि आवश्यक भी हैं। अगर हम वैश्विक खेल मंच पर अपनी महत्वाकांक्षाओं को सही मायने में साकार करना चाहते हैं, तो इन संवादों का जारी रहना और इन्हें सामूहिक कार्रवाई से मदद मिलना भी जरुरी है। श्रीनगर खेल संकल्प हमें वह दिशा प्रदान करता है। चिंतन शिविर हमें वह मंच प्रदान करता है। ये दोनों मिलकर भारत को अपनी खेल संबंधी आकांक्षाओं को स्थायी ओलंपिक सफलता में बदलने के लिए एक सशक्त आधार प्रदान करते हैं।

साय सरकार ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टरों को लिखा पत्र

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राज्य शासन ने सभी कलेक्टरों को केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 का क्रियान्वयन सभी नगरीय निकायों में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने मंत्रालय से परिपत्र जारी कर कलेक्टरों को स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अन्तर्गत परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए गठित जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष होने के नाते इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा है।

नगरीय प्रशासन विभाग ने कलेक्टरों को अपने जिले के सभी नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों व अन्य संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की वर्तमान स्थिति के सूक्ष्म आकलन के निर्देश दिए हैं। सभी निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं जैसे मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (रू्रूस्न), कंपोस्टिंग फैसिलिटी, अपशिष्ट प्रसंस्करण एवं पुनर्चक्रण इकाईयाँ, ट्रांसफर स्टेशन, सैनिटरी लैंडफिल तथा लिगेसी वेस्ट डम्प-साइट्स का स्थल निरीक्षण एवं ऑडिट करते हुए उनकी कार्यप्रणाली, तकनीकी और पर्यावरणीय स्थिति के परीक्षण के लिए भी निर्देशित किया गया है।

विभाग ने कलेक्टरों को नगरीय निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्य के लिए स्वीकृत सभी परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए निकायों में क्रियान्वित परियोजनाओं के जियो-टैग्ड फोटोग्राफ्स हर महीने ई-मेल के माध्यम से मंगाकर परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक में जियो-टैग्ड फोटोग्राफ्स का परीक्षण करने को कहा है। इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं का चिन्हांकन कर उनके समयबद्ध निराकरण के निर्देश कलेक्टरों को दिए गए हैं। नगरीय प्रशासन विभाग ने निकायों में उत्सर्जित हो रहे ठोस अपशिष्ट के संग्रहण, परिवहन एवं प्रसंस्करण की अद्यतन स्थिति, दर्शनीय स्वच्छता, जलाशयों की सफाई, बैकलेन की स्वच्छता, नालियों एवं नालों की नियमित सफाई तथा निर्माण एवं विध्वंस (ष्ट×ष्ठ) अपशिष्ट के प्रसंस्करण की नियमित समीक्षा के निर्देश दिए हैं।

तरबूज खाने से बच्चे की मौत, 3 अन्य बच्चे अस्पताल में भर्ती मामले में जांजगीर कलेक्टर ने लिया तत्काल संज्ञान

जांच के लिए भेजे गए तरबूज के सैंपल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम धुरकोट में तरबूज खाने के बाद एक बच्चे की मृत्यु तथा 3 अन्य बच्चों के बीमार होने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने तत्काल संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम एवं संबंधित एसडीएम को जिला चिकित्सालय जांजगीर भेजा , कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम जांजगीर ने मेडिकल टीम को गांव में संबंधित परिवार के सभी लोगों के स्वास्थ्य जांच के लिए रवाना किया तथा तहसीलदार को गांव में इस बाबत पूरे मामले पर लगातार निगरानी रखने हेतु निर्देशित किया गया।

सिविल सर्जन श्री एस. कुजूर ने बताया बच्चों के तरबूज और चिकन खाने बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। एक बच्चे की अस्पताल पहुंचने से पहले ही मृत्यु हो गई, जबकि 3 अन्य बीमार बच्चों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है जिनकी हालत अब सामान्य है ।कलेक्टर के निर्देश पर संबंधित तरबूज के सैंपल जांच हेतु भेज दिए गए हैं। साथ ही मृत बच्चे का पोस्टमार्टम कराया गया है और विसरा सुरक्षित रखा गया है ताकि मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

जिला प्रशासन द्वारा पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में अन्य लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर निगरानी भी कर रही है।

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल: पर्यावरणीय मानकों के पालन और सतत निगरानी का सशक्त मॉडल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास के साथ पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने की दिशा में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल प्रभावी और सक्रिय भूमिका निभा रहा है। मंडल द्वारा विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण, वैज्ञानिक परीक्षण और सतत निगरानी के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि पर्यावरणीय मानकों का कड़ाई से पालन हो।

राखड़ प्रबंधन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और अनुशासित व्यवस्था

मंडल की सतर्कता के परिणामस्वरूप जांजगीर-चांपा सहित राज्य के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में फ्लाई ऐश (राखड़) का प्रबंधन निर्धारित वैज्ञानिक दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया जा रहा है। हाल ही में विभागीय अधिकारियों ने ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संबंधित स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राखड़ के परिवहन, भंडारण और निस्तारण की प्रक्रियाएं सुव्यवस्थित एवं मानकों के अनुरूप पाई गईं।

पारदर्शिता और जनभागीदारी से पर्यावरण संरक्षण को मजबूती

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल ने अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जनसहभागिता को विशेष महत्व दिया है। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि राखड़ परिवहन में सुरक्षा मानकों का पालन हो तथा धूल या अन्य कणों का अनियंत्रित प्रसार न हो। वैज्ञानिक डंपिंग तकनीकों के उपयोग से आसपास के जल स्रोतों और कृषि भूमि की गुणवत्ता सुरक्षित बनी हुई है। स्थानीय निकायों और ग्रामीणों के साथ सतत संवाद के माध्यम से मंडल विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित कर रहा है।

रियल-टाइम मॉनिटरिंग से बढ़ा जनविश्वास

मंडल आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए उद्योगों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग कर रहा है। इस सतत निगरानी व्यवस्था से न केवल पर्यावरणीय अनुपालन को मजबूती मिली है, बल्कि आम नागरिकों में स्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति विश्वास भी बढ़ा है।

स्वच्छ और हरित छत्तीसगढ़ की दिशा में सतत प्रयास

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल का उद्देश्य राज्य की प्राकृतिक संपदा का संरक्षण करते हुए स्वच्छ, सुरक्षित और हरित भविष्य का निर्माण करना है। नियमित समीक्षा, उन्नत तकनीकों और प्रभावी क्रियान्वयन उच्चतम मानकों को स्थापित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

देश के सबसे बड़े ट्रेड फेयर में बस्तर की कला एवं स्थानीय उत्पादों को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 को लेकर कैट प्रतिनिधिमंडल ने वन एवं परिवहन मंत्री केदार कश्यप से की मुलाकात

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (ष्टद्बञ्ज) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, महामंत्री अवनीत सिंह, कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, वासु माखीजा राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी, शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि नई दिल्ली में आयोजित होने वाले देश के सबसे बड़े ट्रेड फेयर भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 के संबंध में आज कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के राष्ट्रीय वाईस चेयरमेन अमर पारवानी जी एवं CAIT छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ शासन के माननीय वन एवं परिवहन मंत्री केदार कश्यप जी से सौजन्य मुलाकात कर महोत्सव की रूपरेखा, व्यापारिक संभावनाओं एवं प्रदेश की सहभागिता को लेकर विस्तृत चर्चा की।

बैठक के दौरान व्यापार, उद्योग, स्टार्टअप, MSME एवं स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहन देने के विषय पर सकारात्मक संवाद हुआ। विशेष रूप से बस्तर की पारंपरिक कला, हस्तशिल्प, वन उत्पाद एवं स्थानीय संस्कृति को भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 में प्रमुखता से प्रदर्शित करने पर चर्चा की गई, जिससे देशभर के व्यापारियों एवं आगंतुकों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक एवं व्यापारिक विरासत से परिचित कराया जा सके।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि महोत्सव के माध्यम से छत्तीसगढ़ के व्यापार, स्थानीय उद्योगों एवं 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी तथा प्रदेश के उत्पादों के लिए बड़े बाजार एवं निवेश के अवसर भी बढ़ेंगे।

इस अवसर पर माननीय मंत्री केदार कश्यप जी ने भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 की सराहना करते हुए कहा कि बस्तर की कला एवं छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान को देश के सबसे बड़े ट्रेड फेयर में स्थान मिलना प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने महोत्सव में छत्तीसगढ़ की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के साथ हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। माननीय मंत्री केदार कश्यप जी से मुलाकात में कैट एवं युवा टीम के पदाधिकारी मुख्य रूप उपस्थित रहे:- अमर पारवानी, अमित चिमनानी, अवनीत सिंह, शंकर बजाज, निलेष मुंदडा, नागेन्द्र तिवारी, कान्ति पटेल, हिमांषु वर्मा एवं सर्वेष दौलतानी।

नहरों से सूखते तालाबों में जलभराव:भीषण गर्मी से बड़ी राहत 4755 तालाब हुए लबालब

मुख्यमंत्री साय की मंशा के अनुरूप सूखते तालाबों को*जीवनदान देने जल संसाधन विभाग का विशेष अभियान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

वर्तमान में भीषण गर्मी के दौरान तालाबों में पानी की कमी से जूझ रहे लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश में सूख रहे 4 हजार 755 तालाबों को अब तक विभाग द्वारा त्वरित पहल करते हुए नहरों के माध्यम से भरा जा चुका है और जरूरत के मुताबिक शेष तालाबों में भी पानी भरने का कार्य तेजी से जारी है।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में भीषण गर्मी ने पूरे देश को अपने चपेट में ले रखा है, इससे छत्तीसगढ़ भी अछूता नहीं है। इससे जल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है और ग्रामीण क्षेत्र में पानी का प्रमुख स्त्रोत तालाब भी जलविहीन हो रहे हैं। ऐसे हालात में लोगों को राहत पहुंचाने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप जल संसाधन विभाग द्वारा राज्य में सूख रहे तालाबों में जल भराव का कार्य तेजी से चलाया जा रहा है।

जल संसाधन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार इनमें सर्वाधिक रायपुर जिला के अंतर्गत निस्तारी हेतु प्रस्तावित कुल 783 तालाबों में से अब तक 663 तालाबों में जल भराव हेतु नहर से पानी दिया जा चुका है। इसी तरह बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के 586 तालाबों में से 504 तालाबों, धमतरी जिले के 508 तालाबों में से 329 तालाबों में पानी भरा जा चुका है। इस तरह प्रदेश के अमूमन सभी जिलों के तालाबों में पानी भराव का कार्य किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में लोगों के निस्तारी आदि की समस्या का तत्काल समाधान हो सके।

उल्लेखनीय है कि जल संसाधन विभाग द्वारा विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के तहत नहरों के माध्यम से पानी को तालाबों तक पहुंचाने के लिए यह योजना जल संरक्षण और वाटर रिचार्ज की दिशा में एक दूरदर्शी और प्रभावी कदम साबित हो रही है। यह पहल केवल सरकारी योजना नहीं बल्कि जल संरक्षण की सामूहिक सोच को मजबूत करती है। जब गांवों के तालाब भरते हैं और लोगों को उनका प्रत्यक्ष लाभ मिलता है, तब समाज में जल बचाने और जल-स्त्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है। जल संसाधन विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ में जल दोहन सहित अन्य कारणों से सूखते तालाबों के लिए नहरों से पानी का पहुंचाया जाना अत्यंत लाभकारी साबित हो रहा है। इसके माध्यम से तालाबों के भू-जल स्तर में वृद्धि अहम साबित होगी। नहरों से तालाबों में छोड़ा गया पानी धीरे-धीरे जमीन में रिसता है, जिससे आसपास के क्षेत्रों में भू-जल का पुर्नभरण होता है। इससे कुएं, हैण्डपम्प लम्बे समय तक जलयुक्त बने रहते हैं। इस तरह तालाबों के भरने से जहां ग्रामीणों को गर्मी के मौसम में पानी के कमी से राहत मिल रही है, वहीं आसपास के क्षेत्रों में भू-जल स्तर बढ़ाने में भी मदद मिल रही है।

उद्यानिकी की आधुनिक तकनीकों से किसान महेश कश्यप की बदली तकदीर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के बिल्हा विकासखंड अंतर्गत कछार निवासी श्री महेश कश्यप आज क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा के स्रोत बन गए हैं। कभी पारंपरिक खेती के कारण बढ़ती लागत और घटते लाभ से परेशान रहने वाले महेश ने उद्यानिकी विभाग की सहायता से आधुनिक कृषि को अपनाया और अपनी आर्थिक स्थिति में क्रांतिकारी सुधार किया।

परंपरागत खेती से आधुनिकता का सफर

श्री कश्यप पहले परंपरागत फसलों पर निर्भर थे, लेकिन उद्यानिकी विभाग की समेकित उद्यानिकी विकास योजना ने उनकी सोच और खेती का तरीका बदल दिया। विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने 2.00 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधरोपण और फेंसिंग के लिए प्राप्त अनुदान का लाभ उठाकर सब्जी उत्पादन का उन्नत मॉडल तैयार किया।

तकनीक का बेजोड़ तालमेल

श्री कश्यप ने अपने खेतों में वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग करते हुए तकनीकों को अपनाया। ड्रिप सिंचाई से न केवल पानी की बचत हुई, बल्कि फसल को सटीक पोषण मिला और खरपतवार की समस्या भी कम हुई। मिट्टी में नमी बनाए रखने और मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए मल्चिंग का प्रभावी उपयोग किया गया। वर्मी कंपोस्ट, जैविक खाद के प्रयोग से फसलों की गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता बढ़ी है।

महेश ने बैंगन के साथ-साथ अंतरवर्ती फसल के रूप में कद्दू और अन्य मौसमी सब्जियों की खेती की। लगभग 4.5 एकड़ में बैगन कीखेती की है। उन्होंने बताया कि अनुमानित 900 से 1100 क्विंटल उत्पादन होने की संभावना है, जहाँ खेती में लगभग 7 से 8 लाख रुपये की लागत आई, वहीं सब्जियों की बिक्री से उन्हें 14 से 15 लाख रुपये की शुद्ध आर्थिक लाभ प्राप्त हुई।

क्षेत्र के किसानों के लिए रोल मॉडल

महेश कश्यप आज न केवल आत्मनिर्भर हुए हैं, बल्कि वे किसानों को संदेश दे रहे हैं कि सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर और आधुनिक तकनीकों को अपनाकर कृषि को एक लाभप्रद व्यवसाय बनाया जा सकता है। उद्यानिकी विभाग की यह पहल बिलासपुर के ग्रामीण अंचल में समृद्धि का नया अध्याय लिख रही है।

बिलासपुर की शिविका पांडेय बनीं राज्य स्तरीय स्केटिंग चौंपियन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर के सरोना स्थित निजी पब्लिक स्कूल के स्केटिंग ग्राउंड में 9 एवं 10 मई 2026 को प्रथम छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय रोलर स्पोर्ट्स रैंकिंग चौंपियनशिप का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बिलासपुर की होनहार खिलाड़ी शिविका पांडेय ने अपनी प्रतिभा और अदम्य साहस का लोहा मनवाते हुए राज्य स्तरीय चौंपियन का खिताब अपने नाम किया।

शिविका ने 10 से 12 वर्ष आयु वर्ग के ट्वॉय इनलाइन स्केट स्पर्धा में हिस्सा लिया। 9 मई को आयोजित 400 मीटर रेस के दौरान वे गंभीर रूप से चोटिल हो गई थीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और घायल अवस्था में ही रेस पूरी कर कांस्य पदक जीता। अगले ही दिन, उसी चोट और दर्द के बावजूद, शिविका ने 200 मीटर रेस में असाधारण प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया और अपने आयु वर्ग की ओवरऑल चौंपियन बनीं। शिविका पांडेय बिलासपुर के बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल की छठवीं कक्षा की छात्रा हैं और रॉयल स्केटिंग क्लब, बिलासपुर में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं। उनकी इस सफलता पर उनके परिवार में हर्ष का माहौल है। शिविका के माता-पिता चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। डॉ. श्वेता पांडेय आयुर्वेद चिकित्साधिकारी हैं और डॉ. विद्या भूषण पांडेय (विभागाध्यक्ष - बालरोग विभाग), शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय महाविद्यालय, बिलासपुर में पदस्थ हैं। उल्लेखनीय है कि शिविका स्वयं स्वर्ण प्राशित (आयुर्वेदिक इम्युनिटी बूस्टर प्राप्त) हैं। उनके पिता डॉ. विद्या भूषण पांडेय नियमित रूप से स्वर्ण प्राशन शिविरों का आयोजन कर बच्चों के स्वास्थ्य संवर्धन के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास को मिलेगी गति

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में औद्योगिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आज मंत्रालय (महानदी भवन) में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम (CSIDC) की सार्वजनिक निजी भागीदारी मूल्यांकन समिति (PPPAC) ने विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की।

पीपीपी मॉडल के तहत विकसित होंगी ये प्रमुख परियोजनाएं

बैठक में सार्वजनिक निजी भागीदारी (PPP) मॉडल के माध्यम से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। चर्चा के केंद्र में रही प्रमुख परियोजनाएं में बिलासपुर में ट्रांसपोर्ट नगर का विकास, नवा रायपुर में अत्याधुनिक कन्वेंशन सेंटर का निर्माण, धमतरी (छाती) एवं बलौदाबाजार (चंदेरी) मे नए औद्योगिक क्षेत्रों का विकास के अलावा भिलाई में कमर्शियल टॉवर और फ्लेटेड फैक्ट्री बिल्डिंग का निर्माण किया जाना है। मुख्य सचिव विकासशील ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि औद्योगिक परियोजनाओं को गति देने के लिए नियमों का सरलीकरण किया जाए।

एआई और अत्याधुनिक कौशल से सुसज्जित होंगे युवा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

युवाओं को आधुनिक तकनीक से लैस कर उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन धमतरी द्वारा एक दूरदर्शी पहल की गई है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता कौशल उन्नयन पाठ्यक्रम (AI Upskilling Course 2026) हेतु प्रवेश परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। इस अभिनव प्रयास का लक्ष्य स्थानीय युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और डिजिटल स्किलिंग के क्षेत्र में निपुण बनाकर उनके लिए रोजगार के नए द्वार खोलना है।

युवाओं में दिखा जबरदस्त उत्साह

पी.जी. कॉलेज धमतरी के द्ब्रञ्ज भवन में आयोजित इस परीक्षा में जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसमें कुल प्रतिभागी 166 ने हिस्सा लिया, जिसमें से ऑफलाइन माध्यम 107 विद्यार्थी और ऑनलाइन माध्यम 59 विद्यार्थी शामिल हुए। बड़ी संख्या में युवाओं की यह भागीदारी जिले में नई तकनीकों और डिजिटल साक्षरता के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाती है।

वैश्विक स्तर का प्रशिक्षण और स्किलिंग

परीक्षा के माध्यम से चयनित विद्यार्थियों को बेंगलुरु की प्रतिष्ठित संस्था द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। इस विशेष प्रोग्राम में युवाओं को उन स्किल्स का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा जिनकी वर्तमान में वैश्विक उद्योगों में सर्वाधिक मांग है। चयनित विद्यार्थियों को आगे विशेष AI Skill Training Program से जोड़ा जाएगा। यह प्रशिक्षण प्रतिष्ठित संस्था Learnijoy Bangalore द्वारा संचालित किया जाएगा, जिसमें प्रतिभागियों को आधुनिक तकनीकी समाधान विकसित करने जैसी अत्याधुनिक स्किल्स का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

उप-निर्वाचन की घोषणा के साथ संपत्ति विरूपण पर लगा कड़ा प्रतिबंध

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ राज्यनिर्वाचन आयोग द्वारा जगदलपुर नगर पालिक निगम के अंतर्गत आने वाले इंदिरा गांधीवार्ड (वार्ड क्रमांक 16) के लिए उप-निर्वाचन 2026 के कार्यक्रम की घोषणा करदी गई है। निर्वाचन की अधिसूचना के साथ ही संबंधित क्षेत्रों में आदर्श आचारसंहिता प्रभावी हो गई है, जिसे ध्यान में रखते हुए बस्तर जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टरश्री आकाश छिकारा ने सार्वजनिक और निजी संपत्तियों की सुरक्षा हेतु सख्त दंडात्मकआदेश जारी किए हैं। आगामी 11 मई से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी, जिसके बादजून के प्रथम सप्ताह में मतदान और मतगणना संपन्न कराई जाएगी। इस चुनावी प्रक्रिया के दौरान संपत्तियों को विरूपित होने से बचाने के लिए छत्तीसगढ़संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम 1994 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एकविशेष कार्ययोजना लागू की गई है। कलेक्टर के आदेशानुसार किसी भी शासकीयया अशासकीय भवन, बिजली के खंभों, टेलीफोन के टावरों या अन्य सार्वजनिकढांचों पर बिना अनुमति के नारे लिखना, पोस्टर चिपकाना या झंडे लगाना अब एकदंडनीय अपराध की श्रेणी में आएगा। यदि कोई व्यक्ति या राजनीतिक दल इन नियमों का उल्लंघन करता पाया जाता है, तो उस पर एक हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है और संबंधित अधिनियम की धाराओं के तहत कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी। व्यवस्था को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए प्रशासन ने संबंधित थाना क्षेत्र में एक लोक संपत्ति सुरक्षा दस्ता तैनात किया है। यह दस्ता सीधे संबंधित थाना प्रभारी के मार्गदर्शन में कार्य करेगा और क्षेत्र का निरंतर भ्रमण कर यह सुनिश्चित करेगा कि कहीं भी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन न हो। इस दस्ते को स्पष्टनिर्देश दिए गए हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर पाए जाने वाले किसी भी अवैध प्रचारसाहित्य, बैनर या कट-आउट्स को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए और इस पूरीकार्रवाई की वीडियोग्राफी भी कराई जाए ताकि साक्ष्यों के साथ पारदर्शिता बनी रहे। वहीं निजी संपत्तियों के उपयोग को लेकर भी प्रशासन ने कड़ेदिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिसके तहत कोई भी प्रत्याशी या राजनीतिक दल किसीव्यक्ति की निजी संपत्ति का उपयोग चुनाव प्रचार के लिए तभी कर पाएगा, जब उसके पाससंपत्ति स्वामी की स्पष्ट लिखित सहमति होगी।

गंगामुंडा तालाब केवल एक जलाशय नहीं, बल्कि जगदलपुर की आत्मा और सांस्कृतिक पहचान है - किरण सिंह देव

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के अंतर्गत शहर के ऐतिहासिक गंगामुंडा तालाब के विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का भूमिपूजन सोमवार को विश्वकर्मा मंदिर परिसर के समीप किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव तथा महापौर संजय पांडे मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

करीब 3 करोड़ 45 लाख 96 हजार रुपये की लागत से होने वाले इन निर्माण कार्यों में तालाब परिसर में पाथवे निर्माण, डामरीकरण और टो वॉल निर्माण शामिल हैं। इनमें लगभग 1 करोड़ 97 लाख 84 हजार रुपये की लागत से पाथवे एवं डामरीकरण तथा 1 करोड़ 48 लाख 12 हजार रुपये की लागत से टो वॉल का निर्माण कराया जाएगा।

करीब 175 एकड़ क्षेत्र में फैला गंगामुंडा तालाब जगदलपुर शहर की सांस्कृतिक और प्राकृतिक पहचान माना जाता है। नगर निगम द्वारा समय-समय पर तालाब की सफाई और संरक्षण कार्य किए जाते रहे हैं। विशेष रूप से छठ पर्व के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु सूर्य उपासना के लिए पहुंचते हैं, जिससे

तालाब का धार्मिक महत्व भी बढ़ जाता है।

इस अवसर पर विधायक किरण सिंह देव ने कहा कि गंगामुंडा तालाब केवल एक जलाशय नहीं, बल्कि जगदलपुर की आत्मा और सांस्कृतिक पहचान है। उन्होंने बताया कि पूर्व में तालाब का गहरीकरण, पगडंडी को सीसी रोड में परिवर्तित करना, पौधारोपण और टो वॉल निर्माण जैसे कार्य कराए गए थे। वार्डवासियों की मांग पर छठ पूजा को ध्यान में रखते हुए घाटों का निर्माण भी कराया गया था। अब नगर निगम द्वारा तालाब को नया स्वरूप देने की दिशा में व्यापक सौंदर्यीकरण कार्य किए जा रहे हैं।

महापौर संजय पांडे ने कहा कि हमने बनाया है, हम ही इसे सँवारेंगे उन्होंने बताया कि नगर निगम तालाब के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए लगातार प्रयासरत है। तालाब क्षेत्र में अवैध निर्माण पर रोक लगाने के साथ इसे शहर का सबसे सुंदर और स्वच्छ तालाब बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि तालाब की पूरी परिधि में पाथवे और स्ट्रीट लाइट लगाए जाएंगे। साथ ही गंदे पानी के प्रवाह को पूरी तरह रोककर बरसात के स्वच्छ पानी से तालाब को भरने की योजना बनाई गई है। भविष्य में यहां वाटर एडवेंचर और मोटर बोट संचालन की भी योजना है।

कार्यक्रम में निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, स्वच्छता सभापति लक्ष्मण झा, राजस्व सभापति संग्राम सिंह राणा, कार्यपालन अभियंता गोपाल भारद्वाज सहित नगर निगम के जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मारपीट और चाकू से हमला, 3 आरोपी गिरफ्तार

कांकेर, प्रतिदिन राजधानी

बहन को कथित रूप से गाली देने और पत्थर फेंकने से मना करने पर भाई के साथ मारपीट और चाकू से हमला करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस के अनुसार प्रार्थी श्रवण साहू ने थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि 8 मई की रात करीब 10.30 बजे उसकी मां ने बताया कि घर के सामने रहने वाला मोहित ढीमर उसकी बहन के साथ अश्लील गाली-गलौच कर रहा था और पत्थर फेंक रहा था।

शिकायतकर्ता के अनुसार जब वह आरोपी को समझाने उसके घर के सामने गया, तब आरोपी मोहित ढीमर अपने भाइयों नेतराम ढीमर और महेश ढीमर के साथ मिलकर उसे घर के आंगन में खींच ले गया और मारपीट की। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इस दौरान मोहित ढीमर ने चाकू से हमला किया, जिससे श्रवण साहू को पेट, कमर, पसली और हाथ में चोटें आईं। बीच-बचाव करने पहुंचे परमेश्वर साहू को भी चोट लगने की बात शिकायत में कही गई है।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी मोहित ढीमर के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू और मछली काटने की कटारी जब्त करने की जानकारी दी है।

पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

बस्तर में मना सोमनाथ स्वाभिमान पर्व

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर रियासत की पुरानी राजधानी स्थित प्राचीन शिव मंदिर का प्रांगण उस समय भक्ति और राष्ट्रवाद के अनूठे संगम का साक्षी बना, जब यहाँ 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर सोमनाथ मंदिर के उस अदम्य स्वाभिमान की गाथा भी गूंजी, जो सदियों के संघर्ष के बाद आज अपने पूर्ण वैभव के साथ खड़ा है।

कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप ने अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सोमनाथ में 11 तीर्थों के जल से किए गए अभिषेक का उल्लेख करते हुए इसे भारतीय संस्कृति के पुनरुत्थान का प्रतीक बताया।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कश्यप ने मंदिर के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज से लगभग एक हजार वर्ष पूर्व सोमनाथ मंदिर को जिस तरह नष्ट कर लूटपाट की गई थी, वह भारतीय इतिहास का एक काला अध्याय था। उसके बाद भी कई बार आक्रमणकारियों ने इस सनातन केंद्र को क्षति पहुंचाई, लेकिन हर बार महादेव के प्रति अटूट आस्था ने इसे वापस खड़ा कर दिया। उन्होंने याद दिलाया कि अंतिम बार 1951 में इस मंदिर के पुनर्निर्माण का महान कार्य संपन्न हुआ था और आज, एक हजार वर्ष पूर्व हुई उस भीषण लूटपाट के पश्चात मंदिर के इसी अटूट स्वाभिमान और पुनर्निर्माण की याद में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का आयोजन पूरे देश में गौरव के साथ किया जा रहा है। इस गरिमामयी उत्सव में जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष बघेल में भी सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शकुंतला कश्यप सहित अन्य जनप्रतिनिधि और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन व अपर कलेक्टर श्री ऋषिकेश तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

भक्ति की इस धारा को कलात्मक ऊंचाई देते हुए कलाकार निधि रावल और तरंग डांस एकेडमी की नन्हीं बालिकाओं ने कत्थक शैली में शिव तांडव की ऐसी ओजपूर्ण प्रस्तुति दी, जिसने उपस्थित जनसमूह में ऊर्जा का संचार कर दिया। वहीं गायत्री मानस परिवार बस्तर के शिव भजनों ने वातावरण को पूरी तरह आध्यात्मिक बना दिया। ब ड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं और भक्तों ने इस ऐतिहासिक संदर्भ वाले पर्व में हिस्सा लेकर अपनी सांस्कृतिक जड़ों के प्रति गर्व व्यक्त किया।

अवैध साल चौखट चिरान से भरी पिकअप जब्त, चालक गिरफ्तार

केशकाल, प्रतिदिन राजधानी

वन परिक्षेत्र बड़ेराजपुर अंतर्गत वन विभाग ने अवैध लकड़ी परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक पिकअप से साल चौखट चिरान जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान वाहन चालक को भी मौके से पकड़ा गया। जब्त लकड़ी की अनुमानित कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई जा रही है।

वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 10 मई की सुबह लगभग 7.45 बजे वन परिक्षेत्र बड़ेराजपुर के अंतर्गत अवैध रूप से साल चौखट चिरान परिवहन किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही केशकाल डीएफओ दिव्या गौतम एवं एसडीओ सुषमा जे. नेताम के निर्देशन तथा रेंजर मिर्जा फिरोज बेग के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की।

वन विभाग की टीम ने पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 04 एनवाय 4214 का पीछा करते हुए खरगांव के पास घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया। जांच के दौरान वाहन में अवैध रूप से साल चौखट चिरान 41 नग, कुल 0.820 घनमीटर परिवहन करते पाया गया। जब्त लकड़ी की अनुमानित कीमत लगभग 50 हजार रुपये आंकी गई है। मामले में वाहन चालक योगेन्द्र ग्राम कोसमी चन्नाभर्री को हिरासत में लेकर वन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। वन विभाग द्वारा वाहन एवं लकड़ी को जब्त कर आगे की जांच की जा रही है।

वन विभाग ने कहा है कि क्षेत्र में अवैध लकड़ी कटाई एवं तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है तथा ऐसे मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कलेक्टर ने प्रदेश में एडवांसमेंट इंडेक्स 2.0 के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर ग्राम पंचायत मंदरौद और

धमतरी ,प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स 2.0 के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिवों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

दौरान ग्राम पंचायत मंदरौद, जनपद पंचायत कुरूद को गरीबी मुक्त एवं उन्नत आजीविका पंचायत श्रेणी में 94.48 (+) अंक प्राप्त कर पूरे छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान हासिल करने पर ग्राम पंचायत के सरपंच भीकम राम लहरे एवं सचिव डेर हू राम यादव को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत खम्हरिया, जनपद पंचायत धमतरी को स्वस्थ पंचायत श्रेणी में 91.33 (+) अंक प्राप्त करने पर सरपंच श्रीमती प्रकृति यादव को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेंद्र ठाकुर, अपर कलेक्टर श्रीमती श्रीमती इंदिरा देहारी, एसडीएम धमतरी एवं कुरूद सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा इंडेक्स केवल आंकड़ों का विकास की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत मंदरौद एवं खम्हरिया ने जनभागीदारी, पारदर्शिता और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से यह उपलब्धि हासिल की है।

जिले में समर कैम्प 2026 प्रशिक्षण शिविर, शुरू बच्चों को मिलेगा खेल एवं व्यक्तित्व विकास का अवसर

धमतरी ,प्रतिदिन राजधानी

जिले में बच्चों एवं युवाओं की खेल प्रतिभा को निखारने तथा ग्रीष्मकालीन अवकाश का रचनात्मक उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समर कैम्प 2026 ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर फ्रीडम फिजिकल ट्रेनिंग शुरू हो गयी है । इसके लिए जिले के विभिन्न खेल संस्थानों, विद्यालयों, खेल संघों एवं क्लबों द्वारा समर कैम्प में कराटे, योग, फुटबॉल, कबड्डी, एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, बॉक्सिंग, जूडो, ताइक्वांडो, बैडमिंटन, शतरंज, रग्बी, बास्केटबॉल, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, तीरंदाजी, स्केटिंग सहित अनेक खेल गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है । जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और

बच्चों को स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली से जोड़ने के उद्देश्य से 9 मई से 8 जून तक 30 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। जिले के 36 केन्द्रों में संचालित इस शिविर में स्कूली बच्चों को विभिन्न खेल गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है । जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित होने वाले इन प्रशिक्षण शिविरों में अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को खेल तकनीक, फिटनेस, अनुशासन, टीम भावना तथा नेतृत्व क्षमता का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिविरों के माध्यम से प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें भविष्य की प्रतियोगिताओं एवं खेल अकादमियों हेतु तैयार करने का भी प्रयास किया जा रहा है । समर कैम्प में सेजेस चर्रा, शौर्य क्रीड़ा क्लब कुण्डेल, कला केन्द्र इतवारी बाजार धमतरी, जिला वेटलिफ्टिंग संघ, नगर निगम स्पोर्ट्स एकेडमी, कुडो संघ धमतरी, एथलेटिक्स संघ धमतरी, कराते संघ सहित विभिन्न विद्यालयों एवं खेल संस्थाओं की सहभागिता निभा रहे है । प्रशिक्षण कार्यक्रमों में योग एवं मार्शल आर्ट्स के माध्यम से आत्मरक्षा, मानसिक एकाग्रता एवं स्वास्थ्य जागरूकता पर विशेष बल दिया जाएगा। वहीं एथलेटिक्स, फुटबॉल, कबड्डी एवं वॉलीबॉल जैसे टीम खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना एवं खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। जिला प्रशासन एवं खेल विभाग द्वारा सभी प्रशिक्षण केन्द्रों में आवश्यक समन्वय, खेल सामग्री तथा खिलाड़ियों की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

एम्स में नौकरी के नाम पर साढ़े 14 लाख की ठगी, यूपी से आरोपी बंदी

भिलाई नगर, प्रतिदिन राजधानी

रायपुर एम्स में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 14 लाख 50 हजार रुपए की ठगी करने वाले आरोपी को वैशाली नगर थाना पुलिस ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ से गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था, जिसे साइबर सेल की मदद से ट्रेस कर पकड़ा गया।

थाना प्रभारी प्रशांत मिश्रा ने बताया कि वृंदा नगर कैम्प-1 निवासी मुकेश कोसरे ने 13 जनवरी को थाना वैशाली नगर में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि उसका कॉलेज मित्र अभिषेक जयसवाल खुद की बड़े अधिकारियों और प्रभावशाली लोगों से पहचान होना बताकर रायपुर एम्स में स्टाफ नर्स की नौकरी लगाने का झांसा देता था। आरोपी ने नौकरी लगवाने और ज्वाइनिंग लेटर दिलाने के नाम पर सितंबर 2021 से अक्टूबर 2022 के बीच अलग-अलग किश्तों में प्रार्थी से कुल 14.50 लाख रुपए ले लिए। रकम लेने के बाद आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा और बाद में फरार हो गया।

शिकायत के आधार पर वैशाली नगर थाना में धारा 420 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने साइबर सेल भिलाई की मदद से आरोपी के मोबाइल नंबर और बैंक खातों का में आरोपी की लोकेशन लखनऊ, उत्तर प्रदेश में मिली। इसके बाद पुलिस टीम को लखनऊ भेजा गया, जहां घेराबंदी कर आरोपी अभिषेक जयसवाल (31 वर्ष) निवासी सेक्टर-6 भिलाई को गिरफ्तार किया गया।

निरंकारी बाल समागम में बच्चों का आध्यात्मिक मूल्यों का संदेश

भिलाई नगर, प्रतिदिन राजधानी

संत निरंकारी मंडल ब्रांच दुर्ग भिलाई की बाल संगत द्वारा बाल समागम का आयोजन संत निरंकारी सत्संग भवन सेक्टर 8 भिलाई में किया गया। निरंकारी बाल समागम में बच्चों ने अपनी प्रतिभा के माध्यम से आध्यात्मिक मूल्यों का सुंदर संदेश दिया। गीत, नृत्य एवं नाटक की प्रस्तुतियों के जरिए बच्चों ने विनम्रता, समर्पण, शुकराना, सहनशीलता एवं सद्भावना जैसे मानवीय गुणों को जीवंत रूप में प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया।

समागम में बच्चों ने बताया कि यदि बचपन से ही संस्कारों एवं आध्यात्मिकता का समावेश जीवन में हो, तो समाज में प्रेम, भाईचारा और मानवता की भावना और अधिक मजबूत होती है। विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों ने यह संदेश दिया कि जीवन में नम्रता और सहनशीलता अपनाकर ही सच्ची खुशियों एवं शांति को प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित संत महात्माओं एवं अभिभावकों ने बच्चों की प्रतिभा और उनके आत्मविश्वास की सराहना की। ब्रांच संयोजक सतपाल सैनी ने कहा कि बच्चे हमारा भविष्य है इन बच्चों को बचपन से ही मानवीय गुणों से भरपूर सेवा,मानवता की सीख देंगे तो ही ये बच्चे मानवता व देश हित मे अपना अमूल्य योगदान प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

रायपुर से आई बहन रिया जसवानी ने कहा बाल संगत बच्चों के आध्यात्मिक भविष्य के लिए जरूरी है साथ ही एक श्रेष्ठ मानव जो मानवीय गुणों से सम्पन्न होगा वो शिक्षा इस बाल संगत से ही संभव है। समागम का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा, प्रेम एवं उत्साह से सराबोर रहा।

सुशासन तिहार में पक्के घर की आस हुई पूरी

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर आम जनता की समस्याओं के समाधान एवं योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बना है। वर्षों से एक सुरक्षित एवं पक्के घर का सपना देख रहे रमोद के लिए वह पल यादगार बन गया जब विकासखंड बलरामपुर के ग्राम टांगरमहरी निवासी रमोद को सरनाडीह में आयोजित शिविर में सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने प्रधानमंत्री आवास योजना का प्रमाण पत्र प्रदान किया और शुभकामनाएं दी। प्रमाण पत्र पाकर रमोद और उनके परिवार के चेहरे पर खुशी थी।

रमोद ने बताया कि उनका परिवार लंबे समय से कच्चे मकान में रह रहा था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण स्वयं का पक्का मकान बनाना संभव नहीं हो पा रहा था। ऐसे समय में प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभ मिला। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा आवास स्वीकृत होने से परिवार को सुरक्षित और बेहतर जीवन जीने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री सहित शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अब वास्तव में लोगों तक पहुंच रहा है। रमोद ने कहा कि पक्का मकान बनने से अब बरसात के दिनों में परिवार को टपकती छत और असुरक्षा की चिंता नहीं रहेगी।

मणिभद्र मुनि का दुर्ग आगमन

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

राष्ट्रसंत, मानव मिलन के संस्थापक, नेपाल केसरी पूज्य गुरुदेव मणिभद्र मुनि का अपने साधु एवं साध्वी समुदाय के साथ आज कवर्धा में हर्ष, उल्लास एवं भक्तिमय वातावरण के मध्य मंगल प्रवेश हुआ। श्रद्धालुओं ने भक्ति एवं उत्साहपूर्वक गुरुदेव की आगवानी कर दर्शन-वंदन का लाभ प्राप्त किया।

पूज्य गुरुदेव श्री मणिभद्र मुनि जी महाराज ने नेपाल में ऐतिहासिक चातुर्मास सम्पन्न करने के पश्चात उग्र विहार करते हुए छत्तीसगढ़ की पावन धरा में मंगलमय प्रवेश किया। नेपाल से विहार करते हुए बनारस मार्ग से जबलपुर में विराजमान रहने के उपरांत अब गुरुदेव अपने साधु-साध्वी समुदाय सहित दुर्ग में आगामी जुलाई माह में होने वाले चातुर्मास हेतु पधार रहे हैं। कवर्धा में कुछ दिनों की स्थिरता पश्चात पूज्य गुरुदेव छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में धर्म प्रभावना करते हुए दुर्ग नगर पधारेंगे, जहाँ चतुर्विध संघ को उनके पावन सानिध्य एवं प्रवचनों का लाभ प्राप्त होगा। गुरुदेव की आगवानी एवं विहार सेवा हेतु श्रमण संघ परिवार के युवा संगठन, छत्तीसगढ़ युवा श्रमण संघ, वर्धमान सेवा मंच एवं श्रमण संघ स्वाध्याय मंडल के प्रतिनिधि सक्रिय रूप से अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। छत्तीसगढ़ प्रवेश के पश्चात विभिन्न क्षेत्रों में संघजनों द्वारा दर्शन-वंदन एवं विहार सेवा का क्रम निरंतर जारी रहेगा। दुर्ग चातुर्मास में पूज्य गुरुदेव मणिभद्र मुनि के साथ पूज्य पुनित मुनि, सुद्देश मुनि, प्रवचन प्रभाविका महासाध्वी लक्ष्मीजी महाराज, तप चंद्रिका महासाध्वी वैशाली जी महाराज एवं महासाध्वी डॉ सृजना जी महाराज सहित साधु-साध्वी समुदाय का पावन सानिध्य प्राप्त होगा।

साधु एवं साध्वी समुदाय चतुर्विध संघ के साथ धर्म आराधना एवं चातुर्मास हेतु दुर्ग पधार रहे हैं, जिससे संपूर्ण क्षेत्र में धर्ममय एवं आध्यात्मिक वातावरण निर्मित होगा।

दिल्ली ने अपना दूसरा सबसे बड़ा रनचेज किया

मैच में फास्ट बॉलर्स ने 39 ओवर फेंके, अक्षर की चौके से फिफ्टी पूरी

धर्मशाला। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किंग्स को 3 विकेट से हरा दिया। धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में टीम ने 211 रन का टारगेट हासिल कर आईपीएल इतिहास का अपना दूसरा सबसे बड़ा रनचेज पूरा किया। मैच में तेज गेंदबाजों ने कुल 39 ओवर डाले। यह आईपीएल इतिहास में दूसरा सबसे ज्यादा है। वहीं दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल ने चौका लगाकर फिफ्टी पूरी की।

पंजाब 9वीं बार 200+ टारगेट डिफेंड नहीं कर पाई

पंजाब आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा बार 200+ स्कोर डिफेंड करते हुए हारने वाली टीम बन गई है। दिल्ली के खिलाफ हार के साथ टीम ने 9वीं बार 200+ टारगेट बचाने में नाकामी झेली। इस लिस्ट में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 7 हार के साथ दूसरे नंबर पर है। पंजाब ने आईपीएल 2026 में सातवीं बार विरोधी टीम को 200+ रन बनाने दिए। टीम अब एक सीजन में सबसे ज्यादा 200+ स्कोर देने वाली टीमों की सूची में शामिल हो गई है। इस लिस्ट में हैदराबाद, राजस्थान और लखनऊ भी 7-7 बार 200+ स्कोर दे चुकी हैं।

दिल्ली ने आईपीएल का दूसरा सबसे बड़ा रनचेज किया

दिल्ली ने आईपीएल इतिहास का अपना दूसरा सबसे बड़ा सफल रनचेज पूरा किया। इससे पहले टीम ने इसी सीजन जयपुर में राजस्थान के खिलाफ 226 रन का टारगेट चेज किया था। दिल्ली ने धर्मशाला में 211 रन का लक्ष्य हासिल कर इतिहास रच दिया। आईपीएल में धर्मशाला के मैदान पर पहली बार किसी टीम ने 200+ रन का सफल पीछा किया। इससे पहले यहां सबसे बड़ा सफल रनचेज चेन्नई ने 2010 में पंजाब के खिलाफ 193 रन का किया था।

पंजाब ने अपनी किसी आईपीएल इनिंग के पहले ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाए : पंजाब ने पहले ओवर में 22 रन बनाए। यह आईपीएल इतिहास में टीम का किसी पारी के पहले ओवर में सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले टीम ने इसी सीजन वानखेड़े में मुंबई के खिलाफ पहले ओवर में 21 रन बनाए थे। वहीं दिल्ली ने पारी के पहले ओवर में दूसरे सबसे ज्यादा रन खर्च किए। इससे पहले टीम ने 2024 में कोलकाता के खिलाफ ईडन गार्डन्स में 23 रन दिए थे।

नबी के डाइविंग कैच से प्रभसिमरन आउट : 7वें ओवर में प्रभसिमरन सिंह आउट हो गए। मुकेश कुमार ने उन्हें शॉर्ट गेंद पर फंसाया। प्रभसिमरन पुल शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद बल्ले के ऊपरी हिस्से पर लगकर डीप बैकवर्ड स्क्वेयर लेग की ओर चली गई। यहां आकिब नबी ने डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ा। प्रभसिमरन 15 गेंदों पर 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

माधव तिवारी को पहला आईपीएल विकेट : दिल्ली के माधव तिवारी ने आईपीएल में अपना पहला विकेट हासिल किया। 9वें ओवर में उन्होंने प्रियांश को आउट किया। ऑफ स्टंप के बाहर गुड लेंथ गेंद पर प्रियांश बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर डीप पॉइंट पर चली गई। वहां साहिल परख ने आसान कैच पकड़ा। प्रियांश 33 गेंदों पर 56 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी में 2 चौके और 6 छक्के शामिल रहे।

अक्षर ने चौके से पूरी की फिफ्टी : 14वें ओवर में दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल ने चौका लगाकर अर्धशतक पूरा किया। मार्कस स्टोयनिस की फुल लेंथ गेंद को उन्होंने लॉन्ग ऑन की दिशा में खेला। गेंद बल्ले के बीच में नहीं लगी, लेकिन गैप में निकल गई और अक्षर का पचासा पूरा हो गया।

श्रेयस ने सिक्स लगाकर पूरी की फिफ्टी : 18वें ओवर में पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने छक्के के साथ अर्धशतक पूरा किया। माधव तिवारी की शॉर्ट और वाइड गेंद पर उन्होंने डीप एक्स्ट्रा कवर के ऊपर सिक्स जड़ा। इसके साथ ही श्रेयस ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ लगातार तीसरी 50+ पारी खेली। वे आईपीएल में दिल्ली के खिलाफ लगातार 3 बार 50+ रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए। इस लिस्ट में राहुल द्रविड़ और विराट कोहली भी 3-3 बार यह कारनामा कर चुके हैं।

शेडगे ने स्टार्क की हैट्रिक बॉल पर सिक्स लगाया : मिचेल स्टार्क ने 19वें ओवर की पहली दो गेंदों पर मार्कस स्टोयनिस और शशांक सिंह को आउट कर हैट्रिक का मौका बनाया। लेकिन सूर्यांश शेडगे ने दबाव में शानदार जवाब दिया। उन्होंने हैट्रिक बॉल पर लंबा सिक्स जड़ा। इसके बाद अगली गेंद पर चौका और ओवर की आखिरी गेंद पर भी छक्का लगाया। स्टार्क के इस ओवर में 2 विकेट जरूर आए, लेकिन पंजाब ने 16 रन भी बटोर लिए।

अर्शदीप ने स्टब्स का आसान कैच छोड़ा : पंजाब किंग्स की खराब फील्डिंग जारी रही। 7वें ओवर में बेन ड्वारशुइस की गेंद पर ट्रिस्टन स्टब्स बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद सही टाइम नहीं हुई और लॉन्ग-ऑन की तरफ हवा में चली गई। वहां अर्शदीप सिंह के पास आसान मौका था, लेकिन उन्होंने दोनों हाथ लगाने के बावजूद कैच टपका दिया।

मैच में पेसर्स ने फेंके 39 ओवर

पंजाब और दिल्ली के बीच तेज गेंदबाजों ने कुल 39 ओवर फेंके। यह आईपीएल इतिहास में किसी मैच में पेसर्स द्वारा डाले गए दूसरे सबसे ज्यादा ओवर हैं। इस लिस्ट में टॉप पर 2008 में बेंगलुरु में खेले गए आरसीबी और सीएसके का मैच है, जहां तेज गेंदबाजों ने 39 .4 ओवर डाले थे।

पंजाब ने इस सीजन 7वीं बार 200+ स्कोर बनाया

पंजाब ने आईपीएल 2026 में सातवीं बार 200+ स्कोर बनाया। टीम ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 200 रन का आंकड़ा पार कर इस सीजन सबसे ज्यादा 200+ स्कोर बनाने वाली टीमों की लिस्ट में दूसरा स्थान हासिल किया। आईपीएल इतिहास में एक सीजन में सबसे ज्यादा 200+ स्कोर बनाने का रिकॉर्ड गुजरात और पंजाब के नाम है। दोनों टीमों ने 2025 में 8-8 बार यह कारनामा किया था। वहीं हैदराबाद ने इसी सीजन 8 बार 200+ स्कोर बनाए हैं।

प्रियांश ने दूसरी बार आईपीएल मैच की पहली बॉल पर सिक्स लगाया

पंजाब के ओपनर प्रियांश आर्या ने मिचेल स्टार्क की पहली गेंद पर सिक्स जड़ दिया। वे आईपीएल इतिहास में दूसरी बार मैच की पहली गेंद पर छक्का लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले उन्होंने 2025 में मुल्लांपुर में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खलील अहमद की पहली गेंद पर सिक्स लगाया था। आईपीएल में मैच की पहली गेंद पर छक्का लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में नमन ओझा, विराट कोहली, फिल सॉल्ट और यशस्वी जायसवाल भी शामिल हैं। टूर्नामेंट में पारी की पहली गेंद पर सबसे ज्यादा बार सिक्स लगाने का रिकॉर्ड यशस्वी जायसवाल के नाम है। उन्होंने 4 बार यह कारनामा किया है।

प्रियांश ने पावरप्ले में तीसरी बार 50+ रन बनाए

प्रियांश ने आईपीएल में तीसरी बार पावरप्ले में 50+ रन बनाए। वे ऐसा करने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस मामले में वैभव सूर्यवंशी 4 बार के साथ टॉप पर हैं। वहीं केएल राहुल, ऋद्धिमान साहा और यशस्वी जायसवाल ने 2-2 बार पावरप्ले में 50+ रन बनाए हैं।

मैं प्रधानमंत्री और खेल मंत्री से निवेदन करती हूं कि विनेश का ट्रायल लिया जाए : साक्षी मलिक

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) द्वारा विनेश फोगाट को भेजे 'कारण बताओ नोटिस' और उन पर 26 जून तक खेलने को लेकर लगाई गई रोक पर पूर्व महिला रेसलर साक्षी मलिक का बयान सामने आया है। साक्षी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और खेल मंत्री से निवेदन किया है कि विनेश को ट्रायल देने से न रोका जाए। साक्षी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'फेसबुक' पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा, 'पिछले कुछ दिनों से विनेश के ट्रायल को लेकर जो भी मामला चल रहा है, उसको लेकर मीडिया मेरी राय जानना चाहती है। मैं दो-तीन दिन से विचार में थी, क्योंकि विनेश एक पार्टी की विधायक है और मेरा किसी भी पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है। मैं ऐसे बहुत से उदाहरण दे सकती हूं, जहां दूसरे देश की स्पोर्ट्स फेडरेशन अपने खिलाड़ियों के लिए नियम आसान करती है, ताकि वहां महिलाएं मां बनने के बाद भी खेल सकें और देश के लिए पदक जीत सकें।' साक्षी ने आगे कहा, 'वहीं, हमारी फेडरेशन दो दिन पहले ऐसे नियम लागू कर देती है कि विनेश वापसी ना कर पाए। मेरा प्रधानमंत्री, खेल मंत्री और फेडरेशन से निवेदन है कि विनेश का ट्रायल लिया जाए, ताकि वह भी पदक जीते और देश का नाम रोशन कर सके। इसके साथ ही वह एक ऐसा उदाहरण पेश कर सके कि हमारे देश में भी महिलाएं मां बनने के बाद खेल सकती हैं और पदक जीतकर देश का नाम रोशन कर सकती हैं।' दरअसल, शनिवार को भारतीय कुश्ती महासंघ ने विनेश फोगाट को कारण बताओ नोटिस भेजा था, जिसमें डब्ल्यूएफआई ने विनेश पर अनुशासनहीनता और डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उनसे चार आरोपों के जवाब मांगे हैं।

बीसीसीआई ने धीमी ओवर गति के लिए अक्षर पर जुर्माना लगाया

धर्मशाला। दिल्ली कैपिटल्स की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली जीत का जश्न मना भी नहीं पायी कि टीम के कप्तान अक्षर पटेल पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लग गया है। आईपीएल ने मंगलवार सुबह एक बयान जारी कर अक्षर पर जुर्माना लगाये जाने की पुष्टि की है। इस बयान में कहा गया, 'यह इस सत्र में उनकी टीम का पहला अपराध था, जो आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत आता है और न्यूनतम ओवर गति से संबंधित है। इसलिए अक्षर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।' इस मैच में दिल्ली ने 211 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज थी। दिल्ली ने 19वें ओवर में तीन विकेट से जीत हासिल की। यह इस सत्र में उनकी पांचवीं जीत है। इसके साथ ही टीम के 12 मैचों में 10 अंक हो गए हैं। इस जीत से कैपिटल्स अंक तालिका में एक स्थान के लाभ के साथ ही सातवें स्थान पर पहुंच गई है। अक्षर ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार अर्धशतक लगाया। कैपिटल्स से पहले भी इस सत्र में धीमी ओवर गति के लिए कई टीमों के कप्तानों पर जुर्माना लगा है।

गावस्कर को पंजाब और बेंगलुरु के बीच फाइनल होने की उम्मीद

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि इस बार पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आईपीएल फाइनल में पहुंचेगी। गावस्कर के अनुसार खेल में मिली हार भी कभी-कभी किसी टीम के लिए लाभदायक साबित होती है, इसलिए पिछले एक दो मैचों में हार से भी पंजाब की दावेदारी कमजोर नहीं हुई है। उन्होंने कहा, मैं अब भी पंजाब किंग्स का समर्थन करूंगा। कई बार कुछ हार टीम को बेहतर तरीके से अपने को तैयार करने का अवसर देती हैं। इससे खिलाड़ी भी अति आत्मविश्वास से बचते हैं। उन्होंने कहए कि दिल्ली कैपिटल्स के पास भी इस सत्र में जीत के कई अवसर थे पर उसने उन्हें गंवा दिया। पंजाब किंग्स इससे सबक लेते हुए अब कोई गलती नहीं करना चाहेगी। पंजाब किंग्स ने सत्र की शुरुआत से ही प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए शुरुआती सात मैचों में जीत हासिल की थी। हालांकि, इसके बाद टीम को लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी 13 अंकों के साथ टीम अभी भी प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। वहीं आरसीबी ने हाल ही में मुंबई इंडियंस के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में आखिरी गेंद पर दो विकेट से जीत दर्ज कर समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं।

आईपीएल : गुजरात ने हैदराबाद को 169 रन का टारगेट दिया

सुदर्शन-सुंदर के अर्धशतक, प्रफुल और साकिब ने 2-2 विकेट लिए

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 के 56वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 169 रन का टारगेट दिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। गुजरात ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 168 रन बनाए। साई सुदर्शन ने सबसे ज्यादा 61 रन की पारी खेली। वाशिंगटन सुंदर ने 33 बॉल पर 50 रन बनाए। हैदराबाद के लिए प्रफुल हिंगे और साकिब हुसैन ने 2-2 विकेट लिए। उनके अलावा पैट कमिंस को एक विकेट मिला। गुजरात टाइटंस ने आखिरी ओवर में 10 रन जोड़कर 5 विकेट पर 168 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर ने 32 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, लेकिन अगली ही गेंद पर आउट हो गए। साकिब हुसैन की ऑफ-पेस गेंद पर सुंदर बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद हवा में ऊंची चली गई। विकेटकीपर ईशान किशन ने दौड़ते हुए शानदार डाइविंग कैच पकड़ा। आखिरी गेंद पर राहुल तेवतिया ने चौका लगाकर टीम को 168 रन तक पहुंचाया। शुरुआती झटकों के बाद साई सुदर्शन और सुंदर ने पारी संभाली। सुदर्शन ने 61 रन की अहम

पारी खेली। 19वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने 18 रन बटोरे। उन्होंने ओवर में दो चौके और एक शानदार छक्का लगाया। सुंदर ने लगभग यॉर्कर गेंद को फाइन लेग के ऊपर से लैप कर चौका बटोरा, जबकि आखिरी गेंद पर दमदार सिक्स जड़ दिया। इससे पहले उन्होंने शॉर्ट गेंद पर पुल शॉट खेलकर भी बाउंड्री हासिल की। इस ओवर के बाद गुजरात टाइटंस का स्कोर 19 ओवर में 158/4 पहुंच गया। प्रफुल हिंगे ने 18वें ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 7 रन दिए। उन्होंने जेसन होल्डर और वॉशिंगटन सुंदर को बड़े शॉट खेलने का मौका नहीं दिया। हिंगे ने लगातार यॉर्कर और हार्ड लेंथ गेंदों से बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। सुंदर ने जरूर पॉइंट के जरिए चौका निकाला, लेकिन बाकी गेंदों पर गुजरात खुलकर रन नहीं बना सका। 18 ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 140/4 पहुंचा। 17वें ओवर में साई सुदर्शन तेज रन बनाने के प्रयास में अपना विकेट गंवा बैठे। साकिब हुसैन की यॉर्कर गेंद पर उन्होंने रिवर्स लैप खेलने की कोशिश की, लेकिन सही पोजिशन में नहीं आ सके। गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आई और शॉर्ट थर्ड पर खड़े प्रफुल हिंगे के हाथों में चली गई। हिंगे ने थोड़ा असहज अंदाज में कैच जरूर पकड़ा, लेकिन मौका नहीं गंवाया।

मिचेल मार्श की कप्तानी में पाकिस्तान और बांग्लादेश का दौरा करेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम मिचेल मार्श की कप्तानी में पाकिस्तान और बांग्लादेश का दौरा करेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अब तक टी20 टीम की कप्तानी कर रहे मार्श को अब एकदिवसीय की भी कमान सौंपी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस माह पाकिस्तान में तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इसके बाद उसे बांग्लादेश में तीन एकदिवीसय और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कई खिलाड़ी अभी आईपीएल खेलने में व्यस्त हैं। ऐसे में मार्श को अवसर दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम पाकिस्तान में तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज जबकि बांग्लादेश में 3-3 मैचों की एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी। मार्श की टीम लखनऊ सुपरजायंटस आईपीएल से पहले ही बाहर हो गयी है। ऐसे में मिचेल पूरे समय के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए उपलब्ध रहेंगे और इस कारण से भी उन्हें कप्तानी मिली है। वहीं, नियमित कप्तान पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क जैसे कई प्रमुख खिलाड़ी आईपीएल की व्यस्तताओं के चलते इन दौरों से बाहर रहेंगे। ये खिलाड़ी 31 मई तक आईपीएल में व्यस्त रह सकते हैं। मार्श के अलावा जोश इंग्लिस भी तीनों दौरों के लिए उपलब्ध हैं, क्योंकि उनकी

आईपीएल टीम लखनऊ सुपर जायंट्स भी प्लेऑफ से बाहर हो गई है। हालांकि, कैमरून ग्रीन, जिनकी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स अभी भी प्लेऑफ की दौड़ में है चयन समिति ने उन्हें टीम में जगह दी है। वहीं युवा प्रतिभाओं को अवसर देते हुए, अंडर-19 टीम के कप्तान ओली पीक को पाकिस्तान दौरे के लिए वनडे टीम में शामिल किया गया है। वह बांग्लादेश दौरे का हिस्सा नहीं होंगे, क्योंकि आईपीएल में शामिल अन्य खिलाड़ी तब तक टीम से जुड़ जाएंगे। ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस, जो एकदिवसीय क्रिकेट से अलविदा कह चुके हैं, को टी20 टीम में जगह नहीं मिली है। इसके अलावा अनुभवी स्टीव स्मिथ भी इस बार टीम से बाहर हैं। वहीं, ट्रैविस हेड, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस और ज़ेवियर बार्टलेट आईपीएल प्ले ऑफ मैचों के कारण पाकिस्तान दौरे के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। हालांकि, वे 9 जून से शुरू होने वाली बांग्लादेश सीरीज के लिए एकदिवसीय टीम से वापस जुड़ जाएंगे। ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं ने खिलाड़ियों की उपलब्धता और सीरीज के प्रारुप के अनुसार दोनों दौरों के लिए अलग-अलग टीमें घोषित की हैं।

पाकिस्तान में एकदिवसीय सीरीज के लिए मिचेल मार्श की कप्तानी में एलेक्स कैरी, मार्नस लाबुशेन, मैथ्यू रेनशॉ और एडम जैम्पा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ नाथन एलिस और ओली पीक जैसे युवा चेहरों को शामिल किया गया है। वहीं बांग्लादेश में एकदिवसीय सीरीज के लिए ज़ेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली और ट्रैविस हेड जैसे खिलाड़ी टीम से जुड़ेंगे, जिससे टीम और बेहतर होगी। बांग्लादेश में होने वाली टी20 सीरीज के लिए भी मिचेल मार्श की अगुवाई में टिम डेविड, जोएल डेविस और स्पेंसर जॉनसन जैसे खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। जो टीम में अनुभव और युवा जोश का संतुलन बनाते हैं। यह दौरे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के नए खिलाड़ियों के लिए अपने को साबित करने का अवसर होगा।

उर्विल भविष्य में बेहतर बल्लेबाज बनेंगे : हरभजन

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के युवा बल्लेबाज उर्विल पटेल की बल्लेबाजी की जमकर सराहना की है। उर्विल ने हाल ही में आईपीएल 2026 के एक अहम मुकाबले में सीएसके की लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत में अहम भूमिका निभाई थी। हरभजन ने कहा कि उर्विल में दबाव के बीच भी अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है। उनकी निडर बल्लेबाजी से मैच का रुख बदल गया। इससे साफ है कि वह आने वाले समय में एक बेहतरीन खिलाड़ी बनेंगे। हरभजन उर्विल की बल्लेबाजी शैली से खासे प्रभावित दिखे। उन्होंने कहा कि युवा बल्लेबाज शुरुआत से ही अपनी रणनीति को लेकर बिल्कुल स्पष्ट थे। हरभजन ने कहा, पहले छह छक्कों को देखकर लगा कि उन्होंने सिर्फ एक ही क्षेत्र को निशाना बनाने का फैसला किया था। जिस तरीके से उन्होंने एक कठिन पिच पर बड़े शॉट खेले उससे उनकी

असाधारण क्षमता का अंदाजा होता है। वह निश्चित रूप से भविष्य में एक बेहतरीन खिलाड़ी साबित होंगे।उर्विस की बेतरीन पारी से ही ये मैच सीएसके के पाले में आया। यह उर्विल पटेल की आक्रामक बल्लेबाजी ही थी जिसने पूरे मैच का रुख सीएसके की ओर किया। उनकी विस्फोटक पारियों ने विरोधी गेंदबाजों पर जबरदस्त दबाव बनाया और ष्टस्य को एक कठिन स्थिति से निकालकर जीत की राह पर मजबूती से आगे बढ़ाया। हरभजन ने शिवम दुबे की फिनिशर के तौर पर भूमिका की भी प्रशंसा की।

विश्वकप 2027 के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना चाहते हैं क्रुणाल

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में रॉयल चैलेंसर्स की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे क्रुणाल पांड्या का कहना है कि उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में जगह बनाना है। पांड्या का प्रदर्शन आईपीएल में गेंद और बल्ले दोनो ही अच्छा रहा है। ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि चयनकर्ता विश्वकप के लिए उनके नाम पर भी विचार करेंगे। इस क्रिकेटर के अनुसार उनका लक्ष्य केवल आईपीएल में ही अच्छा प्रदर्शन करना नहीं है। उनकी नजरें 2027 एकदिवसीय विश्व कप में अवसर मिलने पर बेहतर खेल दिखाना है। विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित किया जाएगा। क्रुणाल ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 73 रन बनाकर आरसीबी की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। पांड्या ने साल 2027 विश्व कप में खेलने और राष्ट्रीय टीम में वापसी की अपनी इच्छा जतायी। उन्होंने कहा, जब मैं 6-7 साल का था, तो मैं देश के लिए खेलना चाहता था। अभी भी, यही लक्ष्य है। अगले साल विश्वकप होने वाला है। जिसके लिए मैं जगह बनाना चाहता हूं। मुझे उम्मीद है किमैं अच्छा करता रहूंगा।

न्यूजीलैंड की टी20 क्रिकेट लीग अब 2027-28 में शुरु होगी

ऑकलैंड । भारत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सफलता से उत्साहित होकर न्यूजीलैड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने भी साल 2027 से एक टी20 लीग शुरु करने की योजना बनायी थी जो अब टालने पड़ी है। न्यूजीलैड बोर्ड के अनुसार अब ये लीग साल 2027-28 की गर्मियों में शुरू होगा। बोर्ड ने देरी का कारण बताते हुए कहा है कि संभावित निवेशकों और हितधारकों के साथ चल रही बातचीत को अंतिम रूप देने और लीग को सफलतापूर्वक स्थापित करने के लिए अधिक समय की जरुरत महसूस हुई। बोर्ड ने हालांकि कहा कि निवेशकों के साथ उसकी चर्चाएं रचनात्मक रही हैं। जनवरी 2027 में प्रस्तावित लॉन्च को देखते हुए कई तरह के कामों में काफी विकास भी हुआ पर बोर्ड को लगा कि लीग शुरु करने के लिए अभी और काम होने हैं जिसके लिए अतिरिक्त समय की जरुरत है। लॉन्च में देरी का एक मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय

क्रिकेट कैलेंडर भी है। जनवरी और फरवरी में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ अहम टेस्ट सीरीज तय होने के कारण, लीग के लिए पर्याप्त विंडो मिलना कठिन हो रहा था। यह मामला हितधारकों के साथ चर्चा के दौरान सामने आया, जिसके चलते लॉन्च को आगे बढ़ाया गया है। बोर्ड की चेयरपर्सन, डायना पुकेटापु-लिंडन ने इस बदलाव का समर्थन करते हुए कहा, हमारा प्राथमिक ध्यान यह तय करना है कि न्यूजीलैंड में घरेलू टी20 क्रिकेट का भविष्य बेहतर, प्रतिस्पर्धी और वैश्विक खेल के साथ जुड़ा हो। हम न्यूजीलैंड 20 के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और अब तक हुई प्रगति से उत्साहित हैं। अभी और समय लेने से यह तय करने में सहायता मिलेगी कि यह प्रतिस्पर्धा लंबे समय तक सफल रहे। वहीं मैकिनॉन ने कहा कि इस संशोधित लॉन्च विंडो से अंततः प्रशंसकों को ही लाभ होगा। उन्होंने कहा, दिसंबर 2027 में लॉन्च करके, हम यह पक्का कर सकते हैं कि यह प्रतिस्पर्धा पहली ही गेंद से उम्मीदों पर सही साबित उतरे और प्रशंसकों, खिलाड़ियों और साझेदारों को वह अनुभव प्रदान करे जिसके वे अधिकारी हैं। हमारा लक्ष्य एक ऐसा टूर्नामेंट बनाना है जो शुरुआत से ही यादगार हो। बोर्ड इसके सफल आयोजन के लिए पूरा प्रयास कर रहा है।

स्टेरिस फार्मा ने महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए एलागोलक्स रेंज लॉन्च करके छत्तीसगढ़ में अपनी उपस्थिति को मजबूत किया

रायपुर। मुंबई स्थित दवा कंपनी स्टेरिस फार्मा ने रायपुर, छत्तीसगढ़ बाजार में महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित अपने विशेष प्रोडक्ट - एलागोलक्स 150 मिलीग्राम और एलागोलक्स 200 मिलीग्राम (एलागोलिक्स टैबलेट) को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह स्ट्रेटेजिक एक्सपेंशन भारत भर में रोगियों की विशेष चिकित्सीय आवश्यकताओं को पूरा करने और एडवांस्ड ट्रीटमेंट ऑप्शंस तक उनकी पहुंच बढ़ाने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एलागोलिक्स युक्त एलागोलक्स एक टार्गेटेड थेरेपी है, जिसका मुख्य उपयोग एंडोमेट्रियोसिस जैसी स्त्री रोग संबंधी समस्याओं के प्रबंधन में किया जाता है। यह महिलाओं को लक्षणों से प्रभावी राहत प्रदान करता है और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाता है। 150 मिलीग्राम और 200 मिलीग्राम दोनों वेरिएंट पेश करके, स्टेरिस फार्मा का उद्देश्य हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को बेहतर पेशेंट सेंट्रिक ट्रीटमेंट परिणामों के लिए खुराक में फ्लेक्सिबिलिटी प्रदान करना है। लॉन्च पर स्टेरिस हेल्थकेयर के चेयरमैन जीवन कसारा ने कहा, 'स्टेरिस में, हमारा ध्यान हमेशा वंचित वर्गों को इनोवेटिव और हाई क्वालिटी वाले हेल्थकेयर सलूशन उपलब्ध कराने पर रहा है। छत्तीसगढ़ में एलागोलक्स का लॉन्च विशेष उपचारों को अधिक सुलभ बनाकर महिलाओं के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा मानना है कि यह प्रोडक्ट पेशंट्स के जीवन में सार्थक बदलाव लाएगा और हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को बेहतर परिणाम देने में सहायता करेगा।' छत्तीसगढ़ में लॉन्च स्टेरिस फार्मा की ग्रोथ स्ट्रेटेजी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि कंपनी उच्च क्षमता वाले क्षेत्रीय बाजारों में अपनी उपस्थिति को और मजबूत कर रही है। डब्ल्यूएचओ-जीएमपी के अनुरूप मैनुफैक्चरिंग और क्वालिटी पर विशेष ध्यान देने के साथ, कंपनी यह सुनिश्चित करती है कि उसके प्रोडक्ट कड़े ग्लोबल स्टैंडर्ड्स को पूरा करते हैं।

छोटे ग्राहकों से लेकर सिक्योर्ड लोन तक, हर मोर्चे पर बढ़त

बेंगलुरु। जब बैंकिंग सेक्टर में प्रतिस्पर्धा लगातार तेज़ हो रही है, ऐसे समय में सिर्फ तेज़ी से बढ़ना ही काफी नहीं माना जाता, बल्कि भरोसेमंद एसेट क्वालिटी, मजबूत डिपॉजिट बेस और संतुलित लोन बुक बनाए रखना भी उतना ही जरूरी हो गया है। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में इसी संतुलन के साथ मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। बैंक ने एक ओर रिकॉर्ड डिस्बर्समेंट हासिल किया, तो दूसरी ओर मुनाफे और सिक्योर्ड लोन पोर्टफोलियो में भी उल्लेखनीय बढ़त दर्ज की। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक की ग्रॉस लोन बुक 26.6% सालाना वृद्धि के साथ 40,655 करोड़ रुपए तक पहुँच गई। इस दौरान बैंक ने अब तक का सबसे अधिक तिमाही डिस्बर्समेंट 9,811 करोड़ रुपए दर्ज किया। वहीं, चौथी तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 238.2% बढ़कर 282 करोड़ रुपए रहा। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के एमडी एवं सीईओ संजीव नौटियाल ने कहा, 'भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार मजबूती दिखा रही है और आरबीआई के अनुसार वित्त वर्ष 27 में इसके 6.9% की दर से बढ़ने का अनुमान है। मजबूत घरेलू आधार, सरकार की पहल और पर्याप्त लिक्विडिटी इस वृद्धि को समर्थन दे रहे हैं। हालाँकि, पश्चिम एशिया संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, सप्लाई चेन में रुकावट और सुपर एल नीनो जैसी मौसम संबंधी परिस्थितियाँ महँगाई को बढ़ावा देकर जोखिम पैदा कर सकती हैं।' बैंक के डिपॉजिट्स 21.4% की वृद्धि के साथ 45,668 करोड़ रुपए तक पहुँच गए, जबकि सीएएसए अनुपात बढ़कर 28.6% हो गया। सिक्योर्ड लोन बुक 43.5% बढ़कर 20,079 करोड़ रुपए रही, जिससे कुल लोन बुक में इसकी हिस्सेदारी 49.4% तक पहुँच गई। उन्होंने बताया कि गोल्ड, व्हीकल और एग्री लोन जैसे नए बिजनेस सेगमेंट्स में भी तेज़ विस्तार हुआ है। साथ ही बैंक की एसेट क्वालिटी में सुधार जारी रहा और मार्च 2026 तक जीएनपीए और एनएनपीए घटकर क्रमश: 2.27% और 0.43% पर आ गए।

एमेजॉन इंडिया ने भारत में 90,000 डिलीवरी एसोसिएट्स के लिए हैल्थ कवरेज का विस्तार किया

1.5 लाख रुपये तक के मेडीक्लेम, 10,000 रुपये तक के ओपीडी बेनेफिट्स और 10 लाख रुपये तक के एक्सीडेंट कवर के साथ इंश्योरेंस कवरेज बढ़ाया

नई दिल्ली। एमेजॉन इंडिया ने भारत में अपने ऑपरेशन नेटवर्क में काम करने वाले लगभग 90,000 डिलीवरी एसोसिएट्स को हैल्थ एवं इंश्योरेंस बेनेफिट्स प्रदान करने की घोषणा की। इन बेनेफिट्स में रूटीन मेडिकल खर्चों के लिए ओपीडी कवरेज, इन-पेशेंट केयर के लिए हॉस्पिटलाईजेशन सपोर्ट और अस्थायी या स्थायी विकलांगता होने पर मुआवजा शामिल है, ताकि तत्कालिक मेडिकल जरूरतों और चोट के कारण होने वाले आय के नुकसान का कवरेज उन्हें मिल सके। ये बेनेफिट्स सभी लास्ट-माईल प्रोग्राम्स के एसोसिएट्स के लिए शुरू किए जाएंगे। मेडीक्लेम कवरेज को 1.5 लाख रुपये तक बढ़ाया जाएगा, वहीं 10,000 रुपये तक के ओपीडी खर्च कवर किए जाएंगे। ग्रुप पर्सनल एक्सीडेंट कवरेज को 10 लाख रुपये तक बढ़ाया गया है। वैलनेस बेनेफिट्स के अंतर्गत प्रतिवर्ष एसोसिएट्स और उनके परिवार के तीन सदस्यों तक को कवरेज मिलेगा,

जिसमें हर साल विभिन्न भाषाओं में डॉक्टर का अनलिमिटेड वर्चुअल परामर्श तथा प्रति परिवार दो निशुल्क इन-पर्सन ओपीडी विजिट शामिल होंगी। अतिरिक्त सपोर्ट भी दी जाएगी, जिसमें डायग्नोस्टिक, फार्मेसी, डेंटल और आँखों की केयर पर छूट के साथ ऐसे टूल्स शामिल होंगे, जो प्रिवेंटिव हैल्थ और फिटनेस को बढ़ावा देते हैं। एमेजॉन ने थर्ड पार्टी इंश्योरर के साथ पूरे देश में हैल्थ कैंपों का आयोजन भी किया है, ताकि एमेजॉन के नेटवर्क में काम करने वाले हजारों डिलीवरी एसोसिएट्स को फ्री हैल्थ चेकअप प्रदान किया जा सके। इन मेडिकल कैंपों में उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं, जैसे आँखों की जाँच, दांतों की जाँच, बीएमआई आकलन और डॉक्टर का परामर्श प्राप्त होते हैं। डिलीवरी एसोसिएट इन सेवाओं का लाभ भारत में एमेजॉन के लास्ट माईल डिलीवरी स्टेशन में स्थापित किसी भी कैंप में आकर सरकार द्वारा जारी किया गया आईडी कार्ड दिखाकर प्राप्त कर सकते हैं। ये सभी अभियान एमेजॉन द्वारा हाल ही में घोषित 2,800 करोड़ रुपये (300 मिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक के निवेश का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य देश में सबसे सुरक्षित, सबसे तेज और सबसे भरोसेमंद लॉजिस्टिक नेटवर्क्स में से एक का लगातार विस्तार करते हुए अपने एसोसिएट्स की सुरक्षा, स्वास्थ्य, और फाईनेंशियल सेहत में सुधार लाना है।

एमेजॉन इंडिया में डायरेक्टर-ऑपरेशंस, सलीम मेमन ने कहा, "हम भारत में अपने ऑपरेशन नेटवर्क, इन्फ्रास्ट्रक्चर और फ्रंटलाईन स्टाफ में लगातार निवेश कर रहे हैं। हमारे लिए हमारे डिलीवरी एसोसिएट्स की सेहत व सुरक्षा सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। हम उनके लिए ओपीडी, हॉस्पिटलाईजेशन और एक्सीडेंट बेनेफिट्स का कवरेज बढ़ाएंगे ताकि उन्हें ज्यादा विस्तृत सपोर्ट मिल सके। हम पूरे देश में हैल्थ कैंपों का आयोजन भी कर रहे हैं, ताकि उन्हें फ्री चेकअप और प्रिवेंटिव केयर उपलब्ध हो सकें। हमारे ये अभियान हाल ही में देश में अपने ऑपरेशन नेटवर्क में एसोसिएट्स की सेहत व सुरक्षा बढ़ाने के लिए हमारे द्वारा घोषित 2,800 करोड़ रुपये के निवेश का हिस्सा हैं।" एमेजॉन स्वास्थ्य व सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने ऑपरेशंस नेटवर्क में एसोसिएट्स के लिए लक्ष्य पर केंद्रित अभियानों में लगातार निवेश कर रहा है। इस साल मार्च में शुरू किए गए हैल्थ कैंप छः शहरों के डिलीवरी स्टेशनों पर आयोजित हो चुके हैं। अब ये हैल्थ कैंप अन्य मेट्रो एवं टियर 2 शहरों में लगाए जाएंगे। इन कैंपों में डिलीवरी एसोसिएट्स की हैल्थ स्क्रीनिंग की जाती है और उनकी हैल्थ को होने वाले जोखिमों को पहचाना जाता है, ताकि खासकर गर्मियों के मौसम में वो स्वस्थ रहकर काम कर सकें। साथ ही, डिलीवरी एसोसिएट्स की हैल्थकेयर एवं फाईनेंशियल सुरक्षा के लिए हैल्थ एवं इंश्योरेंस बेनेफिट्स भी शुरू किए गए हैं।

छत्तीसगढ़ में कैंसर से निपटने के लिए शुरुआती पहचान और उन्नत स्थानीय इलाज क्यों जरूरी हैं

रायपुर। भारत में कैंसर तेजी से एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनता जा रहा है। छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में यह समस्या और भी अधिक गंभीर है। बड़ी ग्रामीण आबादी, जागरूकता की कमी और विशेष चिकित्सा सेवाओं तक देर से पहुँच के कारण कई मरीजों में कैंसर का पता उन्नत चरणों में चलता है। बेहतर उपचार परिणाम सुनिश्चित करने के लिए कैंसर की समय पर पहचान सबसे प्रभावी उपाय है। लेकिन, सामुदायिक स्तर पर नियमित जाँच और जागरूकता की कमी के कारण कई मामलों का पता बहुत देर से चल पाता है। ऐसे समय में स्थानीय स्तर पर कैंसर देखभाल की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। बाल्को मेडिकल सेंटर, जिसे वेदांता लिमिटेड संचालित करती है, मध्य भारत के लोगों तक उन्नत, किफायती और समग्र कैंसर उपचार पहुँचाकर इस कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वर्ष 2018 से अब तक 170 बेड वाले इस गैर-लाभकारी ऑन्कोलॉजी केंद्र ने 65,000 से अधिक मरीजों का उपचार किया है और हजारों सर्जरी व कीमोथेरेपी सत्र संचालित किए हैं। यह क्षेत्र में कैंसर के बढ़ते बोझ के साथ-साथ उपचार सेवाओं तक बढ़ती पहुँच को भी दर्शाता है। बाल्को मेडिकल सेंटर में देखभाल पूरी उपचार यात्रा को कवर करती है। इसमें रोकथाम, शुरुआती पहचान, इलाज, उपचार के बाद का जीवन (सर्वाइवरशिप) और पेनिएटिव केयर शामिल है। यह सेवाएँ मरीजों के घर के पास उपलब्ध कराई जाती हैं, ताकि वे बिना किसी रुकावट के अपना इलाज जारी रख सकें। डॉ. भावना सिरोही ने कहा, 'छत्तीसगढ़ जैसे क्षेत्रों में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक यह है कि मरीज अक्सर बीमारी के उन्नत चरणों में हमारे पास आते हैं। इसे बदलने के लिए जागरूकता, शुरुआती पहचान और उपचार तक पहुँच के लिए लगातार प्रयास जरूरी हैं। स्क्रीनिंग कार्यक्रमों, सामुदायिक आउटरीच और विशेषज्ञों के साथ संवाद के माध्यम से हम बीमारी की पहचान को शुरुआती चरणों की ओर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। यह सब, सुलभ और व्यापक उपचार के साथ मिलकर, मरीजों के जीवन की गुणवत्ता और जीवित रहने की संभावना को बेहतर बना सकता है।'

यह केंद्र मरीजों को बिना किसी रुकावट के इलाज जारी रखने में मदद करने के लिए मजबूत सहायता प्रणालियाँ भी विकसित कर चुका है। दूरस्थ जिलों से आने वाले मरीजों को अस्पताल तक पहुँचने के लिए नि:शुल्क परिवहन सुविधा दी जाती है। बाल्को मेडिकल सेंटर की 'सुख सराय' सुविधा उपचार के दौरान मरीजों और उनके परिजनों के लिए आवास उपलब्ध कराती है। इसके अलावा, कीमोथेरेपी ले रहे मरीजों को उनके स्वास्थ्य लाभ में मदद के लिए मुफ्त उच्च प्रोटीन आहार भी प्रदान किया जाता है। वित्तीय चुनौतियों को दूर करने के लिए बाल्को मेडिकल सेंटर का चैरिटेबल फंड मरीजों की डायग्नोसिस में आने वाली कमी और इलाज की लागत को कवर करने में सहायता करता है। यह केंद्र इंडियन कैंसर सोसायटी, नरगिस दत्त फाउंडेशन और कडल फाउंडेशन जैसे संगठनों के साथ मिलकर भी काम करता है, ताकि मरीजों को उनके पूरे कैंसर उपचार के दौरान बेहतर सहयोग मिल सके। बाल्को मेडिकल सेंटर विभिन्न प्रमुख बीमा प्रदाताओं के साथ भी पैनल में शामिल है और कई सरकारी योजनाओं के तहत उपचार प्रदान करता है, जिससे अधिक मरीज बिना वित्तीय बाधा के स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। बाल्को मेडिकल सेंटर ने अपनी क्षमताओं को और मजबूत करते हुए 'दा विंची शी' रोबोटिक सर्जरी सिस्टम को भी शामिल किया है। यह प्रणाली कम चीरे वाली (मिनिमली इनवेसिव) सर्जरी की सुविधा देती है, जिससे रक्तस्राव कम होता है और मरीज जल्दी स्वस्थ हो जाते हैं। इससे मरीजों के उपचार परिणाम और समग्र अनुभव में सुधार होता है। छत्तीसगढ़ में कैंसर से लड़ाई के लिए शुरुआती पहचान और गुणवत्तापूर्ण इलाज तक पहुँच, दोनों पर बराबर ध्यान देना जरूरी है। बढ़ती जागरूकता और उन्नत तकनीक के उपयोग के साथ, बाल्को मेडिकल सेंटर जैसे केंद्र मरीजों के परिणामों में सुधार करने और उन्हें घर के पास समय पर व प्रभावी इलाज का बेहतर अवसर देने में मदद कर रहे हैं।

अब हर साल सात जून को जारी होंगे जीडीपी के आंकड़े : एनएसओ

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) आंकड़ों को जारी करने की समय-सीमा में संशोधन किया है। सरकार ने बीते वित्त वर्ष 2025-26 और मार्च तिमाही के जीडीपी के आंकड़ों की प्रकाशन तिथि को मई के आखिरी कार्यदिवस से संशोधित कर अब 7 जून कर दिया है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि हर साल वार्षिक जीडीपी के अनंतिम अनुमान और चौथी तिमाही के आंकड़े मई के अंतिम कार्य दिवस के बजाय अब 7 जून को जारी किए जाएंगे। मंत्रालय के मुताबिक यदि सात जून को अवकाश रहता है, तो आंकड़े उससे पहले वाले कार्य दिवस पर जारी किए जाएंगे। मंत्रालय के मुताबिक जीडीपी के आंकड़ों की गुणवत्ता को और बढाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी सलाहकार समिति (एसीएनएएस) से उचित परामर्श के बाद प्रकाशन की तिथि में संशोधन किया गया है। प्रकाशन तिथि में संशोधन की आवश्यकता

इसलिए हुई क्योंकि कुछ महत्वपूर्ण आंकड़े दो महीने तक की देरी से उपलब्ध होते हैं। विशेष रूप से, सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा लेखापरीक्षित चौथी तिमाही और वार्षिक वित्तीय परिणाम दाखिल करने की वैधानिक समय-सीमा वित्त वर्ष की समाप्ति से 60 दिन है, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में कंपनियां 31 मई की समय-सीमा के करीब अपने वित्तीय विवरण प्रस्तुत करती हैं। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने कहा कि इसके अलावा केंद्र सरकार के खातों के संबंध में मार्च महीने के राजस्व व्यय, पूंजीगत व्यय, करों, सब्सिडी और ब्याज भुगतान से संबंधित प्रमुख राजकोषीय आंकड़े अंतिम रूप दिए जाने के बाद दो महीने की देरी से उपलब्ध होते हैं।

बॉलीवुड समाचार

घुंघराले बालों से थी नफरत, अब वही बनी अनुपमा परमेश्वरन की पहचान

दक्षिण भारतीय फिल्मों की चर्चित अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन आज अपनी शानदार अभिनय क्षमता के साथ-साथ खूबसूरत घुंघराले बालों के लिए भी जानी जाती हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी था जब उन्हें अपने बाल बिल्कुल पसंद नहीं थे। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की। अनुपमा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में अपने कर्ली हेयर को फ्लॉन्ट किया। इसके साथ उन्होंने एक भावुक और प्रेरणादायक नोट भी लिखा। अभिनेत्री ने बताया कि बचपन और शुरुआती दिनों में वह अपने घुंघराले बालों को छिपाने की कोशिश करती थीं। उन्हें लगता था कि उनके बाल दूसरों की तरह सीधे और सामान्य होने चाहिए। यही वजह थी कि वह बार-बार अपने बालों को सीधा करने और बदलने की कोशिश करती रहती थीं। अभिनेत्री ने लिखा कि समय के साथ उन्होंने खुद को समझना और अपनाना सीखा। उन्होंने महसूस किया कि जो चीज उन्हें सबसे अलग बनाती है, वही उनकी असली पहचान और खूबी है। अनुपमा के मुताबिक, अब उनके घुंघराले बाल उनकी सबसे पसंदीदा चीजों में शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें सबसे ज्यादा खुशी तब मिलती है, जब लोग उनसे कहते हैं कि उन्हें देखकर उन्होंने भी अपने प्राकृतिक घुंघराले बालों को अपनाना शुरू किया। अभिनेत्री ने कहा कि खुद को जैसे हैं वैसे स्वीकार करना बेहद शक्तिशाली एहसास होता है और यही आत्मविश्वास दूसरों को भी खुद से प्यार करना सिखाता है। अनुपमा परमेश्वरन दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपनी नेचुरल एक्टिंग, मासूम अंदाज और गर्ल-नेक्स्ट-डोर इमेज के लिए काफी लोकप्रिय हैं। उन्होंने मलयालम, तेलुगु और तमिल फिल्मों में अपनी अलग पहचान बनाई है। फिल्म 'प्रेमम' से मिली लोकप्रियता के बाद उन्होंने 'कार्तिकेय 2' और 'टिल्लू स्क्वायर' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता। वर्कफ्रंट की बात करें तो अनुपमा जल्द ही तेलुगु रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'क्रेजी कल्याणम' में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन बदरप्पा गजुला कर रहे हैं। इसके अलावा वह निर्माता प्रेरणा अरोड़ा की एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म में भी दिखाई देंगी, जिसकी शूटिंग मई 2026 में शुरू होने वाली है। साल 2025 अभिनेत्री के लिए बेहद सफल रहा। उनकी तमिल फिल्म 'ड्रैगन', तेलुगु फिल्म 'किष्किंधापुरी' और तमिल फिल्म 'बाइसन' को दर्शकों ने खूब पसंद किया। वहीं महिला प्रधान फिल्म 'परधा' में उनके अभिनय की विशेष सराहना हुई। इस फिल्म में उन्होंने 'सुब्बू' नाम की गांव की लड़की का किरदार निभाया था, जो समाज में पर्दा प्रथा जैसी पुरानी परंपराओं को चुनौती देती है।

मां बनना जिंदगी का सबसे सुंदर अनुभव : दीपिका सिंह

टीवी शो 'मंगल लक्ष्मी' में मंगल का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री दीपिका सिंह ने अपने बेटे सोहम को अपनी जिंदगी का सबसे अहम हिस्सा बताया और कहा कि मातृत्व ने उन्हें जीवन को नए नजरिए से समझना सिखाया है। दीपिका सिंह ने मदर्स डे को लेकर अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा कि मां बनना उनकी जिंदगी का सबसे सुंदर और बदलाव लाने वाला अनुभव रहा है। दीपिका सिंह ने कहा कि एक अभिनेत्री के तौर पर उन्होंने पर्दे पर कई तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन अपने बेटे सोहम की मां बनना उनके जीवन का सबसे खास और सबसे बड़ा किरदार है। उनके अनुसार मां बनना केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवनभर चलने वाला भावनात्मक सफर है, जो हर दिन इंसान को कुछ नया सिखाता है। अभिनेत्री ने बताया कि उनके बेटे का मासूम और प्यारा स्वभाव उन्हें जिंदगी के छोटे-छोटे पलों की अहमियत का एहसास कराता है। उन्होंने कहा कि कई बार व्यस्त जीवन में लोग छोटी खुशियों को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन बच्चे हर पल को खास बना देते हैं। दीपिका ने कहा कि जब वह अपने शो में बच्चों के साथ शूटिंग करती हैं, तो उन्हें अक्सर ऐसा महसूस होता है जैसे वह अपने बेटे सोहम के साथ समय बिता रही हों। उन्होंने बताया कि वह अपने बेटे को यह समझाने की कोशिश करती हैं कि प्यार और देखभाल केवल मां तक सीमित नहीं होती।

दादी, नानी, मौसी, चाची और शिक्षक जैसे रिश्ते भी बच्चों की जिंदगी में बेहद खास भूमिका निभाते हैं। दीपिका के मुताबिक परिवार का हर सदस्य बच्चे को स्नेह और संस्कार देने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। दीपिका सिंह ने यह भी कहा कि वह चाहती हैं कि उनका बेटा उन्हें एक कामकाजी महिला और जिम्मेदार मां दोनों रूपों में देखे। उनके अनुसार जब बच्चे अपनी मां को मेहनत करते हुए देखते हैं, तो उन्हें यह समझ आता है कि सपनों को पूरा करने के लिए संघर्ष और समर्पण कितना जरूरी होता है। मदर्स डे के मौके पर दीपिका ने सभी माताओं और महिलाओं को सम्मान देते हुए कहा कि वह सिर्फ अपने मां होने का जश्न नहीं मना रहीं, बल्कि उन सभी महिलाओं की ताकत और समर्पण को सलाम करती हैं, जो प्यार और धैर्य के साथ अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभाती हैं। उन्होंने कहा कि एक महिला की पहचान केवल मां होने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह जीवन में कई जिम्मेदारियां एक साथ निभाती है।

'इश्क दम और इडली रसम' में दिखेगा प्यार और संस्कृति का मेल

अपनी नई वेब सीरीज 'इश्क दम और इडली रसम' को लेकर अभिनेत्री सुरभि चंदना काफी उत्साहित हैं। सुरभि का कहना है कि यह सीरीज सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि प्यार, परिवार, भावनाओं और सांस्कृतिक विरासत का खूबसूरत उत्सव है। इस खास प्रोजेक्ट में वह सिर्फ अभिनय ही नहीं कर रही हैं, बल्कि एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में भी जुड़ी हुई हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले बनी यह सीरीज दर्शकों को दक्षिण भारतीय खाने की खुशबू, रिश्तों की गर्माहट और यादों से भरी एक भावनात्मक यात्रा पर ले जाएगी। सीरीज की कहानी एक पुराने साउथ इंडियन रेस्टोरेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो समय और परिस्थितियों से संघर्ष कर रहा है। कहानी के केंद्र में मीरा नायर नाम की एक युवा शेफ है, जिसका किरदार अभिनेत्री शाइनी दोशी ने निभाया है। मीरा अपने दिवंगत पिता की विरासत को संभाल रही

है और उसके लिए यह रेस्टोरेंट सिर्फ कारोबार नहीं, बल्कि भावनाओं और पारिवारिक मूल्यों का हिस्सा है।

वह मानती है कि खाना केवल स्वाद नहीं, बल्कि सेवा, अपनापन और जिम्मेदारी का प्रतीक होता है। कहानी में नया मोड़ तब आता है जब अर्जुन ठाकुर की एंट्री होती है, जिसका किरदार अभिनेता अभिषेक कुमार निभा रहे हैं। अर्जुन एक प्रतिभाशाली शेफ और निवेशक है, जो रेस्टोरेंट को फिर से खड़ा करने का सपना दिखाता है। हालांकि उसकी सोच और काम करने का तरीका मीरा की दुनिया को पूरी तरह बदलने की क्षमता रखता है। इसी टकराव और भावनात्मक संघर्ष के बीच रिश्तों, सपनों और बदलाव की कहानी आगे बढ़ती है। सुरभि चंदना ने इस प्रोजेक्ट को अपने करियर का बेहद खास पड़ाव बताया है। उन्होंने कहा कि इस शो से वह शुरुआत से ही भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई थीं। उनके मुताबिक कैमरे के पीछे रचनात्मक प्रक्रिया का हिस्सा बनना उनके लिए एक बेहद खूबसूरत अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि यह शो सादगी और अपनापन से भरी कहानी है, जो दर्शकों के दिलों को छू लेगी। वहीं अभिनेता अभिषेक कुमार ने कहा कि यह कोई साधारण प्रेम कहानी या शेफ ड्रामा नहीं है। उनके अनुसार इस शो में खाना लोगों की भावनाओं, उनके अतीत और रिश्तों को समझने का माध्यम बनता है।

उन्होंने अर्जुन के किरदार को अब तक निभाए गए सबसे चुनौतीपूर्ण किरदारों में से एक बताया। अपकमिंग वेब सीरीज 'इश्क दम और इडली रसम' 11 मई से यूट्यूब पर स्ट्रीम होगी। इस सीरीज में शाइनी दोशी और अभिषेक कुमार के अलावा नेहा लक्ष्मी अय्यर, अमन सिंह, प्रेरणा सहगल, विजया लक्ष्मी गुरव और करण खन्ना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

मौनी रॉय और सूरज नांबियार के रिश्ते में आई दरार...

मौनी रॉय और उनके पति सूरज नांबियार को लेकर सोशल मीडिया पर इन दिनों अलगाव की अटकलें तेज हो गई हैं। टीवी से बॉलीवुड तक अपनी पहचान बना चुकी मौनी की निजी जिंदगी को लेकर तब चर्चाएं शुरू हुईं, जब फैंस ने देखा कि दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। इस घटनाक्रम के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। फैंस का ध्यान इस बात पर भी गया कि सूरज नांबियार ने कथित तौर पर मौनी के साथ अपनी शादी और छुट्टियों की कई तस्वीरें इंस्टाग्राम से डिलीट या आर्काइव कर दी हैं। हालांकि मौनी के अकाउंट पर अब भी दोनों की तस्वीरें मौजूद हैं। सोशल मीडिया पर अचानक आई इस दूरी को देखकर फैंस कयास लगा रहे हैं कि दोनों के रिश्ते में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। हालांकि अब तक मौनी रॉय या सूरज नांबियार की ओर से इन खबरों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। गौरतलब है कि सूरज दुबई में रहने वाले एक व्यवसायी और निवेश बैंकर हैं,

जो बेंगलुरु के जैन परिवार से संबंध रखते हैं। दोनों ने साल 2022 में गोवा में मलयाली और बंगाली रीति-रिवाजों के साथ भव्य डेस्टिनेशन वेडिंग की थी। मौनी अक्सर पति सूरज के साथ अपनी छुट्टियों और खास पलों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रही हैं।

विभागीय समन्वय के साथ बेहत्तर कार्य करें अधिकारी - प्रभारी सचिव बोरा

विभागीय समन्वय के साथ बेहत्तर कार्य करें अधिकारी - प्रभारी सचिव बोरा

- सुशासन तिहार अंतर्गत शिविरों में प्राप्त आवेदनों का करें गुणवत्तापूर्वक निराकरण
- ग्रीष्मऋतु को ध्यान में रखते पेयजल का हो पुख्ता प्रबंध

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रमुख सचिव एवं दुर्ग जिले के प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा ने मंगलवार को जिला मुख्यालय स्थित लोक निर्माण विभाग कार्यालय के सभाकक्ष में अधिकारियों की समीक्षा बैठक में प्रस्तावित एजेंडानुसार पुलिस, वन विभाग, जिला पंचायत, नगरीय निकाय, राजस्व, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, आदिवासी विकास, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा–निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि अविभाजित मध्यप्रदेश के समय से सामाजिक, आर्थिक, व्यवसायिक, शैक्षणिक एवं राजनीतिक दृष्टिकोण से दुर्ग जिले का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन और नवाचारी के लिए मॉडल जिले के रूप में पहचान है। जिले की पहचान को कायम रखते हुए विभागीय अधिकारी समन्वय के साथ बेहतर कार्य करना सुनिश्चित करें। उन्?होंने कहा कि शासन की महत्वकांक्षी सुशासन तिहार अंतर्गत शिविरों में प्राप्त आवेदनों का अधिकारी गुणवत्तापूर्वक निराकरण करना सुनिश्चित करें। इस दौरान आवश्यक विभागीय सेवाएं लोगों को उपलब्ध कराएं। प्रभारी सचिव ने कहा कि हर विभाग एक दूसरे का पूरक है। शासन की योजनाओं पर समग्र रूप से कार्य किया जाए। समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल भी उपस्थित थे।

प्रभारी सचिव श्री बोरा ने नगरीय निकायों में पेयजल एवं नालों की सफाई आदि की जानकारी ली। उन्?होंने कहा कि ग्रीष्मऋतु को ध्यान में रखते हुए नगरीय निकायों में पेयजल का पुख्ता प्रबंध किया जाए। आवश्यकतानुसार टैंकरों से पानी सप्लाई की जाए। इसी प्रकार बरसात पूर्व नगर के बड़े नालों की समय रहते सफाई पूर्ण कर ली जाए। नालों में हुए अतिक्रमण भी हटाए। सैप्टिक टैंक सफाई के दौरान एसओपी का पालन किया जाए।

नगरीय निकायों में स्वीकृत पीएम आवास निर्माण कार्य पूर्ण करायी जाए। हितग्राही सम्मेलन आयोजित कर उन्हें आवास निर्माण हेतु प्रोत्साहित किया जाए। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना की समीक्षा के दौरान सहायक परियोजना अधिकारी मनरेगा के लंबित मजूदरी का भुगतान राशि के बारे में बताया गया कि शासन द्वारा राशि स्वीकृत कर दी गई है, वर्तमान में श्रमिकों के खाते में राशि क्रेडिट होना प्रारंभ हो गया है तथा भुगतान राशि लगातार जारी है।

प्रभारी सचिव श्री बोरा ने सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत को अपने–अपने क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में मनरेगा श्रमिकों के खातों में मजदूरी राशि आहरण की जानकारी साझा करने तथा भुगतान से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये है। रोजगार सहायकों को भी श्रमिकों से संपर्क कर मजदूरी भुगतान संबंधी जानकारी साझा कराये ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में श्रमिकों से जुड़ी भुगतान संबंधी किसी भी समस्या का शीघ्र समाधान किया जा सकें।

उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर भी श्रमिकों को उनके खातों में जमा राशि होने संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। प्रभारी सचिव ने लखपति दीदी और स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेस–2 की जानकारी ली। उन्?होंने कहा कि कम्युनिटी शौचालय जहां जरूरी है वही होना चाहिए। अधिकारियों ने अवगत कराया कि एन.आर.एल.एम. अंतर्गत 78 हजार 411 लक्ष्य के विरूद्ध, 37 हजार लखपति दीदी बनाये गये हैं।

स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने की विभाग की व्यापक समीक्षा

रायपुर,(प्रतिदिन राजधानी)

स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने आज मंत्रालय (महानदी भवन) में शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने राज्य की शैक्षणिक योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति का जायजा लेते हुए रपष्ट किया कि विद्यार्थियों को मूलभूत सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सचिव ने विभाग द्वारा संचालित प्रमुख योजनाएं जिनमें निःशुल्क योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। निःशुल्क वितरण, पाठ्य पुस्तक, गणवेश (यूनिफॉर्म) और सरस्वती साइकिल योजना के तहत वितरित की जाने वाली सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय–सीमा में अनिवार्य रूप से पूर्ण रूप से वितरित की जाएं। विद्यार्थियों को दी जाने वाली निःशुल्क सामग्रियों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। राज्य के विद्युत विहीन और शौचालय विहीन विद्यालय भवनों को चिह्नित कर वहां शीघ्र व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन की समीक्षा करते हुए श्री सिंह ने स्मार्ट क्लास, डिजिटल लर्निंग और विज्ञान प्रयोगशालाओं के अधिकतम उपयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा पद्धति से जोड़ना समय की मांग है, इसके लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम और शैक्षणिक ऐप्स का प्रभावी उपयोग किया जाए।

राज्य शासन ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टरों को लिखा पत्र

नगरीय निकायों के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं का स्थल निरीक्षण एवं ऑडिट कर उनकी कार्यप्रणाली, तकनीकी और पर्यावरणीय स्थिति के परीक्षण के दिए निर्देश

- ठोस अपशिष्ट के संग्रहण, परिवहन एवं प्रसंस्करण की अद्यतन स्थिति की नियमित समीक्षा करने कहा
- निकायों में दर्शनीय स्वच्छता, जलाशयों की सफाई, बैकलेन की स्वच्छता, नालियों एवं नालों की नियमित सफाई, निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट के प्रसंस्करण की भी नियमित समीक्षा के निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राज्य शासन ने सभी कलेक्टरों को केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 का क्रियान्वयन सभी नगरीय निकायों में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने मंत्रालय से परिपत्र जारी कर कलेक्टरों को स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अन्तर्गत परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए गठित जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष होने के नाते इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा है।

नगरीय प्रशासन विभाग ने कलेक्टरों को अपने जिले के सभी नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों व अन्य संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की वर्तमान स्थिति के सूक्ष्म आकलन के निर्देश दिए हैं। सभी निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं जैसे मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (स्क्रस्न), कंपोस्टिंग फैसिलिटी, अपशिष्ट प्रसंस्करण एवं पुनर्चक्रण इकाईयाँ, ट्रांसफर स्टेशन, सैनिटरी लैंडफिल तथा लिगेसी वेस्ट डम्प–साइट्स का स्थल निरीक्षण एवं ऑडिट करते हुए उनकी कार्यप्रणाली, तकनीकी और पर्यावरणीय स्थिति के परीक्षण के लिए भी निर्देशित किया गया है।

विभाग ने कलेक्टरों को नगरीय निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्य के लिए स्वीकृत सभी परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए निकायों में क्रियान्वित परियोजनाओं के जियो–टैग्ड फोटोग्राफ्स हर महीने ई–मेल के माध्यम से मंगाकर परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक में जियो–टैग्ड फोटोग्राफ्स का परीक्षण करने को कहा है। इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं का चिन्हांकन कर उनके समयबद्ध निराकरण के निर्देश कलेक्टरों को दिए गए हैं।

नगरीय प्रशासन विभाग ने निकायों में उत्सर्जित हो रहे ठोस अपशिष्ट के संग्रहण, परिवहन एवं प्रसंस्करण की अद्यतन स्थिति, दर्शनीय स्वच्छता, जलाशयों की सफाई, बैकलेन की स्वच्छता, नालियों एवं नालों की नियमित सफाई तथा निर्माण एवं विध्वंस (ष्ट×ष्ठ) अपशिष्ट के प्रसंस्करण की नियमित समीक्षा के निर्देश दिए हैं। विभाग ने इन कार्यों की सतत निगरानी के लिए निकायों द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के स्वच्छतम पोर्टल पर स्वीकृत परियोजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति एवं स्वच्छता गतिविधियों से संबंधित प्रविष्टियों की भी जिला स्तर पर नियमित समीक्षा करने को कहा है। विभाग द्वारा इन कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कलेक्टरों को अपेक्षित कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है।

दैनिक
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार
के 25 वर्ष पूर्ण होने पर
आकर्षक ऑफर कम दर में
क्लासीफाईड विज्ञापन
प्रकाशित करें
पब्लिक नोटिस
आम सूचना
कोर्ट नोटिस
खरीदी बिक्री
आवश्यकता
अखबार पढ़ने के लिए स्कैन करे :-
VISIT US ON SCAN
संपर्क करें:-
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
9806044444
pratidincg@gmail.com
https://epaper.pratidinrajdhani.in

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294-07988

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1, रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेंडिकल हॉस्पिटल, पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर, रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01259, 62642-74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर
Website: www.maaadagency.com
मो. 78691-87165

मुख्यमंत्री ने मुंगेली की विकास की अनवरत धारा को रेखांकित करने दी 353 करोड़ 58 लाख के विकास कार्यों की सौगातें

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

सुशासन को मजबूत बनाने और आमजनों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार के तहत रविवार को मुंगेली जिला ऐतिहासिक विकास सौगातों का साक्षी बना। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जिला मुख्यालय स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल होकर जिले को 353 करोड़ 58 लाख रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने जिले में 353 करोड़ 58 लाख रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया, इनमें 152 करोड़ 02 लाख रूपये से अधिक के 284 कार्यों का लोकार्पण एवं 201 करोड़ 56 लाख रूपए से अधिक के 130 कार्यों का शिलान्यास शामिल है, इससे जिले में इन्फ्रास्ट्रक्चर से जनसुविधाओं तक शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, जल सहित बुनियादी सुविधाओं को मजबूती मिलेगी।

जिला मुख्यालय स्थित डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव, वाणिज्य एवं उद्योग, श्रम, आबकारी तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक, मुंगेली विधायक श्री पुन्नूलाल मोहले, तखतपुर विधायक श्री धरमजीत सिंह, बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, जिला पंचायत मुंगेली अध्यक्ष श्री श्रीकांत पाण्डेय, नगर पालिका अध्यक्ष श्री रोहित शुक्ला, उपाध्यक्ष श्री जयप्रकाश मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने स्वागत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि जिले में सुशासन तिहार अंतर्गत आमजनों से सतत सम्पर्क कर उनकी समस्याओं का समाधान करने प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले के समुचित विकास एवं जनकल्याण एवं सुशासन के संकल्प के साथ जिले को नई प्रशासन प्रतिबद्ध है। पुष्प सड़कों, अमृत सरोवरों में विभिन्न कार्य, विभिन्न ग्रामों के आंगनबाड़ी भवनों सहित अन्य कार्यों का लोकार्पण किया।

दिल्ली की बहुप्रतीक्षित शाम की फ्लाइट दूसरे ही फेरे में रद्द, यात्रियों में रोष व निराशा

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

बिलासपुर से दिल्ली के लिए शुरू की गई बहुचर्चित शाम की विमान सेवा की दूसरी निर्धारित उड़ान रविवार को रद्द कर दी गई। उसने अब तक एक ही उड़ान भरी थी, 10 मई को दूसरी बार यात्रियों को शाम के समय दिल्ली लेकर जाना था। फ्लाइट निरस्त होने के बाद 32 यात्रियों को टिकट की पूरी राशि वापस कर दी गई। जानकारी के अनुसार एलायंस एयर के एक विमान के तकनीकी कारणों से ग्राउंडेड होने के चलते यह उड़ान संचालित नहीं हो सकी।

इस घटनाक्रम के बाद हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने राज्य सरकार और एयरलाइन व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। समिति का कहना है कि दूसरी ही फ्लाइट का रद्द होना इस बात का प्रमाण है कि केवल एलायंस एयर के भरोसे बिलासपुर और छत्तीसगढ़ के अन्य छोटे एयरपोर्टों को बेहतर हवाई सुविधा नहीं मिल सकती।

तकनीकी खराबी से एलायंस एयर सेवा प्रभावित, निजी एयरलाइनों को बुलाने की मांग फिर उठी

समिति ने आरोप लगाया कि एलायंस एयर के आधे से अधिक विमान वर्तमान में मेंटेनेंस के कारण बंद पड़े हैं, जबकि संचालन में शामिल विमानों में भी लगातार तकनीकी खराबियां सामने आ रही हैं। ऐसे में पर्याप्त यात्री संख्या होने के बावजूद एयरलाइन नियमित और भरोसेमंद सेवाएं देने में असफल साबित हो रही है।

समिति ने कहा कि वह लंबे समय से राज्य सरकार से मांग कर रही है कि बिलासपुर से निजी एयरलाइनों की सेवाएं शुरू कराने के लिए ओपन टेंडर जारी किए जाएं। लेकिन सरकार अब तक इस दिशा में कोई पहल नहीं कर रही है। समिति का कहना है कि जब तक निजी एयरलाइनों को आमंत्रित नहीं किया जाएगा, तब तक बिलासपुर, अंबिकापुर और जगदलपुर जैसे एयरपोर्टों को पर्याप्त उड़ान सेवाएं नहीं मिल पाएंगी।

समिति ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि इंडिगो, फ्लाई-91, स्टार एयर और स्पाइसजेट जैसी निजी एयरलाइनों को भी बिलासपुर से उड़ान संचालन के लिए आमंत्रित किया जाए और उन्हें वही सब्सिडी दी जाए जो वर्तमान में एलायंस एयर को दी जा रही है। इधर हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति का महाधरना रविवार को भी जारी रहा। धरने में अनिल गुलहारे, मनोज श्रीवास, महेश दुबे, टाटा रामशरण यादव, समीर अहमद, बबला शिरीष कश्यप, प्रतीक तिवारी, मनोज तिवारी, दीपक कश्यप, मझहर खान, संतोष पिपलवा, अमर बजाज, विजय वर्मा, गौरव एयरी, जितेंद्र पांडेय, राजेश यादव, ब्रह्मदेव सिंह ठाकुर, रवि खत्री, राम मनोहर, संदीप बाजपेयी, राशिद बख्श, शहबाज अली, मोहसिन अली और सुदीप श्रीवास्तव सहित कई लोग मौजूद रहे।

टोल प्लाजा के पास पार्किंग के नाम पर वसूली, चालक और हेल्पर से मारपीट, एक बंदी

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

बिल्हा थाना क्षेत्र में ढाबे के बाहर वाहन खड़ा करने के नाम पर अवैध वसूली और मारपीट का मामला सामने आया है। पैसे देने से इनकार करने पर आरोपी ने वाहन चालक और हेल्पर के साथ मारपीट की तथा वाहन का सामने का शीशा भी तोड़ दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार प्रार्थी सनोझ कुमार यादव, निवासी बिल्हा मोड़, थाना हिर्री, ने 9 मई 2026 को थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि मुढ़ीपार टोल प्लाजा के पास एक ढाबे के बाहर वाहन खड़ा करने को लेकर आरोपी मिथलेश गेंदले द्वारा जबरन पैसे की मांग की गई। रकम देने से मना करने पर आरोपी ने गाली-गलौज शुरू कर दी और चालक व हेल्पर के साथ मारपीट की। इतना ही नहीं, आरोपी ने बांस के डंडे से वाहन के सामने का शीशा भी तोड़ दिया, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। शिकायत दर्ज होने के बाद थाना प्रभारी ने मामले की जानकारी तत्काल डीआईजी और एसएसपी रजनेश सिंह को दी। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह तथा सीएसपी चकरभाठा डी.आर. टंडन के निर्देशन में एक टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की गई।

पीएफ फाइल पास कराने के नाम पर घूस, एसईसीएल का बाबू सीबीआई के जाल में फंसा

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित एसईसीएल कुसमुंडा परियोजना के सीएमपीएफ विभाग में पदस्थ एक क्लर्क को केंद्रीय जांच ब्यूरो ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी पर एक खदान कर्मी की पीएफ फाइल आगे बढ़ाने के बदले 10 हजार रुपये की मांग करने का आरोप है। इस कार्रवाई के बाद एसईसीएल प्रबंधन कार्यालय में हड़कंप मच गया है।

5 लाख निकालने मांगे थे 10 हजार

जानकारी के मुताबिक, खदान कर्मी अपने पीएफ खाते से लगभग 5 लाख रुपये निकालना चाहता था। इसके लिए उसने सीएमपीएफ विभाग में पदस्थ क्लर्क मनोहर लाल कौशिक से संपर्क किया।

आरोप है कि क्लर्क ने फाइल प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए कर्मचारी को कई दिनों तक चक्कर कटवाए और आखिरकार रिश्वत की मांग की।

कर्मचारी ने क्लर्क की मांग से परेशान होकर इसकी शिकायत भिलाई स्थित सीबीआई कार्यालय में की। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने मामले की जांच शुरू की और आरोपी को पकड़ने के लिए विशेष टीम गठित कर कुसमुंडा भेजी।

बताया जा रहा है कि रविवार को कार्यालय बंद होने के कारण आरोपी क्लर्क ने कर्मचारी को किसी अन्य स्थान पर बुलाया था।

सीबीआई टीम पहले से ही वहां निगरानी कर रही थी। जैसे ही मनोहर लाल कौशिक ने 10 हजार रुपये की रिश्वत ली, टीम ने उसे मौके पर दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई टीम आरोपी को अपने साथ ले गई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसे सोमवार को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

वर्तमान को खुशहाल बनाकर जीना सीखें-कौशल्या साय

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय सेवा केन्द्र चोपड़ा पारा द्वारा रविवार को अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस के अवसर पर 'मां-सुखी परिवार की आधारशिला है' विषय पर कार्यक्रम एवं नौ दिवसीय समर कैंप 'उमंग 2026' का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कौशल्या साय थीं। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, महापौर मंजूषा भगत एवं ब्रह्माकुमारीज संचालिका बीके विद्या दीदी मौजूद रहीं। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि कौशल्या साय ने मातृशक्ति एवं पितृशक्ति को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वर्तमान ही हमारी जिंदगी है, जो पल मिला है उसे खुशी से जी लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जीवन को बहस और टीका-टिप्पणी में व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। उन्होंने यातायात सुरक्षा, नशामुक्त जीवन और बच्चों को अच्छे संस्कार देने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि माता-पिता जो संस्कार बच्चों में देखना चाहते हैं, उन्हें पहले स्वयं अपनाना होगा। माताएं अपने अंदर की शक्तियों को जागृत कर घर को देवालय बनाएं और मौन की शक्ति अपनाकर तनावमुक्त जीवन जिएं।

जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह ने मातृ दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यदि सास-ससुर बहू को बेटी की तरह अपनाएं और बहू भी सास-ससुर को माता-पिता समान सम्मान दे, तो वृद्धाश्रमों की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा हर वर्ष समर कैंप के माध्यम से बच्चों में अच्छे संस्कार विकसित किए जाते हैं। वहीं बीके विद्या दीदी ने मां को परिवार की प्रथम गुरु बताते हुए कहा कि मां ही बच्चों को जीवन के प्रारंभिक संस्कार देती है। उन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान एवं सकारात्मक सोच को खुशहाल परिवार की नींव बताया।

कार्यक्रम में समर कैंप के विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। 'समर कैंप अवार्ड 2026' बॉयज वर्ग में राजेश्वर साहू एवं गर्ल्स वर्ग में अदिति तिवारी को प्रदान किया गया। बच्चों ने अपनी माताओं को गुलदस्ता एवं उपहार देकर मातृ दिवस मनाया।

इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता वंदना दत्ता, करता राम गुप्ता, भाजपा नेता अनिल सिंह मेजर, पार्षद आलोक दुबे सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन बीके प्रतिमा ने किया।

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर जयंती पर सांस्कृतिक आयोजन, रविंद्र संगीत की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर नेताजी बंग समाज कल्याण समिति द्वारा भगवानपुर स्थित मधुर मिलन परिसर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुदेव के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने गुरुदेव टैगोर की कविताओं के अंश मूल बांग्ला भाषा में प्रस्तुत करते हुए उनके साहित्य, रचनाओं एवं बंगाली समाज की सांस्कृतिक परंपराओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज द्वारा संस्कृति संरक्षण के प्रयासों की सराहना की।

विशिष्ट अतिथि सांसद चिंतामणि महाराज ने बांग्ला भाषा में सभी को गुरुदेव जयंती की शुभकामनाएं देते हुए टैगोर के जीवन, राष्ट्रगान की रचना, नोबेल पुरस्कार, गीतांजलि एवं अन्य साहित्यिक कृतियों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने सनातन परंपरा में बंगाली समाज की भूमिका की प्रशंसा की।

समिति के अध्यक्ष दिलीप धर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बंगाली समाज की भाषा, साहित्य एवं कला के संरक्षण और संवर्धन पर बल देते हुए कहा कि गुरुदेव टैगोर के आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

कार्यक्रम में कुलदीप सिंह कथुर ने शांतिनिकेतन में अध्ययन के अनुभव साझा किए, जबकि दिलीप कुमार विश्वास ने गुरुदेव के जीवन, नोबेल पुरस्कार एवं राष्ट्रगान की रचना से जुड़ी जानकारी दी। शिल्पा पांडे एवं नूतन विश्वास ने महिला शिक्षा और रविंद्र संगीत के महत्व पर अपने विचार रखे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिमांगी त्रिपाठी, भानु प्रकाश मुखर्जी, जय किशन विश्वास, मोनालिका सोनी, सीमा खानवलकर, शिल्पी, अनुकूल समद्दार, सीमा अधिकारी, संचित रानी धर, इशिता पाल, आतिशी मुखर्जी एवं पावी हालदार ने रविंद्र संगीत एवं गीतांजलि की कविताओं की प्रस्तुति दी। वहीं प्रगति विश्वास, प्रतीक विश्वास, खुशी सरकार, पूनम हालदार, अंकित एवं एकल नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम का संचालन सुनीता दास एवं लिली बसुराय ने किया। इस अवसर पर कलाकारों एवं अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

देवगढ़ शिव मंदिर में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर उमड़े भक्त

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

उदयपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत देवटिकरा स्थित ऐतिहासिक शिव मंदिर देवगढ़ में सोमवार को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। मंदिर परिसर में धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक गौरव का वातावरण देखने को मिला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर पर हुए हमले के 1000 वर्ष और इसके जीर्णोद्धार के 75 वर्ष पूर्ण होना सनातन संस्कृति की अटूट शक्ति और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्र गौरव का उत्सव है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं एवं जनप्रतिनिधियों ने गुजरात में आयोजित मुख्य समारोह से नरेंद्र मोदी के लाइव प्रसारण को देखा और उनका संबोधन सुना। प्रधानमंत्री के संदेश को सुनने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे।

विशिष्ट अतिथि प्रबोध मिंज ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व देश के वैभवशाली इतिहास और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह ने इसे आस्था, विश्वास और स्वाभिमान का पर्व बताया। कलेक्टर अजीत वसंत ने कहा कि भारत की प्राचीन सभ्यताएं और सांस्कृतिक विरासत हमारी पहचान हैं, जिन्हें संरक्षित रखना हम सभी का दायित्व है।

कुदरगढ़ जंगल में जुआ खेल रहे 5 गिरफ्तार

सूरजपुर,, प्रतिदिन राजधानी

कुदरगढ़ चौकी पुलिस ने जंगल में जुआ खेल रहे पांच जुआरियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस को रविवार 10 मई को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुदरगढ़ जंगल में कुछ लोग हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर कुदरगढ़ चौकी की पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर पांच आरोपियों को जुआ खेलते रंगे हाथ पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों में रामस्वरूप सिंह सावांरावा, कन्हैया यादव इंदरपुर, रामबिलास चेरवा सुंदरपुर, राजेश सिंह सावांरावा तथा अंगद कुमार देवागन कुदरगढ़ शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 22 हजार 800 रुपये नगद और बावन पत्ती ताश की गड्डी जब्त किया है। सभी आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत कार्रवाई की गई है।

धान बिक्री की राशि अटकी, बीमार किसान ने कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार

बलरामपुर-रामानुजगंज, प्रतिदिन राजधानी

जिले के ग्राम भवरमाल निवासी एक गरीब आदिवासी किसान ने धान बिक्री की राशि नहीं मिलने पर कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई है। किसान का आरोप है कि बैंक प्रबंधन की लापरवाही और खाते पर गलत तरीके से होल्ड लगाए जाने के कारण उसे अपनी मेहनत की कमाई नहीं मिल पा रही है, जिससे वह गंभीर बीमारी का इलाज कराने में भी असमर्थ है।

जानकारी के अनुसार भवरमाल निवासी केदार सिंह, पिता स्वर्गीय मेवा सिंह, (60 वर्ष) लकवा एवं किडनी में पथरी जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। किसान ने कलेक्टर को दिए आवेदन में बताया कि उन्होंने खरीफ वर्ष 2025-26 में 38.80 क्विंटल धान बिक्री किया था, जिसकी कुल राशि 1 लाख 20 हजार 280 रुपये बनती है, लेकिन अब तक पूरी राशि प्राप्त नहीं हो सकी है। किसान के अनुसार उनका बैंक खाता जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित में संचालित है। बैंक प्रबंधन द्वारा उन्हें बताया गया कि वर्ष 2022 में उनके खाते में 1 लाख 92 हजार रुपये का ऋण दर्ज है, जबकि किसान का कहना है कि उन्होंने कोई ऋण नहीं लिया है। इसी आधार पर खाते को होल्ड कर दिया गया है।

आवेदन में उल्लेख किया गया है कि किसान ने 25 फरवरी 2025 को शाखा प्रबंधक को लिखित शिकायत दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद 18 मार्च 2025 को जनदर्शन में कलेक्टर को आवेदन देने पर खरीफ वर्ष 2024-25 की धान बिक्री राशि जारी की गई थी।

किसान ने आरोप लगाया कि 29 अप्रैल 2026 को इलाज के लिए बैंक से राशि निकालने पहुंचे तो बैंक कर्मचारी शिवा ने 49 हजार रुपये देने के नाम पर 500 रुपये ले लिए। बाद में बैंक प्रबंधन ने खाते में कर्ज लंबित होने की बात कहकर भुगतान देने से इनकार कर दिया। किसान का कहना है कि न तो धान बिक्री की राशि मिली और न ही 500 रुपये वापस किए गए।

पीड़ित किसान ने कलेक्टर से मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए धान बिक्री की लंबित राशि शीघ्र दिलाने की मांग की है, ताकि वह अपना इलाज करा सके। आवेदन के साथ किसान ने बैंक पासबुक, आधार कार्ड एवं पूर्व में दिए गए आवेदनों की प्रतियां भी संलग्न की हैं।

उपराष्ट्रपति ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान -एम्स नई दिल्ली के 51वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

- **उपराष्ट्रपति ने वहन करने योग्य शुल्क के साथ उत्कृष्ट चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए एम्स की सराहना की**
- **उपराष्ट्रपति ने एम्स से उत्तीर्ण डॉक्टरों से सहानुभूति और सत्यनिष्ठा के साथ स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने का आह्वान किया**

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान -एम्स, नई दिल्ली के 51वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में एम्स के योगदान का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह संस्थान चिकित्सा नवाचार और स्वास्थ्य सेवा उत्कृष्टता में देश का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है, जो रोगी देखभाल और आधुनिक चिकित्सा के उच्चतम मानक स्थापित करते हुए आम लोगों के लिए काफी सस्ते दर पर इलाज प्रदान करने वाला बना हुआ है। उन्होंने कहा कि महामारी से निपटने की क्षमता से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच तक, ₹एम्स ब्रांड₹ समूचे भारत और दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र में भरोसे और सत्यनिष्ठा का पर्याय बन गया है।

उपराष्ट्रपति ने शैक्षणिक मानकों से समझौता किए बिना बड़ी संख्या में रोगियों के कुशल चिकित्सा प्रबंधन के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और एम्स के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, संस्थान के निदेशक और संकाय सदस्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि एम्स दशकों से ऐसे विशेषज्ञ तैयार करता आ रहा है जिनमें चिकित्सा उत्कृष्टता के साथ ही नैतिकता और सहानुभूति की भावना प्रबल है। इसी भावना के साथ संस्थान के पूर्व छात्र विश्व भर के प्रतिष्ठित संस्थानों में अग्रणी पदों पर आसीन हैं।

इस वर्ष के आरंभ में अंटार्कटिका में दूरस्थ रोबोटिक अल्ट्रासाउंड आयोजित करने में एम्स की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि इसने सिद्ध कर दिया है कि भौगोलिक स्थिति अब भारतीय चिकित्सा उत्कृष्टता में बाधक नहीं है। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोग के लिए भारत-फ्रांस केंद्र सहित संस्थान के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय सहयोगों का भी उल्लेख किया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि एम्स अब स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा दोनों ही क्षेत्रों में वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है। क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग का उल्लेख करते हुए सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि एम्स ने केवल दो वर्षों में 40 पायदान ऊपर चढ़कर वैश्विक स्तर पर 105वां स्थान हासिल कर लिया है। उपराष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि संस्थान शीघ्र ही इस रैंकिंग में शीर्ष 100 संस्थानों में शामिल हो जाएगा और एक दिन दुनिया का अग्रणी संस्थान बनेगा। उन्होंने कहा कि एम्स ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क के तहत मेडिकल कॉलेजों को दी जाने वाली वार्षिक श्रेणी में 2018 से 2025 तक लगातार शीर्ष स्थान बरकरार रखा है।

उपराष्ट्रपति ने संस्थान के संकाय सदस्यों और अनुसंधानकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि एम्स की उत्कृष्टता वर्षों से इसके संकाय सदस्यों को मिले असंख्य पद्म पुरस्कारों में परिलक्षित होती है। उन्होंने कहा कि इस विशिष्ट सूची में 2 पद्म विभूषण, 15 पद्म भूषण और 51 पद्म पुरस्कार विजेता शामिल हैं, जबकि 57 संकाय सदस्य विश्व स्तर पर स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल हैं।

बांग्लादेश में सफल पोर्ट कॉल के बाद आईओएस सागर का चट्टोग्राम से प्रस्थान

नई दिल्ली। हिंद महासागर जहाज (आईओएस) सागर पहल के तहत तैनात, भारतीय नौसेना का आईएनएस सुनयना, बांग्लादेश नौसेना (बीएन) के साथ पेशेवर गतिविधियों, समुद्री सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान से संपन्न सफल पोर्ट कॉल के बाद 10 मई, 2026 को बांग्लादेश के चट्टोग्राम से रवाना हुआ। जहाज वर्तमान में श्रीलंका के कोलंबो रूट पर है। बांग्लादेश नौसेना द्वारा औपचारिक विदाई समारोह के साथ जहाज को रवाना किया गया।

इस यात्रा के दौरान, आईओएस सागर के कमांडिंग ऑफिसर ने बांग्लादेश नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की, जिनमें कमांडर बटालियन फ्लीट और कमांडर चट्टोग्राम नौसेना क्षेत्र शामिल थे। इस मुलाकात का उद्देश्य द्विपक्षीय समुद्री सहयोग और क्षेत्रीय समुद्री उद्देश्यों को और मजबूत करना था। जहाज पर आयोजित एक स्वागत समारोह में बांग्लादेश नौसेना की वरिष्ठ हस्तियों ने भाग लिया, वहीं नौसेना द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह में भी अतिथि दल के सदस्यों ने शिरकत की।

पेशेवर वार्तालापों में दोनों नौसेनाओं के कर्मियों के बीच क्रॉस-डेक दौरे और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान शामिल था। आईओएस सागर के चालक दल ने बांग्लादेश नौसेना अकादमी का भी दौरा किया और अधिकारी कैडेटों और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की। मैत्रीपूर्ण खेल गतिविधियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दोनों नौसेनाओं के बीच आपसी समझ और सौहार्द को और मजबूत किया।

चट्टोग्राम से प्रस्थान करने के बाद, आईओएस सागर ने बीएनएस प्रोटोय और बांग्लादेश नौसेना के हवाई संसाधनों के साथ पैसेज एक्सरसाइज (पासेक्स) में भाग लिया। इस अभ्यास में समन्वित समुद्री अभ्यास और उन्नत सतह युद्धाभ्यास शामिल थे, जिनका उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच अंतरसंचालनीयता और संचालन सहयोग को बढ़ाना था।

इस यात्रा और उसके बाद हुए पासेक्स सम्मेलन ने हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत और बांग्लादेश की साझा प्रतिबद्धता पर जोर दिया। 16 सहयोगी देशों के कर्मियों के साथ, आईओएस सागर इस क्षेत्र में अपनी संचालन संबंधी तैनाती जारी रखे हुए है और इसका अगला पड़ाव श्रीलंका में कोलंबो होगा।

डिजिलॉकर एकीकरण की असाधारण पहलों के लिए पांच राज्यों को सम्मानित किया गया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (एनईजीडी) सार्वजनिक सेवाओं की सुचारु और कुशल डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए देश भर में नागरिक सेवाओं के साथ डिजिलॉकर को एकीकृत करने की दिशा में लगातार काम कर रहा है। डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत एनईजीडी ने विभिन्न राज्य डिजिटल सेवा प्लेटफार्मों के साथ डिजिलॉकर के एकीकरण को सुगम बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। इस क्षेत्र में अनुकरणीय पहलों को मान्यता देते हुए डिजिलॉकर एकीकरण में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पांच राज्यों को सम्मानित किया गया। यह सम्मान 11 मई, 2026 को आयोजित 'राज्य डेटा के लिए साइबर सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला' के दौरान प्रदान किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान पांच राज्यों- गुजरात, कर्नाटक, केरलम, नागालैंड और राजस्थान- के अधिकारियों और एसईएमटी टीमों को राज्य सरकार की सेवाओं में बड़े पैमाने पर डिजिलॉकर एकीकरण और इसे अपनाने में उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान एमईआईटीवाई के डिजिटल गवर्नेंस डिवीजन के संयुक्त सचिव और एनईजीडी के अध्यक्ष एवं सीईओ श्री नंद कुमारम द्वारा एमईआईटीवाई के संयुक्त सचिव श्री के.के. सिंह, सीईआरटी-आईएन के महानिदेशक डॉ. संजय बहल, एनआईसी के एचओजी श्री वी.टी.वी. रमना और एमईआईटीवाई के साइबर सुरक्षा डिवीजन की महाप्रबंधक सुश्री सविता उट्रेजा की उपस्थिति में प्रदान किया गया।

मान्यता प्राप्त राज्यों ने कई विभागीय सेवाओं के साथ डिजिलॉकर को एकीकृत करने में अनुकरणीय प्रदर्शन किया, जिससे दस्तावेज़ों तक पहुंच आसान हो गई, भौतिक सत्यापन की आवश्यकताएं कम हो गईं और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) के माध्यम से नागरिकों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ, जैसा कि नीचे उल्लेख किया गया हैः

गुजरात - राज्य ने 65 प्रतिशत सेवाओं को डिजिलॉकर से जोड़ा है और 1.92 करोड़ से अधिक नागरिकों के लिए डिजिटल इकोसिस्टम का विस्तार किया है। गुजरात को बस परिवहन में नवाचार के लिए भी पुरस्कृत किया गया है, जहां उन्होंने डिजिटल दिव्यांगता प्रमाण पत्र सक्षम किए हैं, जिन्हें मुफ्त परिवहन का लाभ उठाने के लिए दिखाया जा सकता है।

कर्नाटक – राज्य में 'डिजिटल कर्नाटक' की ओर बढ़ते हुए 73 प्रतिशत सरकारी ई-सेवाओं को प्लेटफार्म पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यहां 2.7 करोड़ से अधिक नागरिकों के साथ सबसे अधिक डिजिलॉकर खाते पंजीकृत हैं। कर्नाटक ने बहुत कम समय में सभी 5 विद्युत वितरण कंपनियों को जोड़कर 3 करोड़ बिद्युत बिल रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण का लक्ष्य हासिल किया।

केरलम - राज्य ने विभिन्न विभागों के समन्वय से 7 दिनों से भी कम समय में 117 से अधिक सेवाओं को अपने प्लेटफॉर्म पर शामिल कर लिया है। केरलम 1.15 करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ताओं को सेवाएं प्रदान करता है।

नागालैंड - 'डिजिटल राइजिंग स्टेट' के रूप में नामित नागालैंड ने मात्र एक महीने में 32 से अधिक सेवाओं को एकीकृत कर लिया है। नागालैंड ने जारीकर्ता और अनुरोधकर्ता दोनों मॉडलों में एकीकरण किया है, जो डिजिटल परिवर्तन में उनकी उत्कृष्टता को दर्शाता है।

राजस्थान – राज्य ने 7.5 करोड़ से अधिक नागरिकों को लाभ पहुंचाते हुए डिलीलॉकर के साथ पारिवारिक रजिस्टर 'जन आधार' को लागू किया। राज्य ने बिजली बिल और कई अन्य सेवाओं को तीव्र गति से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कैलिफोर्निया में मेयर बन गई थी चीन की जासूस

ड्रैगन की चाल से उड़े अमेरिका के होश

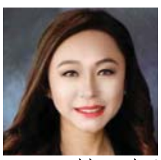

कैलिफोर्निया/अमेरिका। अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई ने कैलिफोर्निया के आर्केडिया शहर की मेयर ईलीन वांग पर चीन के लिए अवैध एजेंट के तौर पर काम करने का गंभीर आरोप लगाया है। संघीय अदालत में वांग के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एफबीआई के मुताबिक, ईलीन वांग ने साल 2020 से 2022 के बीच चीन सरकार के अधिकारियों के निर्देश पर काम किया और अमेरिका में चीन के हितों को बढ़ावा देने की कोशिश की। वांग पर हुए इस खुलासे के बाद अमेरिकी प्रशासन के होश उड़े हुए हैं।

एफबीआई के मुताबिक, ईलीन वांग और याओनिंग माइक सन नाम के शख्स ने चीन की सरकार के इशारे पर अमेरिका में रह रहे कुछ लोगों के साथ मिलकर जमकर प्रॉपेगैंडा फैलाया। इसके लिए उन्होंने यूएस न्यूज़ सेंटर नाम की वेबसाइट का इस्तेमाल किया, जिसे स्थानीय चीनी-अमेरिकी समुदाय के लिए एक न्यूज प्लेटफॉर्म बताया जाता था। जांच एजेंसियों का कहना है कि इस वेबसाइट पर चीन समर्थक सामग्री चीन सरकार के निर्देश पर प्रकाशित की जाती थी। 58 साल की ईलीन वांग ने इस मामले में लगे आरोपों को स्वीकार कर लिया है। इस अपराध में अधिकतम 10 साल तक की सजा हो सकती है। अमेरिकी न्याय विभाग के मुताबिक, वांग सोमवार दोपहर लॉस एंजिलिस स्थित अमेरिकी जिला अदालत में पेश होंगी और आने वाले हफ्तों में औपचारिक रूप से अपना गुनाह कबूल कर सकती हैं। बता दें कि ईलीन वांग नवंबर 2022 में आर्केडिया सिटी काउंसिल के लिए चुनी गई थीं। यह 5 सदस्यों वाली परिषद है, जिसमें बारी-बारी से मेयर चुना जाता है।

चीन की एजेंट के तौर पर फंसने के बाद वांग ने आर्केडिया सिटी काउंसिल और मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है। न्याय विभाग ने अपने बयान में बताया कि जून 2021 में चीन के एक अधिकारी ने वीचैट ऐप के जरिए वांग और अन्य लोगों को पहले से तैयार न्यूज आर्टिकल भेजे थे।

अगर दोबारा हमला हुआ तो 90 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धन करेंगे: ईरान

तेहरान। पश्चिम एशिया संकट फिर गहराने लगा है। अमेरिका के प्रस्तावों का ईरान की ओर से दिया जवाब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पसंद नहीं आया तो तल्ख बयानों की झड़ी लग गई। इस बीच ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उस पर दोबारा हमला किया गया तो वह यूरेनियम संवर्धन की दर 90 प्रतिशत कर देगा। ईरानी संसद की कमीशन के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने दावा किया कि इस विकल्प पर संसद में समीक्षा की जाएगी। उन्होंने 90 प्रतिशत संवर्धन की बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की। यूरेनियम को 90 प्रतिशत तक समृद्ध करना हथियार स्तर का संवर्धन माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के मुताबिक ईरान पहले ही 60 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन कर चुका है, जो वेपन ग्रेड के काफी करीब माना जाता है।

रिपोर्ट के अनुसार ईरान ने हाल के वर्षों में 60 फीसदी शुद्धता तक यूरेनियम संवर्धन तेज किया है।

इस बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का बयान भी बढ़ते तनाव और टकराव की तस्दीक करता है। उन्होंने कहा है कि ईरान में बड़े पैमाने पर मिलिट्री एक्शन के दोबारा होने की पूरी आशंका है।

ट्रंप के पहले चरण के दौरान नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर रहे एच.आर. मैकमास्टर का अनुमान है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान फिर से शुरू होगा। सीएनएन के एक शो में उनसे ट्रंप के उस बयान को लेकर सवाल किया गया था जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान के साथ सीजफायर लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर है। यानी ये अत्यंत कमजोर स्थिति में है।

सुर्खियों में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की टिप्पणी भी है। जिन्होंने एक टीवी साक्षात्कार में कहा कि ईरान के साथ युद्ध तब तक जारी रहेगा जब तक देश के पास बहुत ज्यादा संवर्धित यूरेनियम का भंडार है।

उन्होंने अमेरिकी चैनल सीबीएस के प्रोग्राम 60 मिनट्स में कहा, यह खत्म नहीं हुआ है, क्योंकि अभी भी परमाणु पदार्थ, यानी एनरिच्ड यूरेनियम, उनके पास है जिसे ईरान से बाहर ले जाना है। अभी भी एनरिचमेंट साइट्स हैं जिन्हें खत्म करना है। यह पूछे जाने पर कि इसे कैसे हटाया जाना चाहिए, नेतन्याहू ने कहा, आप अंदर प्रवेश करते हैं और इसे बाहर निकाल लाते हैं।

धर्मेंद्र प्रधान ने आज भारत नवाचार 2026 उच्चस्तरीय राजनयिक सम्मेलन को संबोधित किया

- **"प्रौद्योगिकी का उपयोग मानवता की सेवा के लिए होना चाहिए"- धर्मेंद्र प्रधान ने वैश्विक समुदाय को भारत इनोवेट्स 2026 में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया**
- **भारत ने भारत नवाचार 2026 से पहले राजनयिक समुदाय के सामने गहन प्रौद्योगिकी नवाचार का अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया**

नई दिल्ली। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने आज नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में भारत नवाचार 2026 पर एक उच्च स्तरीय राजनयिक वार्ता का आयोजन किया। यह वार्ता भारत नवाचार 2026 की तैयारियों के अंतर्गत आयोजित की जा रही गतिविधियों का हिस्सा थी। यह कार्यक्रम भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष के अंतर्गत 14-16 जून 2026 को फ्रांस के नीस में आयोजित किया जाएगा।

इस संवाद में भारत के राजदूतों, उच्चायुक्तों, राजनयिकों और भारत सरकार के अधिकारियों ने भाग लिया और भारत के तेजी से बढ़ते नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से वैश्विक सहयोग के अवसरों पर विचार-विमर्श किया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर प्रधान ने कहा कि भारत आज वैश्विक व्यवधानों और चुनौतियों को नए नवाचारों के अवसरों के रूप में देखता है और भविष्य के विकास को आकार देने वाले अग्रणी देशों में से एक के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एक प्रौद्योगिकी बाजार से प्रौद्योगिकी विकासकर्ता और विश्व के लिए एक विश्वसनीय भागीदार बनने की ओर अग्रसर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में नवाचार को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया गया है। इसमें अनुसंधान, विकास और राष्ट्रीय एवं वैश्विक चुनौतियों के समाधान खोजने पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रधान ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत की युवा आबादी, स्टार्टअप इकोसिस्टम, उच्च शिक्षा संस्थान और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा अटल इनोवेशन मिशन जैसी पहलें आलोचनात्मक सोच, बहुविषयक शिक्षा, उद्यमिता और ज्ञान सृजन की संस्कृति को बढ़ावा दे रही हैं।

प्रधान ने आगे कहा कि भारत नवाचार 2026 एक राष्ट्रीय नवाचार आंदोलन है और यह नवप्रवर्तकों, निवेशकों, संस्थानों, उद्योगों और सरकारों के बीच सहयोग के लिए एक वैश्विक मंच का प्रतिनिधित्व करता है। भारत के ₹समावेशी नवाचार₹ के दर्शन पर जोर देते हुए प्रधान ने कहा कि भारत के नवाचारों का उद्देश्य न केवल घरेलू जरूरतों को पूरा करना है, बल्कि विश्व, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के लिए, व्यापक, लागत प्रभावी और समावेशी समाधान प्रदान करना भी है।

फ्रांस में आयोजित होने वाले भारत इनोवेट्स 2026 में अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत अकेले विकास नहीं करना चाहता बल्कि साझेदारी, सहयोग और समन्वय के माध्यम से विकास करना चाहता है। प्रधानमंत्री मोदी के इस दृष्टिकोण को दोहराते हुए कि "प्रौद्योगिकी को मानवता की सेवा करनी चाहिए" और विकास समावेशी होना चाहिए, प्रधान ने वैश्विक भागीदारों से मानवता के सामूहिक लाभ के लिए भारत की नवाचार यात्रा में शामिल होने का आह्वान किया।

विदेश मंत्रालय के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने उल्लेख किया कि भारत इनोवेट्स प्रौद्योगिकी, नवाचार, उच्च शिक्षा, अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहलों में से एक है। उन्होंने भारत के लिए फ्रांस को एक प्रमुख भागीदार के रूप में रेखांकित किया और बताया कि 2026 को भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष घोषित किया गया है। इसका शुभारंभ इस वर्ष की शुरुआत में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन की भारत यात्रा के दौरान किया गया था। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि इस साझेदारी का उद्देश्य व्यापक वैश्विक समुदाय को लाभ पहुंचाना है। यह विश्व के लिए भारत की एक विश्वसनीय मित्र और भागीदार के रूप में भूमिका को दर्शाता है।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा सचिव डॉ. विनीत जोशी ने भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को प्रदर्शित करने वाले वैश्विक मंच के रूप में भारत इनोवेट्स 2026 के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह पहल भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों, प्रयोगशालाओं, अनुसंधान पार्कों और नवाचार प्रणालियों से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारत में उच्च शिक्षा अकादमिक शिक्षा से आगे बढ़कर उद्यमिता, प्रौद्योगिकी विकास, समस्या-समाधान और आर्थिक विकास को गति प्रदान कर रही है।

शिक्षा मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुसौम्या गुप्ता ने भारत इनोवेट्स 2026 पर एक प्रस्तुति दी। इस सत्र से विदेशी दूतावासों को भारत इनोवेट्स 2026 के लिए निर्धारित पैमाने, विषयगत फोकस और संस्थागत भागीदारी के साथ-साथ भारत इनोवेट स्टार्टअप्स की चयन प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला।

चेम्बर की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

नवीन चेम्बर भवन का नया रायपुर में जल्द होगा शिलान्यास

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की कार्यकारिणी की बैठक आज दिनांक 12 मई 2026 को दोपहर 12 बजे एम.एम.फनसिटी, बकतरा, रायपुर में आयोजित हुई। कोरम के अभाव में बैठक आधे घंटे के लिये स्थगित कर दी गई। तत्पश्चात् पुनः उसी स्थान पर विषय सूची के अनुसार बैठक की कार्यवाही प्रारंभ हुई जिसमें पिछली कार्यकारिणी की बैठक की कार्यवाही का पठन एवं अनुमोदन, लगभग 1100 प्राप्त नये सदस्यता आवेदन पत्रों की सूक्ष्म जांच के पश्चात स्वीकृति प्रदान की गई। 35 सदस्यों से प्राप्त आवेदन फर्मों के नाम, स्थान, प्रतिनिधि के नाम परिवर्तन, रू. 2000 से अधिक के खर्च की स्वीकृति, हेतु विचार विमर्श एवं अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से आदि विषयों पर चर्चा हुई। उपरोक्त सभी विषयों पर कार्यकारिणी सदस्यों ने स्वीकृति प्रदान की।

पिछली कार्यकारिणी बैठक की कार्यवाही का पठन चेम्बर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने किया जिसका अनुमोदन उपस्थित सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से किया गया। रू. 2000.00 से अधिक के खर्चों एवं आय–व्यय की जानकारी चेम्बर प्रदेश कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया ने दी जिसे उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की।

चेम्बर के आजीवन सदस्यों की सदस्यता शुल्क 15 अगस्त 2026 तक 3500.00 रहेगी उसके पश्चात् चेम्बर सदस्यता शुल्क में परिवर्तन किया जाएगा। साथ ही चेम्बर के सभी सदस्यों के लिये 3 वर्ष के लिये मेंटनेंस शुल्क के रूप में 500.00 लिया जायेगा।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारी व्यापारी एकता के माध्यम से ही हम शासन–प्रशासन से व्यापारिक हित में अपनी मांग दृढ़ता से रख सकते हैं। छत्तीसगढ़ का व्यापार जगत सुरक्षित हाथों में है और नई उंचाईयों को छूने के लिये तैयार है। जब हम एकजुट होकर बात करते हैं तो शासन–प्रशासन भी हमारी बात सुनता है। चेम्बर का प्रभाव ऐसा है कि चेम्बर की किसी भी इकाई में सदस्यों एवं व्यापारियों को कोई परेशानी आती है तो उनका समाधान तुरंत होता है।

प्रदेश अध्यक्ष ने उपस्थित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि नये चेम्बर भवन हेतु नया रायपुर में जगह का प्रावधान हो चुका है। जल्द ही एक आमसभा बुलाई जायेगी एवं चेम्बर के नवीन भवन का शिलान्यास किया जायेगा। उन्होंने आगे बताया कि चेम्बर के समस्त सदस्यों की केवाईसी इकाईयों के माध्यम से कराना आवश्यक है। चेम्बर के नये वेबसाइट की लिंक जल्द ही उपलब्ध करा दिया जावेगा।

श्री थौरानी ने आगे कहा कि हर महीने व्यापारियों के हित में विभिन्न कार्यशाला का आयोजन किया जाता है जिसमें विशेषज्ञों की टीम रहती है उसी क्रम में हम व्यापारियों के बच्चे हमारे व्यापार में ही रहे इस हेतु भी कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा ,उक्त कार्यशाला में व्यापारियों के बच्चों को भी बुलाया जायेगा। चेम्बर के वेबसाइट में इकाईयों में हो रहे गतिविधियों को अद्यतन करने हेतु इकाई पदाधिकारियों से उनके फोटो सहित कार्यक्रम की जानकारी चेम्बर के नंबर पर व्हाट्सएप करने का आग्रह किया गया।

चेम्बर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने बैठक का संचालन करते हुए बताया कि चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के नेतृत्व में व्यापारिक हित में लगातार सेमीनार का आयोजन किया जा रहा है। जिससे व्यापारी नवीन नीतियों एवं कार्यशैली से रूबरू होकर स्वयं को अपडेट कर रहे हैं। साथ ही चेम्बर द्वारा लगातार शासन–प्रशासन को पत्र के माध्यम से दे रहे ताकि व्यापारियों का व्यवसाय सुगमता से चले , इसी का परिणाम है कि राज्य के जीएसटी कलेक्शन में 8 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है जिसके लिये चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री थौरानी धन्यवाद के पात्र हैं।

चेम्बर कार्यकारी अध्यक्ष राजेश वासवानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि चेम्बर का उद्देश्य व्यापारिक हित में कार्य करते हुए व्यापारियों के व्यवसाय को आगे बढ़ाना है, संगठन ही हमारी शक्ति है। चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री थौरानी जी के नेतृत्व में हम दिल्ली भी गये थे। सरकार ने हमारी 70 प्रतिशत व्यापारिक समस्याओं का समाधान भी किया है।

चेम्बर कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह सलूजा ने कहा कि ट्रेड लाइसेंस का विषय पर चेम्बर ने प्रशासन से विभिन्न स्तर पर संपर्क किया था एवं प्रशासन द्वारा हमें आश्वस्त किया गया था कि टेऊड लायसेंस लागू नहीं किया जायेगा परंतु हमें लगता है कि सरकार पिछले दरवाजे से टेऊड लायसेंस लागू करने की योजना बना रही है। जिसे सलूजा जी ने चेम्बर अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के समक्ष रखा।

श्री सलूजा ने आगे आग्रह किया कि शासन द्वारा फायर सेफ्टी की एनओसी के लिये 10.00रू. प्रति वर्गफुट चार्ज लगाया जा रहा है जिसका चेम्बर द्वारा पुरजोर विरोध किया जाना चाहिये।

उन्होंने यह भी कहा कि समय परिवर्तन के साथ वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए चेम्बर द्वारा किसी भी कार्यक्रम की सूचना पत्र के माध्यम से न भेजकर डिजिटली रूप में व्हाट्सएप/फोन आदि के माध्यम से दी जानी चाहिए।

चेम्बर उपाध्यक्ष जितेन्द्र शादीजा ने चेम्बर की वेबसाइट के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि चेम्बर की वेबसाईट सुचारू रूप से चालू है। साथ ही अपडेशन भी वेबसाइट में कर सकते हैं।

चेम्बर कार्यकारी अध्यक्ष कमल सोनी ने कहा कि सोना (स्वर्ण) एक अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा है, वैश्विक परिस्थितियों के चलते हमारा यह कर्तव्य बनता है कि हम अपनी राशि देश के बाहर न भेजें, इससे अर्थव्यवस्था कमजोर होती है। हमारी संस्कृति में सोना (स्वर्ण) एक विशेष स्थान रखता है जिसके फलस्वरूप हम बड़ी संख्या में सोना (स्वर्ण) आयात करते हैं जो डेड मनी के रूप में तिजोरी में बंद रहता है। अतः हम लगभग एक वर्ष तक सोने की खरीदी से बचें और अपने देश की अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ करने में योगदान दें। साथ ही श्री सोनी ने वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए चेम्बर के संविधान में संशोधन करने की बात पर जोर दिया।

चेम्बर वाइसचेयरमेन चेतन तारवानी ने नये इंकमटैक्स की जानकारी देते हुए बताया कि सन् 1961 के पश्चात् अब वर्ष 2025 में आयकर के नियमों में बदलाव हुआ है लेकिन इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। नये इंकम टैक्स बहुत ही सरल है। अभी व्यापारियों को रिटर्न में रू. 12 लाख तक की छूट है, परंतु रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी है। यदि कोई भी व्यापारियों को इस संबंध में परेशानी है तो चेम्बर को लिखित में सूचना दें।

चेम्बर चेयरमेन गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने वर्तमान कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण होने पर श्री थौरानी जी एवं पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि सतीश थौरानी पूरी लगन के साथ व्यापारिक हित में कार्य करते हुए शासन–प्रशासन से मिलकर व्यापारिक समस्याओं को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। व्यापारियों को अपनी समस्याओं को चेम्बर के समक्ष रखना चाहिये।

चेम्बर संरक्षक श्री श्रीचन्द सुन्दरानी ने अपने अपने उद्बोधन में कहा कि आज चेम्बर वटवृक्ष बनकर मजबुती के साथ आगे बढ़ रहा है। समय के साथ ही चेम्बर की सदस्य संख्या में भी वृद्धि हो रही है और वर्तमान में चेम्बर के 28000 से भी अधिक आजीवन सदस्य हैं। आज व्यापारियों को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता हैं वह व्यापारियों के संघर्ष का ही परिणाम है। निश्चित रूप से समय–समय पर हमें सरकार से सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि चेम्बर में जैसे–जैसे सदस्य बढ़ते जा रहे हैं वैसे ही चेम्बर के खर्चों में भी वृद्धि हो रही है। अतः चेम्बर की सदस्यता शुल्क में भी वृद्धि की जावे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने किया।

इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया, संरक्षक – श्रीचन्द सुन्दरानी, खूबचंद पारख, यू.एन.अग्रवाल, सलाहकार– अरविंद जैन, अशोक मलानी, गुरजीत सिंह संधू, चंदर विधानी, अमरजीत सिंह छाबड़ा, संतोष जैन, चेयरमेन गोपाल कृष्ण अग्रवाल, वाइस चेयरमेन चेतन तारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष–राधाकिशन सुन्दरानी, राजेश वासवानी, जसप्रीत सिंह सलूजा, कमल सोनी, कार्यकारी महामंत्री विकास आहूजा एवं बिलासपुर, दुर्ग, भिलाई, मनेन्द्रगढ़, मुंगेली, दल्ली राजहरा, बालोद, महासमुंद, नवापारा–राजिम, खरसिया, अंबिकापुर, सारंगढ–बिलाईगढ़, तिल्दा, बेमेतरा, भाटापारा, बलौदाबाजार, कांकेर,खरोरा, राजनांदगांव, बेमेतरा, धमतरी, कोरबा, बाराद्वार सहित पूरे प्रदेश के इकाई अध्यक्ष एवं पदाधिकारीगण, पूरे प्रदेश से उपाध्यक्ष मंत्री कार्यकारिणी सदस्य एवं व्यापारिक औद्योगिक संघों के प्रतिनिधि सहित लगभग 350 से अधिक कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर 11 नर्सेज का हुआ सम्मान

रायपुर , (प्रतिदिन राजधानी)

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर सुधा सोसाइटी फाउंडेशन, रायपुर द्वारा 12 मई 2026 को विभिन्न अस्पतालों और क्लीनिकों की 11 नर्सों को सम्मानित किया गया।

नर्सों को उनके संबंधित अस्पतालों और क्लीनिकों के वरिष्ठ चिकित्सकों की उपस्थिति में प्रशस्ति पत्र एवं कॉफी मग देकर सम्मानित किया गया।

शुभ हॉस्पिटल से डॉ. विवेक गोयल, मेट क्लिनिक से डॉ. विवेक लाठ एवं श्री अमरीश चौधरी, तथा भीमसेरिया हॉस्पिटल से डॉ. स्वाति कोशले ने नर्सिंग स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देने की सोसाइटी की इस पहल की सराहना की।

सभा को संबोधित करते हुए सुधा सोसाइटी फाउंडेशन के चेयरमैन श्री जी. के. भटनागर ने कहा, ‘स्वास्थ्य सेवा में नर्सिंग स्टाफ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और अपरिहार्य है। उनकी करुणा, समर्पण और चौबीसों घंटे की सेवा रोगी देखभाल की रीढ़ है।

उम्मीद कीकिरण चैरिटेबल फाउंडेशन के नरेश बैदमुधा डायरेक्टर दीपाक्षा जैन महिला प्रभारी बने

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

अपनी सेवा भावी कार्यों के लिए शहर की उभरती हुई संस्था उम्मीद की किरण चैरिटेबल फाउंडेशन एनजीओ रायपुर के धार्मिक समाजसेवी नरेश बैदमुधा डायरेक्टर वर्तमान में ऋषभदेव जैन मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी भी है दीपाक्षा जैन को महिला प्रभारी बनाया गया है जो जैमन अकादमी मि. & मा. की एनजीओ डायरेक्टर भी है उल्लेखनीय है संस्था के द्वारा गर्मियों को देखते हुए चार प्याऊ घर भी खोला गया है जिससे आम जनता को राहत प्राप्त हो रही है संस्था की आगामी कार्यों कोटा क्षेत्र में वृहत स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा जिसमें ब्लड शुगर बीपी जनरल फिजिशियन हार्ट स्पेशलिस्ट आई स्पेशलिस्ट महिला रोग विशेषज्ञ हड्डी रोग विशेषज्ञ महिला रोग विशेषज्ञ आदि की सेवाएं निशुल्क प्रदान की जाएगी यह जानकारी लक्ष्मी नारायण लाहोटी विमल बाफना ने संयुक्त रूप से जारी की।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस पर नर्सों के सम्मान में नर्सिंग संवर्ग के पदनाम परिवर्तन की घोषणा की

नर्सिंग सिस्टर अब कहलाएंगी सीनियर नर्सिंग ऑफिसर

- स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार : श्याम बिहारी जायसवाल
- स्टाफनर्स का नाम होगा नर्सिंग ऑफिसर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस पर राज्य की नर्सों के सम्मान में नर्सिंग संवर्ग के पदनाम परिवर्तन की बड़ी घोषणा की है। इस घोषणा के अनुसार ‘नर्सिंग सिस्टर’ अब ‘सीनियर नर्सिंग ऑफिसर’ कहलाएंगी जबकि स्टाफ नर्स का नाम नर्सिंग ऑफिसर होगा।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने ये घोषणा की है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नर्सिंग अधिकारी व नर्सिंग छात्र–छात्राओं के साथ अस्पताल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मरीजों की सेवा में नर्सों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। नर्सें स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं, जो दिन–रात समर्पण भाव से मरीजों की देखभाल कर उन्हें नया जीवन देने का कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा में मानवीय संवेदनाओं और सेवा भाव का सबसे बड़ा उदाहरण नर्सिंग स्टाफ प्रस्तुत करता है। उन्होंने कोविड काल में नर्सिंग स्टाफ की सेवाओं को याद करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी नर्सों ने समर्पण और सेवा भाव के साथ कार्य किया। चिकित्सा सेवा में नर्स माँ के समान होती है। उनका दर्जा माँ के समान उच्च है क्योंकि वे मरीजों की देखभाल परिवार की तरह करती हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। वर्षों से लंबित कई सुविधाओं और व्यवस्थाओं को पूरा किया जा रहा है। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री ने सीनियर नर्सिंग ऑफिसर डॉ. रीना राजपूत, नीलिमा शर्मा, रंजना सिंह ठाकुर, सुमन देवांगन, कोमेश्वरी नवरंगे, प्रगति सतपुते, शीतल सोनी और नमिता डेनियल सहित पूरे नर्सिंग ऑफिसर को बधाई देते हुए उनके कार्यों की सराहना की।

प्रधानमंत्री की आत्मनिर्भर भारत की अपील का IBJA ने किया जोरदार स्वागत

प्रदेश अध्यक्ष तिलोकचंद बरड़िया ने कहा – पुराना सोना बनेगा नए भारत की आर्थिक शक्ति

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

इंडियन बुलियन ज्वेलरी एसोसिएशन (IBJA) के प्रदेश अध्यक्ष तिलोकचंद बरड़िया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा देशवासियों से एक वर्ष तक नए सोने की खरीद को सीमित रखने एवं घरेलू स्वर्ण संपदा के अधिकतम उपयोग की अपील का स्वागत करते हुए इसे राष्ट्रहित में लिया गया दूरदर्शी एवं ऐतिहासिक कदम बताया है।

तिलोकचंद बरड़िया ने कहा कि प्रधानमंत्री की यह सोच केवल आर्थिक बचत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत को आर्थिक रूप से और अधिक आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि देशहित सर्वोपरि है और ज्वेलरी उद्योग सदैव राष्ट्र निर्माण में अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

श्री बरड़िया ने कहा कि भारत विश्व के सबसे बड़े स्वर्ण उपभोक्ता देशों में शामिल है तथा प्रतिवर्ष भारी मात्रा में सोने का आयात किया जाता है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अस्थिरता तथा बढ़ती महंगाई के दौर में प्रधानमंत्री की यह अपील देश की आर्थिक मजबूती और दीर्घकालिक प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक एवं प्रासंगिक है।

उन्होंने कहा कि भारतीय परिवारों के पास लगभग 25,000 टन से अधिक सोना सुरक्षित रूप में मौजूद है, जो यदि पुनः आर्थिक गतिविधियों में शामिल किया जाए तो देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल सकती है। पुराने एवं निष्क्रिय सोने को आधुनिक डिज़ाइनों वाली नई ज्वेलरी में परिवर्तित करने की प्रक्रिया न केवल उपभोक्ताओं के लिए लाभकारी होगी, बल्कि इससे सोने के आयात में कमी आकर देश की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

प्रदेश अध्यक्ष श्री तिलोकचंद बरड़िया ने कहा कि IBJA "Gold E&change & Reuse Movement" के माध्यम से पूरे प्रदेश एवं देशभर में जनजागरूकता अभियान चलाएगी, ताकि लोग घरेलू स्वर्ण संपदा के महत्व को समझें और आत्मनिर्भर भारत अभियान से जुड़ें। उन्होंने कहा कि यह समय केवल व्यापार करने का नहीं, बल्कि देश की आर्थिक प्रगति में सहभागी बनने का है।

उन्होंने जानकारी दी कि अनोपचंद तिलोकचंद ज्वैलर्स प्रा. लि. द्वारा ग्राहकों के लिए विशेष गोल्ड एक्सचेंज प्रोग्राम प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत उपभोक्ता अपने पुराने एवं अनुपयोगी सोने के आभूषणों को आधुनिक डिज़ाइनों वाली नई ज्वेलरी में आसानी से एक्सचेंज कर सकेंगे। इस पहल का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के साथ–साथ घरों में रखी निष्क्रिय स्वर्ण संपदा के पुनः उपयोग को बढ़ावा देना है, ताकि सोने के आयात पर निर्भरता कम हो तथा आत्मनिर्भर भारत की भावना को और अधिक मजबूती मिल सके।

श्री बरड़िया ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक व्यावसायिक योजना नहीं, बल्कि ‘राष्ट्रहित में व्यापार’ की भावना का उदाहरण है। इससे उपभोक्ताओं को आधुनिक ज्वेलरी का लाभ मिलेगा, व्यापार को नई दिशा मिलेगी तथा देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्राप्त होगी।

उन्होंने प्रदेश के ज्वेलर्स, व्यापारिक संगठनों एवं आम नागरिकों से अपील की कि वे पुराना सोना – नया भारत अभियान से जुड़कर प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि देशवासी घरेलू स्वर्ण संपदा के पुनः उपयोग को अपनाते हैं, तो भारत आर्थिक रूप से और अधिक सक्षम, मजबूत एवं आत्मनिर्भर बनकर उभरेगा।

अंत में श्री तिलोकचंद बरड़िया ने कहा कि भारतीय ज्वेलरी उद्योग सदैव राष्ट्रहित, रोजगार सृजन, स्वदेशी व्यापार एवं आर्थिक विकास के साथ खड़ा रहा है और भविष्य में भी देश की प्रगति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक–शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक–हरीश नचरानी, मो.–9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.– 0771-2223399, मो.–6262904444